हरियाणा विधान सभा

की कार्यवाही

10 फरवरी, 2009

खण्ड 1, अंक 2

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार, 10 फरवरी, 2009

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(2)1
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(2)23
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(2)29
निंदा प्रस्ताव/उसका वापिस लेना	(2)73
कार्य सलाहकार समिति की रिपोर्ट मे सं ाोधन	(2)83
घोशणाएं	
(क) अध्यक्ष द्वारा:	
(i) चेयरपर्सन्ज के नामो की सूची	(2)84
(ii) अनुपस्थिति के संबंध मे सूचना	(2)84
(iii) अनुपस्थिति की अनुमति	(2)85
(ख) सचिव द्वारा:	
सदन के कार्यकम मे परिवर्तन	(2)90

सदन की मेज पर रखे जाने वाले/पुनः रखे जाने वाले कागज–पत्र	(2)91
वि ोशाधिकार मामलो के संबंध मे वि ोशाधिकार समिति का प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढाना।	(2)94
वर्श 1999–2000 से 2004–2005 तक की अवधि के दौरान सार्वजनिक सम्पत्तियो के हंस्तांतरण/ नीलामी/ आबंटन की विस्तृत जांच करने के लिए हरियाणा विधान सभा की समिति का प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढाना।	(2)95
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा	(2)96
बैठक का समय बढाना	(2)137
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)137
राज्यपाल क अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)113

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 10 फरवरी, 2009

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 2.00 बजे (अपरान्ह) हुई। अध्यक्ष (डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब सवाल होंगे।

Grace Marks given by H.B.S.E.

***1048. Sh. Karan Singh Dalal:** Will the Education Minister be pleased to state whether the Haryana Board of School Education gave grace marks to the students of 8th and 10th in the Annual Examination held in the year 2007-08; if so, the criteria and objective thereof:-

ि ाक्षा मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): श्रीमान् जी, एक वक्तव्य सदन के पटल पर रखा जाता है।

वक्तव्य

हां श्रीमान् जी, निम्नलिखित मानदण्ड अपनाये गए:

1. कक्षा आठवीं

हिंदी 5 अंक

गणित 15 अंक

सामाजिक विज्ञान 18 अंक

अंग्रेजी 12 अंक

सामान्य कृपांक 2.5 प्रति ात यदि किसी विद्यार्थी को इसकी आव यकता हो।

2. कक्षा दसवीं

अंग्रेजी 9 अंक

गणित 9 अंक

विज्ञान एवं तकनीकी 9 अंक

सामान्य कृपांक 2 प्रति ात, यदि किसी विद्यार्थी को इसकी आव यकता हो।

कृपांक देने का उद्दे य

सरकारी स्कूलो मे आमतौर पर समाज के गरीब तबके के विद्यार्थि ि ाक्षा ग्रहण करते है। कृपांक देने का उद्दे य स्कूल छोडने वाले विद्यार्थियो की दर को कम करना है। क्योंकि वि ोशकर 8वीं व 10वीं मे असफल होने पर बहुत से विद्यार्थि स्कूल छोड देते है।

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो स्टेटमैंट सदन के पटल पर रखी है उसमे इन्होने बताया है कि क्लास 8वीं व 10वीं के लिए इन्होने ये ग्रेस मार्क्स दिये है। अध्यक्ष महोदय, जब इन्होने यह कार्यक्रम बनाया था उस समय पर हरियाणा के ि ाक्षाविदो ने काफी टिप्पणियां की थी। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या ये इस बात से सहमत नही होंगे कि इस तरीके से ग्रेस मार्क्स देना ि ाक्षा प्रणाली और खासतौर से हमारे बच्चो की ऐलिमैंटरी एजुके ान के हिसाब से ठीक नीति नही थी। क्या मंत्री जी इस मामले मे कोई कमेटी बनाकर इस पर दोबारा विचार करेंगे? क्या इसकी समीक्षा करेंगे कि इस प्रकार का फैसला क्यों लिया गया?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, यह कोई परमानैंट पॉलिसी एडाप्ट नही की गई है। पिछले साल सरकारी स्कूलो मे पढाई का स्तर कुछ कारणो से नीचे आ गया था उसके कारण सरकारी स्कूलो के रिजल्टस भी अच्दे नही आ रहे थे। सरकारी स्कूलो मे ज्यादातर गरीब लोगों के बच्चे पढते है। अगर बच्चे ज्यादा फेल हो जाएंगे तो उनके दिमाग मे टैं ान हो जाती है और स्कूल छोडने की, ड्राप आउट करने की सम्भावना बढा जाती है। अध्यक्ष महोदय, सरकार की कोि ा ा यह रही है कि सरकारी स्कूलो में ड्राप आउट करने की बजाय ज्यादा से ज्यादा बच्चे पढे और अपनी पढाई जारी रखे। अध्यक्ष महोदय, पढाई का स्तर नीचे

जाने के दो चार कारण रहे है। एक तो सरकारी स्कूलो मे टीचर्ज की भारी कमी रही है। अध्यापको की भर्ती के उपर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी जिससे सरकारी स्कूलो मे लगभग 20 हजार टीचर्ज की कमी हो गई थी। अध्यक्ष महोदय, दूसरा कारण रहा स्मैस्टर सिस्टम। एक रिपोर्ट आई थी कि स्मैस्टर सिस्टम बहुत अच्छा है और इसके लागू होने से ि ाक्षा की गुणवत्ता मे वृद्धि होगी। उसको बोर्ड ने लागू कर दिया। अध्यक्ष महोदय, स्मैस्टर सिस्टम लागू होने के कारण पहले स्मैस्टर मे बच्चे को इसको समझने मे परे ाानी आई। अध्यक्ष महोदय, जैसा मैने बताया कि सरकारी स्कूलो मे गरीब परिवारो के बच्चे ही पढते है और उनके माता पिता भी ज्यादातर अनपढ ही होते है। वे उनको समझाने मे असमर्थ रहते है जिसका असर बच्चो की पढाई के उपर पडा। जिन बच्चे के माता पिता पढे लिखे है वे बच्चे प्राईवेट स्कूलो मे पढते है। यही कारण रहा कि सरकारी स्कूलो का ऐलिमैंट एजुके ान का रिजल्ट डाउन आया। सरकार ने देखा कि इतनी तादाद मे बच्चे फेल हो गये तो बहुत से बच्चे ड्राप कर जायेंगे जो ठीक नही है। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने ड्राप को बचाने के लिए ग्रेस मार्क्स देने का यह अस्थाई फैसला लिया ताकि उनको कुछ ग्रेस मार्क्स देकर रिजल्ट को कुछ अप किया जाये। इस ग्रेस मार्क्स की बुराई को दूर करने के लिए हमने कुछ फैसले लिए है ताकि हमारे सरकारी स्कूलो मे ऐजुके ान इम्प्रूव हो सके। अगर अच्छे टीचर्ज होंगे।, वैल क्वालिफाईड टीचर्ज होंगे। तो पढाई अच्छी होगी। अध्यक्ष महोदय, हमने पाठय पुस्तको की कमी को दूर करने का

फैसला लिया है। पहले पूरा साल बीत जाता था, इम्तिहान आ जाते थे लेकिन किताबे नही मिलती थी। जब बच्चे के पास किताबे ही नही होंगी तो वह पढेगा क्या। अब हमने यह फैसला लिया है कि सत्र भाुरु होने के पहले दिन से ही किताबे उपलब्ध होंगी। इससे काफी इम्प्रूवमैंट होगी। इस मामले मे सरकार काफी चिंतित है। सरकार नही चाहती कि ि ाक्षा के मामले मे कोई कमी रहे। अध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा मे सुधार करने के लिए सरकार ने और भी बहुत से फैसले लिये है। मै माननीय साथी से कहना चाहता हूं कि ि ाक्षा मे सुधार के लिए सरकार हर संभव कदम उठायेगी। पूरी रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी हुई है उसमे माननीय साथी देख सकते है।

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी के प्रयासो की हम सराहना करते है लेकिन मै इस बात से उनके इत्तेफाक और राय नही रखता हूं। मै आपकी मार्फत माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जब वे अपने जवाब मे खुद मान रहे है कि गरीबो के ज्यादा बच्चे सरकारी स्कूलो मे पढते है, उनको अच्छी पढाई करवाना, उनके लिए ि ाक्षत्व का अच्छा इंतजाम करना उनका काम है। अगर उनकी पढाई कमजोर है तो उस वयवस्था के खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए थी क्योंकि व्यवस्था ठीक न होने के कारण ही उनकी पढाई ठीक नही हो रही थी। बजाये इसके कि हम ग्रेस मार्क्स दे कर बच्चो को पास करें और कमजोर नीवं को आगे बढाएं, मै आपके मार्फत माननीय मंत्री जी

से फिर से यह जानना चाहता हूं कि चलिये कि इन्होने बच्चे को ग्रेस मार्क्स दे दिये लेकिन क्या उन ि ाक्षको ने, जिन्होने बच्चो को ठीक पढाई नही करवाई और बच्चो को ऐसी हालत होने लगी है, क्या उनके खिलाफ कोई कार्यवाही करेंगे?

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर सर, माननीय सदस्य की चिंता बिलकुल वाजिब है। महकमा सरकार की हिदायत के मुताबिक इस पर विचार कर रहा है। जैसा कि मैने कहा है कि किन हालात मे ऐसा फैसला लेने मे मजबूर हो गये कि लडको को फेल न किया जाए। अगर गरीबो के लडके फेल हो जाएंगे तो वे ड्राप आउट कर जाएंगे। बडी मु ि कल से उन बच्चो को स्कूलो मे लाया जा रहा था और यदि वे फेल कर दिए जाएं तो वे स्कूल छोड कर चले जाएंगे। उन गरीब बच्चो को पढाना हमारे लिए बहुत जरुरी था। हमने कहा कि टीचर्ज मे कुछ कमी थी जो ज्यादा क्वालीफाईड नही थे या फिर सिफार ी थे या और भी कुछ कारण रहे हो जिनके कारण वे पढाई ठीक से नही करवा रहे थे उनके खिलाफ हमने ऐक ान लिया है और सख्त से सख्त कार्यवाही हम उनके रिजल्टस देखकर कर रहे है। ऐसे टीचर्ज जो पढाई मे इन्ट्रस्ट नही रखते और जिनके कारण बच्चो की पढाई का नुक्सान हो रहा है उनके बारे में हमने रिपोर्ट मांग रखी है। ऐसे टीचर्ज मे से कुछ टीचर्ज के खिलाफ हमने कार्यवाही की है और कुछ के खिलाफ जल्दी ही कार्यवाही करैंगे। अध्यक्ष महोदय, यहां पर जो चिंता आपने महसूस की है इससे हम सहमत है कि

पढाई का स्टैण्डर्ड उंचा होना चाहिए, इसमे कई ऐसे प्रयास किये गये है जिनसे इस साल की पढाई के रिजल्टस मे बहुत ही इम्प्रूवमैंट हो जाएगी।

श्री एस एस सुरजेवालाः स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से एक बात जानना चाहता हूं। माननीय मंत्री जी इस बात से सहमत होंगे। कि हरियाणा मे पढाई का जो लैवल है वह भार्मनाक हद तक नीचे है और इस सरकार ने इसको इम्प्रूव करने के लिए कई फैसले लिये है जिनके दूरगामी रिजल्टस होंगे जिनका पता बहुत देर के बाद लगेगा। एक तो मै यह जानना चाहता हूं कि आज से पता नही कितने साल पहले यह फैसला लिया गया होगा कि पास मार्क्स 33% और फर्स्ट डिवीजन 61% मार्क्स होंगे। मै समझता हूं कि अब समय आ गया है कि जब 50% मार्क्स पास के लिए और फस्ट डिवीजन 75% सें भाुरु करैंगे। स्पीकर सर, अगर आप ऐसा नही कर सकते तो यह कोई पढाई वढाई नही है। जहां तक गरीब आदमी के बच्चो की बात है, यह सच बात हे कि वि ोशतौर से गावों मे और छोटे भाहरो मे भी पढाई का लेवल बहुत नीचे है। सरकार ने एक बहुत अच्छी बात की है कि जे बी टी का भौक्षणिक स्तर 10 जमा 2 को जे बी टी मे दाखिला नही करैंगे। इसी प्रकार से साईंस, इंगलि ा और टैक्नोलोजी की पढाई मे वे बिलकुल जीरो है। जब तक यह नही होगा हरियाणा मे समूचे प्रदे ा मे हम तरक्की नही कर सकेंगे और गरीब आदमी की भी तरक्की नही होगी। स्पीकर सर, मैने

इसके लिए यह जो मार्क्स की बात कही है क्या सरकार इस बारे मे कोई आ वासन देगी?

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर सर, 33% पास मार्क्स का सिस्टम होते हुए यह रिजल्ट इतना डाउन आया है। अभी तो हमने रिजल्ट्स को इम्प्रूव करने के लिए यह किया है ताकि लडके फेल न हो। 33% मार्क्स मे इतने ज्यादा लडके फेल हो गये अगर पास मार्क्स 50% कर देंगे तो फिर लउको का पास होना बहुत मु कल हो जाएगा और रिजल्ट और भी बहुत ज्यादा डाउन हो जाएंगे। हमने ऐजुके ान को इम्प्रूव करने के लिए यह किया है कि टीचर्ज अच्छी क्वालिटी के होंगे। स्पीकर सर, जैसे कि आप खुद सहमत हुए है कि हमने सैट टैस्ट लागू किया है और इसमे बी ए की क्वालिफिके ान कम से कम की है। रिजल्टस अच्छा न आने की और भी कई वजहें थी। किताबे समय पर नही मिलती थी। गरीब बच्चो को सरकार की तरफ से समय पर फ्री किताबे ंदी जाएंगी ताकि बच्चे अपनी पढाई पूरे जोर भाोर से कर सके। रिजल्ट एकदम सामने नही आता है उसमे समय लगता है। हम अभी इसको देख रहे है। इस साल का रिजल्ट अभी सामने आएगा तो पता चलेगा कि इसमे कितनी इम्प्रूवमैंट हुई है। अगर इस बार हमारे रिजल्ट्स अच्छे आते है, हमारे बच्चे अच्छे मार्क्स लाते है तो हम पासिंग परसैंटेज को बढाकर 50 प्रति ात करने के बारे मे ंविचार करैंगे। जहां तक सुरजेवाला साहब ने साईंस और अंग्रेजी मीडियम की बात कही है, हमने इस बारे मे प्रयास किए है, अब की

बार हमने हरियाणा मे अंग्रेजी मीडियम के स्कूल भी भुरु किए है। हालांकि इसमे भुरु मे बहुत दिक्कत आ रही है। अंग्रेजी मीडियम मे हर सब्जैक्ट को पढाने मे टीचर्ज भी दिक्कत महसूस कर रहे है लेकिन फिर भी हम कोि ा ा कर रहे है इसके अलावा साईंस के लिए हमने बहुत से स्कूलो को सिलैक्ट किया है। इस स्कीम के तहत बहुत से साईंस और कार्म्स स्ट्रीम के स्कूल चालू हो रहे है।

श्रीमती सुमिता सिंहः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो मेरी सप्लीमैंटरी सुरजेवाला जी ने पूछ ली है जो कि मै पूछना चाहती थी। फिर भी मै मंत्री जी से यह पूछना चाहूंगी कि अगर अगले समैस्टर मे भी बच्चे फेल हो गए तो क्या उनको दोबारा से ग्रेस मार्क्स देकर पास किया जाएगा क्या इसके बारे मे विचार किया गया है क्योंकि इतनी जल्दी मार्क्स इम्प्रूव नही होंगे।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, इस बारे मे मैने पहले ही कहा है कि यह ग्रेस मार्क्स देने की हमारी कोई परमानैंट पालिसी नही है। अब की बार के हालात के मुताबिक विचार करके यह टैम्परेरी फैसला लिया गया था। हमे उम्मीद है कि इस बार जो फर्स्ट और सैकेंड समैस्टर के रिजल्ट आएंगे वे अच्छे आएंगे और भाायद ग्रेस मार्क्स देने की जरुरत नही पडेगी।

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय,मंत्री जी ने अपने जवाब मे बताया है कि सरकारी स्कूलो का रिजल्ट अच्छा नही आया था और इन्होने ड्राप आउट को रोकने के लिए सरकारी स्कूलो मे ग्रेस

मार्क्स दिए है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि अगर कोई बच्चा प्राईवेट स्कूल से अपीयर होता है तो क्या ये ग्रेस मार्क्स उसको भी दिए जाते है? इन्होने अपने जवाब मे माना है कि गरीब लोगों के बच्चे सरकारी स्कूलो मे पढते है और उनको ही ग्रेस मार्क्स दिए गए है।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि ग्रेस मार्क्स का जहां तक ताल्लुक है, वह चाहे प्राईवेट स्कूल का बच्चा हो या सरकारी स्कूल का बच्चा हो उन सबको दिए गए है। इससे मै एक बात और क्लीयर करना चाहूंगा कि जो बच्चा प्वायंट पर फेल हो रहा था उन्ही को ग्रेस मार्क्स दिए गए है। इसमे किसी के साथ भेदभाव नही है। हम यह मानकर चलते है कि प्रावईवेट स्कूलो के रिजल्टस गवर्नमैंट स्कूलो से बहुत अच्छे है।

प्रो0 छतर पाल सिहः अध्यक्ष महोदय, आज सदन मे जो ि ाक्षा कि ढांचे पर चर्चा हो रही है यह बहुत अच्दा सवाल सदन मे उठाया गया है। मंत्री जी इसके बारे मे बहुत अच्दा जवाब दिया है। मंत्री जी ने जब ग्रेस मार्क्स के सवाल का जवाब तैयार किया होगा तो उस वक्त इन्होने महकमो से भी पूछा होगा। अध्यक्ष महोदय, मै यह जानना चाहता हूं कि जब से हरियाणा बना है.....

श्री अध्यक्षः क्या आप यह सोचते है ये अपने जवाब दे रहे है? आपको भी पता है कि सवाल का जवाब देने से पहले महकमे से डिस्क ान होती है, कंसलटे ान ली जाती है। जब आपको बस कुछ पता है तो आप व्यवस्था का प्र न क्यों उठाते है। आप सिर्फ अपना सवाल पूछें।

प्रो0 छतर पाल सिहः स्पीकर सर, मेरा सवाल इस बात पर आधारित है कि आप और मंत्री जी यह न कह दे कि यह पोसिबल नही है। स्पीकर सर, मै यह पूछना चाहता हूं कि वर्श 2007–2008 के अलावा अब तक कितने सालो में 8वीं और 10वीं मे ग्रेस मार्क्स दिए गए है? मंत्री जी ने आज जवाब दिया है कि हमें इस पर लोट आफ इम्प्रूवमैंट करने की जरुरत है। प्रजातांत्रिक सिस्टम मे अगर सच पूछें तो देहात के अंदर मास्टर सबसे बडा राजनीतिक व्यक्ति है। वह सरकार के बस का मसला नही है। मैने यह सवाल जो पूछा था वह पैदा होता है कि 8वीं और 10वीं तक कितने सालो तक ग्रेस मार्क्स दिए गए है। प्राईवेट सिस्टम मे और सरकारी सिस्टम मे कम्पीटी ान नही हो पा रहा है। हम प्राईवेट सिस्टम से बहुत नीचे खडे है। हमारे पास आई ए एस अधिकारी है, एजुकेटिड आफिसर्ज है, मिनिस्टर्ज है, यहां तक कि सारा तामझाम है, इसके बावजुद हम स्कूलो मे अच्छी ि ाक्षा नही दे पाते है। क्या सरकार ने इस बारे में कोई प्रमानेंट सोलयू ान निकाला है। जिसका रिजल्ट अच्छा नही होगा क्या उसकी सैलरी मे डिडक ान करके उसकी अकाउंटेबीलीटी की जाएगी। इसके

अलावा सरकार की ट्रांसफर पालिसी है कि अगर एक मास्टर 4–5 साल एक स्कूल मे पढाएगा और उसका रिजल्ट अच्छा आएगा तो उसको इन्सैंटिव देंगे। क्या ऐसा कोई परमानैंट सोल्यू ान है so that we may have a better system of education in the Village Government Schools. क्या सरकार ने ऐसा किया है और कितने ग्रेस मार्क्स अब तक दिए गए है?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै इनको बताना चाहूंगा कि ग्रेस मार्क्स की जहां तक बात है, यह कोई परमानैंट सिस्टम या पालिसी नही थी। यह तो जरुरत के मूताबिक किया गया फैसला था क्योंकि लडके ज्यादा फेल हो गए थे। छतर पाल जी, आपको भी पता है कि सी बी एस ई मे 10वीं की फाईनल परीक्षा से पहले इन्टरनल एग्जाम्ज होते है। हमारी कोि ा ा यह रही है कि बच्चे फेल न हों। हमने आठवी कक्षा का भी इम्तीहान लिया है लेकिन जब यह महसूस किया गया कि गरीब बच्चे अगर फेल हो जाएंगे तो वह ड्राप कर जाएंगे इसलिए ग्रेस मार्क्स देने की बात सोची गयी। स्पीकर सर, मैने ि ाक्षा के स्तर को इम्प्रूव करने के लिए दो तीन रीजंज दिए है। पहले तो सरकारी स्कूलो में टीचर्ज ही न हो तो पढाई की वीकनैस तो रहेगी ही। इसके अलावा किताबो की बहुत ज्यादा दिक्कत थी। पूरा साल निकल जाता था लेकिन किताबें भी समय पर छपकर नही आती थी इसलिए हमने इसको भी इम्प्रूव किया है। स्पीकर सर, हमने हार्ड फैसला लिया है कि जब पढाई का नया सै ान भुरु होगा तो उस समय ही बच्चे के हाथो मे फ्री किताबे सरकार देगी। किताबो की

कोई कीमत नही होगी और न ही ये बाजार से खरीदनी पडेगी। जहां तक ग्रेस मार्क्स देने का प्र न है, मेरे पास सारी सूचना है इसलिए मै इनको बता देता हूं कि वर्श 2003, 2004, 2005, 2006, 2007 और 2008 मे भी ग्रेस मार्क्स देकर कुछ बच्चे पास किए गए थे।

(यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री रणबीर सिह महेन्द्रा सदन मे उपस्थित नही थे।)

Maintenance of Existing By-Pass in Bhiwani by P.W.D (B&R)

***1066. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj:** Will the P.W.D (B&R) Minsiter be pleased to state it is a fact that half portion (Loharu road to Tosham road) of existing Bhiwani by Pass is under the control of HSAMB and other half (Tosham road to Hansi road) in under the control of P.W.D (B&R) Haryana; if so, whether there is any proposal to hand over the whole by pass to P.W.D (B&R) for proper maintenance?

Irrigation Minister (Capt. Ajay Singh Yadav): Yes Sir, but there is no such proposal.

डा0 ि ाव भांकर भारद्वाजः स्पीकर सर, एक ही भाहर मे एक ही सडक आधी किसी एक विभागी के पास है और आधी किसी दूसरे विभागी के पास है। आधी सडक का रंग रुप कुछ और है और आधी सडक का रंग रुप कुछ और है। आधी सडक मे बहुत ज्यादा गढढे है और आधी सडक मे रैगुलर मैंटेनैंस अगर हो तो यह बहुत बुरा लगता है। मै आपके द्वारा माननीय मंत्री जी से

जानना चाहूंगा कि अगर यह सडक एक ही विभागी के पास दे दी जाए तो इसमे क्या बुराई है? यह व्यवस्था बुरी है इसलिए क्या इसको ठीक करने के लिए मंत्री जी कोई प्रयत्न करेंगे?

कैप्टन अजय सिह यादवः स्पीकर सर, माननीय मैम्बर ने जो अपना कंसर्न बताया है वह बिल्कुल सही है। जो यह बाईपास है इसका एक पो र्न भिवानी–लोहारु से भिवानी–तो ाम तक तकरीबन साढे चार किलोमीटर खराब है। यह पो र्न एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड के पास है। भिवानी–तोशाम रोड से भिवानी –हांसी रोड तक का जो पो र्न है वह ढाई किलोमीटर है जोकि पी डब्ल्यू डी (बी एण्ड आर) के पास है। इस सडक का जो टुकडा माकेंटिंग बोर्ड के पास है उसकी हालत बहुत खराब है। जो पो र्न माकेटिंग बोर्ड के पास है उसकी मैंटीनैंस के लिए 24 दिसम्बर को मार्केटिंग बोर्ड की तरह से टैंडर हो चुके है और इसका वर्क अलाट कर दिया गया है। हमे उम्मीद है कि मई, 2009 तक यह रिपेयर हो जाएगा। स्पीकर सर, इनकी बात बिल्कुल वाजिब है वहां पर पैसेंजर्स का युनिट तकरीबन 16–17 पी सी यू है यानि दिन मे उस रोड पर 6–7 हजार गाडियां रोजाना निकलती है। मै समझता हूं कि मार्केटिंग बोर्ड उस सडक के अपने पो र्न की मैंटीनैंस नही कर पाएगा इसलिए मैने सैकेटरी, पी डब्ल्यू डी (बी एण्ड आर) को आदे ा दिये है कि वे सैकेटरी एग्रीकल्चर से इस बारे मे मीटिंग करे ताकि जो पो र्न उस सउक का मार्केटिंग बोर्ड के पास है उसको हमारा विभाग टेक ओवर कर लें। उस

बाई पास पर बहुत ज्यादा ट्रैफिक है इसलएि वह रोड हमारे विभागी के पास होनी चाहिए। स्पीकर सर, हमारे विभागी के सैक्रेटरी उनसे बातचीत कर लेंगे।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप केवल एक सडक के बारे मे ही कह रहे है या फिर राज्य की दूसरी सडको के बारे में भी कह रह है। मार्केटिंग बोर्ड की जो पुरानी सडके है उनकी मेंटिनैंस आपके विभागी के हाथ में है या मार्केटिंग बोर्ड के हाथ मे है? सडक का मतलब तो पी डब्ल्यू डी (बी एण्ड आर) ही होता है। चटठा साहब को तो इस बारे मे कोई याद नही करता।

कैप्टन अजय सिह यादवः स्पीकर सर, मै केवल इस बाई पास के बारे मे ही कह रहा हूं। जितनी भी सडके मार्केटिंग बोर्ड के पास ळै उन सबीक हम रिपेयर नही कर पाएंगे क्यांकि इतने फंडज हमारे पास नही है। मार्केटिंग बोर्ड के पास फंडज है और जो रोडज वे बनाते है उनकी रिपेयर भी वे ही करते है। जो यह बाई पास है इसको हम एक ए स्पे ाल केस टेक अप कर लेंगे ताकि इसकी मेंटिनैंस ठीक तरह से हो सके। वर्श 2009–10 का हमारा जो प्रोग्राम है उसमे हम इस सडक के अपने पो र्न की जरुर रिपेयर करैंगे। मार्केटिंग बोर्ड वाले उस सउक का अपना पो र्न ठीक कर देंगे लेकिन इस पूरी सडक को टेकओवर करने की प्रकिया हम भाुरु कर देंगे।

डा0 ि िव भांकर भारद्वाजः अध्यक्ष महोदय, यह जो दादरी लोहारु रोड से तो ाम रोड और तो ाम रोड से हांसी रोड तक बाई पास है उस पर भारी तादाद मे वाहन चलते है क्योंकि उस एरिया मे रोडी की सप्लाई खानक से होती है, वह सारा माल इन रोडज से जाता है। मै इस बात के लिए तो मंत्री जी का धन्यवाद करुंगा कि इनहोने यह बात स्वीकार कर ली कि इस रोड की मेंटिनैंस लोक निर्माण विभागी से करवाएंगे लेकिन साथ ही साथ मै माननीय मंत्री जी से यह भी जानना चाहूंगा कि क्या इसको थोडा सा और स्ट्रैग्थन करने का विचार है? दूसरे भिवानी मे इसके अलावा और कोई बाई पास नही है। रोहतक रोड से मेहत रोड तक और रोहतक रोड से दादरी रोड तक कई वर्शो से बाई पास की सख्त जरुरत है, क्या मंत्री जी इस पर भी गौर करेंगे?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, सडक कमी रिपेयर के बारे में मै कह चूका हूं कि उसमे हमारा जो ढाई किलोमीटर का पो र्न है उसकी रिपेयर हम कराएंगे। जो पो र्न मार्केटिंग बोर्ड के पास है उसके टैंउर कर दिये गए है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः मं.त्री जी, क्या दादरी से महम, रोहतक से दादरी और रोहतक से महम तक बाई पास बनवाएंगे?

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, अभी जो ऐग्जिस्टिंग बाई पास है मैने उसकी रिपेयर की बात कही है। जो

माननीय सदस्य की नये बाई पास की मांग है उसके बारे मे हम सर्वे कराएंगे और बाद ही मै कुछ कह सकता हूं।

डा0 सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि सिरसा मिनी बाई पास का निर्माण कार्य पी डब्ल्यू डी (बी एण्ड आर) के पास है और चतरगढ पटटी तक 200–300 गज का एरिया कई महीनो से अधूरा पडा है उसके बारे में क्या मंत्री जी कोई कार्यवाही करवाएंगे?

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, सिरसा मे एक बाई पास प्रपेाज कर रहे है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः इन्दौरा जी, यह कह रहे है कि बाई पास आलॅरेडी है उसके थोडे से टुकडे का निर्माण कार्य अधुरा पडा है।

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, उसके बारे मे ये सैप्रेट नोटिस दे दें।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, टुकडा अधुरा पडा है तो कह दे कि बनवा देंगे।

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, नार्मली बाई पास के निर्माण का कार्य पी डब्ल्यू डी (बी एण्ड आर) के पास होत है। 15.69 किलोमीटर का बाई पास सिरसा मे प्रोपोजड है उस पर कंस्ट्रक ान कास्ट 12 करोड रुपए आएगी। उसकी टोटल कास्ट 21.49 करोड रुपए है। वह हम प्रपोजल कर रहे है।

श्री अध्यक्षः ऐसा है कप्तान साहब, इन्दौरा जी किसी नये बाई पास की बातज नही कर रहे है। ये मिनी बाई पास मे कह रहे है और वह भी अप्रूवड है उसका टुकडा बाकी है क्या उसको पूरा करवाओगे या नही, यह बताएं?

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै इसके बारे मे चैक करके ही कोई जवाब दे सकता हूं। हमें फंडज देखने पडते है, बजट प्रोविजन देखने पडते है। मै ऐसे कैसे कह सकता हूं। मुझे सारा मैटर देखना पडेगा। यह भी देखना पडेगा कि उस पर कितना ट्रैफिक है तभी इस बारे में मै कुछ बता सकता हूं।

डा0 सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, सिरसा मे एक ओवर ब्रिज बन रहा है उससे काफी ट्रफिक कंजै ान होगा और लेागो को बडी भारी दिक्कत होगी। वहां बाई पास बन जाए और फाटक बन जाए तो काफी सुविधा हो जाएगी। क्या मंत्री जी इसको जल्दी करवाने की व्यवस्था करेंगे?

कैप्टन अजय ंसिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, जो बाई पास प्रपोजड है उसमे इनका यह बाई पास भी कवर हो रहा है इसलिए इसके लिए ये सैपरेट नोटिस दे दे तभी देखूंगा।

श्री अध्यक्षः केप्टन साहब, इन्दौरा जी मिनी बाई पास की बात कर रहे है। उसका टैंडर भी हो चुका है और पैसे भी गए हुए है उसका कुछ पो ंन बाकी है।

कैप्टन अजय सिह यादवः स्पीकर सर, वह अभी प्रपोजड बाई पास है।

श्री अध्यक्षः इन्दौरा जी आप लिख कर भिजवा देना।

श्री रमे ा गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, वेसे मेरे सवाल का भारद्वाज साहब के सवाल से कोई लिंक नही है लेकिन मै जानना चाहता हूं कि कुरुक्षेत्र से ढांड और लाडवा से मुस्तफाबाद तक सडक की बहुत ही खस्ता हालत है। ये पी डब्ल्यू डी की सउके है और इन पर व्हीकल्स चलना तो दूर की बात है पैदल चलना भी मु कल है। हम कई बार इस बारे मे विभागी के नोटिस मे लाए है लेकिन अभी तक रिपेयर का काम भुरु नही किया गया है।

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, आप इस बारे मे नोटिस भिजवा देनां।

श्री जगबीर सिह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि 1996–97 मे कुछ सडके पंचायती राज विभागी द्वारा बनाई गई थी। अब वह महकमा न तो सडको की मरम्मत कर रहा है और न ही निर्माण कर रहा है। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के की तीन सडके जो पंचायती राज के महकमे ने बनाई थी वह बिल्कुल टूट गई है और वह महकमा उन सडको को ठीक नही कर रहा है। क्या मंत्री जी उन सडको को पी डब्ल्यू डी महकमे के अधीन टेक ओवर करके उनकी रिपेयर करवाएंगे?

कैप्टन अजय ंसिह यादवः अध्यक्ष महोदय, जो सडके पंचायती राज महकमे ने बनाई थी हम उन सडको को टेक ओवर कर रहे है ओर उन सीी सडको की रिपेयर भी करवाएंगे।

श्री साहिदा खानः अध्यक्ष महोदय, तावडू भाहर मे एंट्री करते है तो कोई भी पी डब्ल्यू डी महमके की सडक ठीक नही है। चाहे नूंह हेडक्वार्टर की सडके हो, चाहे भेगीपुर रोड हो और चाहे बावला रोड, छरोडा रोड जाता है इन सभी रोडज मे गडढे हो रहे है। ने ानल हाई वे नं0 71 बी वाली सडक का भी हाल बुरा है। आदमी यह सोचकर जाता है कि यह ने ानल हाई वे की सडक है परंतु उस सउक का भी बहुत बुरा हाल है। दूसरी सडके मेरे गांव ि ाकारपुर वाली सडक है उसाक भी बुरा हाल है। मोहमदपुर अहीर से नौरंगपुर होते हुए जो सडक गुडगांव को जाती है और जो पटौदी को सडक जाती है उसका भी बुरा हाल है। इस प्रकार से तावडू भाहर मे एक भी बढिया सडक से एण्ट्री नही है। अढाई साल हो गये है इन सभी सडको का बुरा हाल है जबकि मंत्री जी हमारी ग्रीवेन्सिज कमेटी के चेयरमेन भी रहे है। मैने पिछले सदन मे भी इस बारे मे बात की थी। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या मंत्री जी इन सडको की मरम्मत करवाने का काम करेंगे? अगर मरम्मत नही तो कम से कम क्या वे इन सडको के गढडे भरवाने का काम करेंगे?

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, तावडू और नूहं की सडक के बारे मे माननीय सदस्य ने जिक्र किया है। इस

सडक की हम वाईडनिंग और रिपेयर करवायेंगे। इन सडको को हमने एन सी आर के तहत ले लिया है और इनकी रिपेयर का काम भी भ्रुरु हो गया है। दूसरा जो इन्होने ने ानल हाई वे वाली सडक का जिक्र किया है, इसके लिए टैण्डर इन्वाईट कर दिया है और इस सडक की रिपेयर का काम हम करवाएंगे। गुडगांव से नूहं वाली सडक को भी हमने एन सी आर के तहत ले लिया है और 450 करोड रुपये अकेले मेवात के एरिया की सडको को ठीक रकने के लिए पास किये गये है और रिपेयर का काम भी भ्रुरु कर दिया गया है।

आई जी भोर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि पी डब्ल्यू डी या मार्केटिंग बोर्ड द्वारा जो सडके बनाई जाती है क्या उन सडको की क्वालिटी के बारे मे उन अधिकारियो की कोई एकाउंटेबीलिटी होती है जिनकी देख रेख मे ये सडके बनाई जाती है? अगर क्वालिटी सही नही पाई गई तो क्या उन अधिकारियो के खिलाफ विभागी द्वारा कोई कार्यवाही की जाती है?

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो पी डब्ल्यू डी महकमे द्वारा जो सडके बनाई जाती है उनकी क्वालिटी अच्छी होती है ओर विभागी ने एक क्वालिटी कन्ट्रोल विंग बनाया हुआ है जो बकायदा इसके बारे मे चैक करता है। अभी तक तो मेरे नोटिस मे ऐसा कोई केस नही आया है। अगर माननीय सदस्य के पास इस बारे मे कोई स्पैस्फिक कम्पलेंट है तो वह मुझे बताये

उसके बारे में इन्कवायरी करवाकर जो दोशी जाये जाएंगे उन अधिकारियो के खिलाफ कार्यवाही जरुर की जायेगी।

श्री अमीर चन्द मक्कडः अध्यक्ष महोदय, जैसा की यह सडको के बारे मे प्र न चल रहा है। मेरे हलके के गांव ढाणी कुतुबपुर और खरकडा से हांसी की जो रोड है वे आधी पी डब्ल्यू डी द्वारा बनाई गई थी और आधी मार्केटिंग बोर्ड द्वारा बनाई गई थी लेकिन वे सडके अब टूट गई है। कोई ऐसा प्रबंनध किया जाए कि सारी सडक एक ही विभागी द्वारा बनाई जाए ताकि उनको सही तरह से बनाया जा सके। इसी प्रकार से हांसी–उमरा की सडक पी डब्ल्यू डी द्वारा बनाई गई थी और वह सडक छह महीने से पहले ही टूट गई। क्या इस के बारे मे मंत्री जी कोई इन्कवायरी करवायेंगे? ठेकेदार बीच मे ही काम छोडकर गलत काम करते है। क्या मंत्री जी इन सडको को दोबारा से बनवायेंगे?

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने कहा है कि कुछ रोड्ज पी डब्ल्यू डी ने बनाई थी वह टूट गयी है। वैसे तो रुरल एरिया मे कुछ सडके मार्केटिंग बोर्ड बनाता है ओर कुछ हमारा महकमा बनाता है। हांसी–उमरा सडक का जिक्र माननीय सदस्य ने किया है, इसके बारे मे विभागी बकायदा इंक्वायरी करवायेगा और जो अधिकारी दोशी पाये जायेंगे उनके खिलाफ कार्यवाही भी की जाएगी।

चौ0 अर्जन सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह कहना चाहता हूं कि मेरे हलके मे जो पी डब्ल्यू डी की सडके है या मार्कटिंग बोर्ड की सडके है, ये सडके कागजो मे ही रह रही है। हमारे यहां के ार जोन होने के कारण हजारो गाडिया रोज यहां से गुजरती है। कोई छोटी सी सडक भी हमारे यहा नही जोडी गई है। किसी सडक को बनाने में डेढ साल लग जाता है लेकिन टूटने मे देर नही लगती। हमारे यहां की बी के डी रोड ठीक नही हुई है। ट्रालियां भर भर कर इन सडको से गुजरती है और इन ट्रालियो की वजह से रोज कोई न कोई सडक टूट जाती है।

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि बी के डी रोड के लिए हमने बी और डी बेसिज पर कोि ा ा की लेकिन कोई भी बिडर नही आया। अब हमने हुडको से लोन लेकर केस उनको भेज दिया है। बी के डी रोड जल्दी ठीक करवा देंगे। अध्यक्ष महोदय, इनके एरियाज मे क्वैरिज रोड है इसलिए दिक्कत आ रही है। इनके यहां की सडको से ट्रक इतने ओवर लोडिड होकर गुजरते है कि कोई भी सडक बना दो वह टूट जाती है इसलिए या तो आर टी और के आफिसर्ज से चैक करवाया जाए कि इन सडको से गाडियां ओवर लोडिड न जाए। ओवर लोडिड गाडियो की वजह से हइी इन सडको की हालत खराब है। इनके एरियाज

मे ज्यादा क्वैरीज रोड है जिसकी वजह से हालत खराब है, अगर हम रिपेयर करवा भी देते है तब भी टूट जाती है।

श्री अध्यक्षः कप्तान साहब, आप इसका स्पैसिफिके ान बढा दो।

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, इन सडको पर गाडियां 60–60 टन तक माल उठाकर चलती है जिसकी वजह से ये सडके टूट जाती है।

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय जी का और मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगी कि न केवल कलायत मे बल्कि पुरे हरियाणा मे सडको का जला बिछा हुआ है। हमारे कलायत भाहर मे मेन रेलवे रोड है उसाक काम 2006 मे भाुरु हुआ था। आज भी उसमे कभी डिवाइडर बन जाता है, कभी सडक बन जाती है कभी सडक टूट जाती है। एस्टीमैटस रिवाईज होने के बाद भी उसमे गढडे पडे हुए है। हमने लिखित मे भी मंत्री महोदय जी को ि ाकायते की है क्योंकि वहां काफी पानी भरा रहता है जिसकी वजह से रोज एक्सीडैंट्स होते है और कई मौते भी होती है।

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या ने कलायक हल्के की रेलवे रोड का जिक्र किया है, हम अधिकारियो से कहकर इस सडक की रिपेयर करवा देंगे।

प्रो0 छतर पाल सिहः अध्यक्ष महोदय, जिला हिसार मे कैनाला गांव से दौलतपुर गांव तक 1990 मे पी डब्लयू डी (बी एण्ड आर) विभागी द्वारा कुछ लाख रुपये से आधी सडक को बनाया गया था लेकिन उस की कम्पली ान के उपर कोई काम नही किया गया। पिछले सै ान मे भी मैने यह सवाल किया था। जो पैसा लगा हुआ है वह बेकार जा रहा है, विलेजिज का लिंक जब तक पुरा नही होता, तब तक बसे उस पर नही चल सकती और उसका लोग फायदा नही उठा सकते।

श्री अध्यक्षः पिछले सै ान मे आपने क्या सवाल किया था?

प्रो0 छतर पाल सिहः अध्यक्ष महोदय, पिछले सै ान मे मैने सवाल किया था कि कैनाला से दौलतपुर जो सडक है वह अनकम्पलीट है।

श्री अध्यक्षः उस समय आपको क्या जवाब मिला था?

प्रो0 छतर पाल सिहः अध्यक्ष महोदय, इन्होने आ वासन दिया था कि उसको कम्पलीट करवाएंगे लेकिन अभी तक कम्पली ान का काम नही किया गया है।

कैपटन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी बताएंगे कि यह सडक नई है या पुरानी है।

प्रो0 छतर पाल सिहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि यह नई सडक है।

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, जहां तक सउक अधूरी होने का सवाल है, मेरी नालेज मे नही है कि इन्होने पिछले सै ान मे इस सडक का जिक किया हो। हम इसको चैक करवा लेंगे और अगर यह सडक अधुरी बनी हुई है तो इसको पुरा करवा देंगे।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप कैपेबल मंत्री है ओर आपकी टीम बडी कम्पिटैंट है। ये जो चारो तरफ सडको की बात हो रही है। आनरेबल मैम्बर्ज के जो सुझाव है, उनकी जो प्रोब्लज है वह आप देखें। कोई मैम्बर कह रहा है कि उनकी सडक 6 महीने में टूट जाती है कोई कह रहा है कि उनके यहां की सडक पूरी नही हुई और कोई बाई पास के बारे मे कह रहा है। आप पुरी तरह से मोनीटरिंग करके काइंडली पर्सनल अटैं ान लेकर इन सडको को ठीक करवाएं।

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, हम मोनीटरिंग कर रहे है और हम पर्सनल अटैं ान लेकर इन सडको को ठीक करवाएंगे।

श्री उदय भानः स्पीकर सर, पलवल से हसनपुर वाया रसूलपुर–बडौली सडक का निर्माण प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक येाजना के तहत किया गया था, यह सडक 6 महीने के अंदर ही

टूट गई। मैने यह बात पिछले सै ान के दौरान भी मंत्रीह जी के ध्यान मे लाई थी ओर उस समय मंत्री जी ने अ योर किया था कि प्रायरटी के आधार पर जल्दी ही इन सडको को ठीक करवा दिया जायेगा या दोबारा बनवा दिया जायेगा लेकिन अभी तक इस बारे मे कोई कार्यवाही नही हुई। दूसरा जो रसूलपुर से हसनपुर रोड है वह भी पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। पहले इस सडक का निर्माण भी प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक योजना के तहत करवाये जाने की बात कही गई थी लेकिन अभी तक इस बारे मे भी कोई कार्यवाही नही हुई। मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इन सडको को कब तक ठीक करवा दिया जायेगा?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक योजना के तहत जिन सडको का निर्माण किया जाता है उनकी रिपेयर का पीरियड तीन साल का होता है। तीन साल के अंदर अगर सडक टूटती है तो उसकी रिपेयर संबंधित कंट्रैक्टर को करनी होती है। जहां तक पलवल से हसनपुर सडक की बात है हम इसको एग्जामिन करवाकर इसकी रिपेयर करवायेंगे और अगर जरुरत पडी तो हम इसको दोबारा भी बनवायंगे। स्पीकर सर, उसमे थोडा सा समय लग जाता है क्योंकि हमे पी एम जी एस वाई कार्यालय या नाबार्ड, जिससे भी हमे नई सडक बनवानी होती है, उनको कम्पलीट केस भेजना पडता है। जहां तक रिपेयर

की बात है, रिपेयर भी एकदम नही हो सकती क्योंकि उसके लिए भी कुछ आरम्भिक कार्यवाही करनी अपेक्षित होती है। मै माननीय सदस्य को आ वासन देना चाहूंगा कि हम इस सडक को जल्दी से जल्दी रिपेयर करवायेंगे। दूसरा जो इन्होने रसूलपुर हसनपुर रोड का जिक किया है हम इसको भी एग्जामिन करवाकर रिपेयर करवायेंगे।

श्री रामफल चिडानाः स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से गोहाना बाई पास की लेटैस्ट पोजी ान के बारे मे जानना चाहता हूं। क्या मंत्री जी यह बतायेंगे कि इसको कब तक बनावा दिया जायेगा?

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि गोहाना बाई पास का निर्माण ने ानल हाईवेज आथारिटी आफ इंडिया द्वारा किया जायेगा और इसका निर्माण कार्य वर्श 2011 के अंत तक पुरा हो जायेगा।

श्री रामफल चिडानाः स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से यह भी जानना चाहता हूं कि ड्रेन नम्बर 8 बाई पास के उपर पुल कब तक बनवा दिया जायेगा?

कैप्टन अजय सिह यादवः स्पीकर सर, इस प्रकार से मेरे लिए सभी माननीय सदस्यो को जवाब देना मु कल हो जायेगा। मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को अनुरोध करुंगा

कि वे इसके लिए मुझे अलग से लिख कर दे दें तो मै उनको वास्तविक स्थिती से अवगत करवा दूंगा। जहां तक ड्रेन नम्बर 8 पर बनने वाले पुल का संबंध है, उसका निर्माण मार्केटिंग बोर्ड द्वारा किया जायेगा।

श्री राम कुमार गौतमः स्पीकर सर, एक सडक बड छप्पर से पुठी तक है जिस पर पिछले लगभग सात साल से काम अधुरा पडा है। इस सडक का सवाल मैने कई बार उठाया है लेकिन अभी तक भी उसका निर्माण कार्य पूरा नही हो पाया है। वह सडक काफी समय से ऐसी की ऐसी पडी है। मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इस सडक का निर्माण कार्य कब तक पुरा करवा दिया जायेगा?

श्री अध्यक्षः गौतम जी, क्या आपने पहले भी इस बारे मे सवाल पूछा था?

श्रीराम कुमार गौतमः जी सर, मैने पहले भी इस बारे मे सवाल पूछा था?

श्री अध्यक्षः उस समय आपको इसका क्या जवाब दिया गया था?

श्री राम कुमार गौतमः स्पीकर सर, उस सयम मुझे यह बताया गया था कि जिस ठेकेदार को उक्त सडक का काम सौपा गया था वह भाग गया है और सरकार द्वारा उसके खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। स्पीकर सर, मै तो यही चाहता हूं कि

उस सडक का निर्माण जल्दी से जल्दी करवा दिया जाये क्योंकि उसके अण्डर कंस्ट्रक ान होने से लोगों को बहुत भारी परे ाानी का सामना करना पड रहा है।

कैप्टन अजय सिह यादवः स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हम एग्जामिन करवाकर भाीध्र ही इस सडक को कम्पलीट करवा देंगे।

श्री महेन्द्रग प्रताप सिहः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो यह सवाल खास था लेकिन अब यह सडको का सवाल आम हो गया है। मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कुछ जानना चाहूंगा कि एक सुझाव भी देना चाहूंगा। जब से यह सरकार बनी है तब से हर विभागी के बजट मे बेतहा ाा वृद्धि हुई है। पी डब्लयू डी विभागी का बजट भी बहुत बढा है और सरकार द्वारा बहुत सी सडके बनाने का प्रयास भी किया गया है। हाउस मे इस सवाल के उपर खास चिंता जाहिर की गई है कि इतना बजट होने के बावजुद भी बहुत सी सडके अधूरी पडी है और जो बनी हुई है उनकी भी यही दिक्कत है कि वे भी टूटी पडी है। सभी सदस्यो को यही ि ाकायत है कि सडके टूटी पडी है उनमे गढढे हो गये है। मै अपने हल्के के बारे मे तो इसलिए नही कहना चाहूंगा कि यह सवाल ही दूसरा था लेकिन स्थिती मेरे हल्के की भी ऐसी ही है। सडके बनने के कुछ दिन ही बाद टूट गई है चाहे वे प्रधानमंत्री सडक योजना की सडके हो या नाबार्ड की सडके हो। अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी इस बात पर विचार करेंगे कि इसके

लिए हाउस की या उच्च अधिकारियो की कमेटी बनाए जो इस मामले की जाचं कर सके या सर्वे करके रिपोर्ट सौंप सके?

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, हाउस की चिंता वाजिब है। पिछले साल बारि ा बहुत हुई थी इसलिए सउके ज्यादा टूट गई है। जहां तक कमेटी की बात है, इस मामले मे हम हाउस कमेटी की बताय अधिकारी स्तर पर चैक करवा लेंगे। जहां जहां ऐसी सडके है जिनकी हालत बहुत खराब है उनको हम चैक करवा लेंगे। अगर सैन्स आफ हाउस होगा तो हमें कोई दिक्कत नही है, आप हाउस कमेटी भी बना दे ओर वह चैक कर ले लेकिन मै समझता हूं कि उसकी जरुरत नही पडनी चाहिए। हम अपनी तरफ से पूरी कोि ाश कर रहे है। अध्यक्ष महोदय, 2009–10 मे हमने तकरीबन 750 करोड रुपये सरकार से मांगे है, बजट मे प्राविजन किया जाये ताकि हम सडको की रिपेयर कर सके लेकिन अध्यक्ष महोदय, हमारे पास कुछ फण्डज की कमी थी जिसके कारण इस साल मे हम सारी सडको की रिपेयर नही कर सके। जितना काम इस योजना मे सडको के उपर हुआ है उतना आज से पहले कभी नही हुआ चाहे प्रधानमंत्री सडक योजना के तहत हो चाहे नाबार्ड के तहत हो। जहां तक सवाल है सडको के टूटने का, तो जहां जहां ऐसी ि ाकायते आयेंगी उनको हम चैक करवायेंगे ओर जांच भी करवा लेंगे और जहां भी कमी होगी हम उस अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही भी करैंगे।

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, आपकी अनुमति से माननीय सदस्यो ने अपने अपने क्षेत्र की सडको के बारे मे प्र न उठाये और माननीय मंत्री जी ने सभी क्षेत्रो की जो जानकारी इस समय उपलब्ध थी वह सदन के सामने रखी है। माननीय साथी चौधरी महेन्द्रग प्रताप सिह जी ने भी यह प्र न उठाया। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि माननीय मंत्री जी के नेतृत्व मे हमारी सरकार ने पिछले 4 साल मे बी एण्ड आर की 551 किलोमीटर लम्बी सडको का निर्माण करवाया है जो अपने आप मे एक रिकार्ड है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से यह भी बताना चाहूंगा कि वर्श 2008–09 मे जैसा कि मंत्री जी ने बताया जो इस समय चालू साल है, केवल कंस्ट्रक ान और रिपेयर पर तकरीबन 800 करोड रुपये सरकार खर्च कर रही है। हमारे विपक्ष ओर पक्ष के साथियो ने जो प्र न उठाये है उनकी बात वाजिब है। इस समय हमारे पास 734 नई सडको की मांग है जिनकी लम्बाई 2464 किलोमीटर है। अगर सरकार इन सारी मांगो को मानती है तो उसके लिए कम से कम 600 या 700 करोड रुपये का खर्च केवल रिपेयर ओर इम्प्रूवमैंट पर आयेगा। हमारे पास सीमित साधन है उसके बावजुद भी पी डब्ल्यू डी (बी एण्ड आर) जिस प्रकार से पिछले चार साल से काम कर रहा है वह सराहनीय है। चाहे सडको की बात हो या रेलवे ब्रिजिज की बात हो मुझे नही लगता कि हाउस कमेटी के गठन की कोई जरुरत है। ओवरलोड की वजह से या क्वालिटी की कमी की वजह से सडके टूट जाती है

तो इस मामले मे जिस भी साथी की कोई ि ाकायत है वह लिखकर माननीय मंत्री जी को भेज दे हम जांच करवायेंगे ओर जांच रिपोर्ट की एक कापी माननीय साथी को भी भेज दी जायेगी।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, इसमे जनरली जो बात आई है उसमे पूवर क्वालिटी की बात है, मैम्बर्ज की तरफ से कहा गया है कि बनने के साथ ही सडके टूट जाती है। इसके साथ ही रोडज को कम्पलीट नही किया उन ठेकेदारो के खिलाफ क्या ऐक ान लिया गया है। हाउस के मैम्बर्ज की चिंता बडी वाजिब है क्योंकि पूरा प्रदे ा सडको के उपर रोजना निकलता है। मंत्री जी, आप अपने डिपार्टमैंट से रिपोर्ट मांगे या डी सीज से रिपोर्ट मांगे कि कहां पर क्या क्या कमी है। 15 फरवरी से तारकोल बिछाने का काम भ्ाुरु हो जाएगा और अब दो या अढाई महीने का समय इसमे रह गया है। मंत्री जी, इसमे ऐसा है कि आनरेबल मैम्बर्ज की जो चिंता है वह दूर की जानी चाहिए। आप अपने सोर्स से यह रिपोर्ट मंगवाएं कि कहां कहां सडको की कम्पली ान बाकी है और कहां कहां सडको की मैंटीनैंस बाकी है। नई सडको को बनाने की बजाये अगर आप रिपेयर करवाएं तो it would be more better. नई सडको का काम बन्द करके जो सउके बनी हुई है उनकी रिपेयर पर आप खर्च करें, यह काम आपके डिपार्टमैट का है।

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै हाउस मे पहेल ही यह बता चुका हूं कि वर्श 2009–10 के लिए हमने सरकार सो 750 करोड रुपये सडको की रिपेयर करने के लिए

मांगे है। स्पीकर सर, मै मैम्बर्ज की मांग से सहमत हूं कि नई सडके न बनाई जाए हम इस समय कोई नई सडक नही बना रहे है उनका काम बंद करके एक ही काम कर रहे है कि जो सडके टूटी हुई है उनकी रिपेयर की जाए। कुछ सडके ऐसी है जो ज्यादा टूटी हुई है लेकिन ऐसा नही हो सकता कि सब जगह सडके टूटी हुई हो। कुछ ऐसे स्थान है जहां ऐसा हो रहा है हम उनकी जांच करवा लेंगे।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, आप अपने ऐडमिनिस्ट्रे ान से पता करे और जहां रिपेयर की जरुरत है वह करवाएं। (विघ्न)

Lining of Ditch Drain Safidon

***1083. Shri Bachna Singh Arya:** Will the Irrigation Minister be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Hon'ble Chief Minister had accepted the demand for lining the ditch of Safidon City in the public meeting held on 11th June, 2006; and

(b) whether it is alos a fact that the amount of Rs. 2 crore 80 lacs has been sanctioned in meeting of flood control Board; if so, the time by which the said amount is likely to be released?

Irrigation minister (Capt. Ajay Singh Yadav):

(a) Sir, the ditch drain in Safidon City has been already lined.

(b) no Sir, The funds are to be allocated by the Flood Control Board, the next meeting of which is to be held shortly.

श्री बचन सिह आर्यः अध्यक्ष महोदय, यह जो सफीदो ड्रेन है इसको गन्दा नाला भी कहते है। मेरा यह सवाल इरिगे ान डिपार्टमैंट से नही बल्कि पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट से संबंधित है। सफीदो भाहर के अंदर से यह नाला जाता है जिसे गंदा नाला कहते है। यह नाला सारे भाहर के बीच से जाता है। मेरा यह सवाल सिंचाई विभाग से संबंधित नही है पब्लिक हैलथ मिनिस्टर जी को मैने इसके बारे मे लिख कर भेजा था और इसके लिए 2 करोड 80 लाख रुपये सीवरेज को पक्का करने के लिए रिलीज करने थे। आदरणीय मुख्यमंत्री जी 11 जुन, 2006 को इसे मंजूर करके आये थे। मुझे विदित हुआ रेटस बढ गए और 3 करोड 10 लाख रुपये के एस्टीमैंटस बनाकर पब्लिक हैल्थ ने भेजे थे। मैने इसके बारे मे पता किया था। क्या मंत्री जी बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह पैसा स्वीकृत हो चुका है और यदि स्वीकृत हो चुका है तो यह पैसा कब तक रिलीज हो जाएगाध

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य का यह प्र न इरीगे ान मिनिस्टर जी के पास फल्उ कंट्रोल प्रोग्राम के तहत भेजा गया था। फल्ड कण्ट्रोल प्रोग्राम के चेयरमैन माननीय मुख्यमंत्री जी है और इनका विभाग इस काम को देखता है। इस पैसे के बारे मे मंत्रण पुरी हो चुकी है और माननीय इरीगे ान मंत्री जी से भी बात हुई है। फल्उ

कण्ट्रोल बोर्ड की मीटिंग फरवरी में होगी ओर मुझे अनुमान है कि इसी मिटिंग मे यह पैसा मंजूर हो जाएगा। बहुत जल्दी ही इसका काम भुरु हो जाएगा।

श्री बचन सिंह आर्यः स्पीकर सर, मेरा निवेदन है कि पहले भी फल्ड कंट्रोल बोर्ड की मीटिंग मे पैसा मंजूर हो चुका था। अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि यह पैसा कब तक रिलीज हो पाएगा?

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै अपने माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि बजट का प्रोविजन फल्ड कंट्रोल बोर्ड नही कर पाया था। फल्ड कंट्रोल बोर्ड की अगली मीटिंग होने वाल है उसमे हम इसको ले लेंगे।

तारांकित प्र न संख्या 1042

(इस समय माननीय सदस्य श्री राधे भयाम भार्मा अमर सदन मे उपस्थित नही थे इसलिए यह प्र न पूछा नही गया।)

तारांकित प्र न संख्या 1110

(इस समय माननीय सदस्य श्री धर्मबीर गाबा सदन मे उपस्थित नही थे इसलिए यह प्र न पूछा नही गया।)

तारांकित प्र न संख्या 1109

(इस समय माननीय सदस्य श्री नरे ा यादव सदन मे उपस्थित नही थे इसलिए यह प्र न पूछा नही गया।)

Bridge on Yamuna River

***1122. Sh Udaio Bhan:** Will the P.W.D (B&R) Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a bridge on the Yamuna river near Hassanpur; if so, the details thereof?

Irrigation Minister (Capt. Ajay Singh Yadav): No, Sir,.

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि 18 दिसम्बर, 2005 को माननीय मुख्यमंत्री जी ने होडल के अंदर इस पुल की धोशणा की थी और इसका सर्वे हुआ था। हसनपुर उंटासानी घाट ओर मालनघाट है। पहले उंटासानी घाट मे सर्वे हुआ था तो इन्होने नॉट फिजिबल की रिपोर्ट दी थी। फिर इस बारे मे कहा गया कि मालन घाट में उसको बनाया जाएगा। मंत्री जी ने भी कहा था कि इस बारे मे विचार कर रहे है और इसको बनवाएंगे। इन्होने यह भी बताया था कि इन्होने उतर प्रदे ा सरकार से इस बारे मे लिखा पढी की हुई है लेकिन अब इन्होने एकदम इस बारे मे 'न' में जवाब दे दिया है। क्या माननीय मंत्री जी बताने की कृपा करेंगे कि इस बारे मे इनके द्वारा क्या कार्यवाही हुई है ओर अब इसकी लेटस्ट पोजी ान क्या है?

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, उदय भान जी का जो प्र न है इस बारे मे मै इनको बताना चाहूंगा कि हम वहां पर पनटूम टैम्परेरी ब्रिज लगाते है जिसको हम 15 जून से 15 अक्तूबर तक हटा लेते है क्योंकि वहां पर पानी बहुत आ जाता है। अध्यक्ष महोदय, जहां की ये बात कर रहे हे वहां से 24 किलामीटर दूरी पर यूपी के एरिया मे मथुरा के पास भी ब्रिज है। इनकी यह बात सही है कि इनके वहां पर बडी भारी दिक्कत है ओर इस ब्रिज को बनाने मे तकरीबन 32.65 करोड रुपये लगेगें। अध्यक्ष महोदय, हमारे सैक्रेटरी ने 31.1.2009 को यूपी गवर्नमैंट को चिटठी लिखी थी। इसमे दिक्कत यह है कि हरियाणा मे अढाई किलोमीटर की अप्रोच रोड नही बनी हुई है और दूसरी तरफ भी उनके एरिया मे 2.40 किलोमीटर में भी अप्रोच रोड नही बनी हुई है। हम बकायदा इसकी फिजिबल रिपोर्ट ले रहे है और हमने बकायदा यू पी गवर्नमैंट को भी चिटठी लिखी हुई है कि वे बी डी और बेसिज पर 50–'50 भोयर के हिसाब से कर लें। अगर उनकी तरफ से स्वीकृति मिल जाती है तो हम आगे की कार्यवाही करैंगे।

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, 18 दिसम्बर, 2005 को माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस पुल को बनाने के बारे मे घोशणा की थी और यह बहुत ही जरुरी पुल है। मथुरा वहां से 60 किलोमीटर दूर पडता है। अगर दूसरी साईड से जाए तो सैंकडो किलोमीटर का चक्कर काट कर जाना पडता है। इसके अलावा पलवल साईड से 50–60 किलोमीटर का चक्कर पडता है। अध्यक्ष

महोदय, यह हसनपुर से सीधा अलीगढ का रोड है। अगर यह पुल बन जाता है तो इससे दोनो प्रदे ाो को हर तरफ से बहुत लाभ होगा। अध्यक्ष महोदय, खानापूर्ति करने के लिए चिटठी लिखी है। इन्होने पिछली तीन सालो मे कुछ नही किया आगे ये किस तरह से इस पर कुछ कर पायेंगे? इस पुल को बनाने के लिए मुख्यमंत्री जी की घोशणा है। इस बारे मे लापरवाही क्यों बरती गई है और इसके लिए कौन अधिकारी जिम्मेदार है?

श्री अध्यक्षः यह लापरवाही की बात नही है, आप स्पैसिफिक प्र न पूछें।

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि यह बहुत ही आव यक पुल है। इस बारे मे मुख्यमंत्री जी ने घोशणा की थी और उसके बनाने के बारे मे आ वासन भी दिया था।

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैने पहले भी बताया है कि हम वहां पर पनटूम टैम्परेरी ब्रिज लगाते है और 15 जून से 15 अक्तूबर के बीच मे इसको उठा लेते है। इनकी जो मांग है वह बिल्कुल वाजिब है कि वहां पर ब्रिज होना चाहिए। इनकी इस जरुरत को देखते हुए स्टेट गवर्नमैंट ने यू पी गवर्नमैंट को बकायदा चिटठी लिखी है कि इस की बी और टी लैवल पर फिजिब्लीटी स्टडी ओर डी पी आर रिक्वायर्ड है। हमने यू पी गवर्नमैट को कहा है कि वे इसके लिए अपनी कन्फ्रैस दे कि इसकी जो टोटल कॉस्ट है उसका 50 प्रति ात भोयर वे देंगे और

50 प्रति ात भोयर हम देंगे। जैसे ही इस बारे में उनकी स्वीकृती आ जाएगी तो इस बारे मे हम कार्यवाही करैंगे।

Up-gradation of 132 KV Power Station with 25 MVA Transformer

***1101. Maj Nirpender Singh Sangwan:** Will the Power be pleased to state:-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade 132 KV Power Station with 25 MVA transformer at village Atela in Charkhi Dadri; and

(b) the time by which the 33 KV Power Station at village Chappar will start functioning?

Power Minister (Sh Randeep Singh Surjewala):

(a) Augmentation of 132 KV Sub Station Atela Kalan with 1x20/25 MVA, 132/33 KV transformer is an approved work at an essential cost of Rs. 200 lac. I will tell the Hon'ble Member that as on today it stands commissioned. Although, the reply is that it will be commissioned by 20th Februday, 2009 but we have already commissioned it.

(b) 33 KV Sub Station Chappar with 10 MVA, 33/11 KV transformer stands commissioned since 3/2008 at no load. Speaker Sir, load now will be put by the end of this month as the earlier from where the connectivity had to come.

Maj. Nirpender Singh Sangwan; Speaker Sir, though the transformer has been upgraded but the problem

remained the same. it needs to be uplifted and a control room to be made there for it. Until the control room is not made it remains idle standing there. The upgradation is made only 16 MVA to 25 MVA. rather than from 16 MVA plus 25 MVA.

तारांकित प्र न संख्या 1173

(इस समय माननीय सदस्य श्री सोमवीर सिंह सदन मे उपस्थित नही थे इसलिए यह प्र न पूछा नही गया)

Installation of Tubewells

***1040. Sh Niram Singh:** Will the Public Health Engineering Minister be pleased to state the districtwise number of tubewells installed in Haryana Stte during the leat three years together with the number of tubewells which have failed during the said period?

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala): Sir, a statement is placed on the table of the House.

Statement

Sr No.	Name of District	No. of tubewells drilled during 2005-08	No of tubewells drilled and failed within the period 2005-08
1	Ambala	276	8
2	Bhiwani	57	0
3	Faridabad	65	0

4	Fatehabad	16	0
5	Gurgaon	167	0
6	Hisar	0	0
7	Jhajjar	36	1
8	Jind	63	0
9	Kaithal	210	0
10	Karnal	194	0
11	Kurukshetra	117	0
12	Mewat	200	15
13	Mohindergarh	296	20
14	Palwal	160	27
15	Panchkula	51	0
16	Panipat	175	1
17	rewari	140	23
18	Rohtak	0	0
19	Sirsa	76	0
20	Sonepat	103	0
21	Yamunanagar	244	5
	Total	**2646**	**100**

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर सर, माननीय मंत्री जी ने बताया है कि अम्बाला में 8 टयूबवैल अभी खराब है। मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इनको दोबारा से चालू करने में कितना समय लग जाता है? जल्दी ही इनकी रिपेयर करवानी चाहिए क्योंकि पीने का पानी बहुत जरुरत की चीज है तो क्या मंत्री जी इस बारे में ध्यान देंगे?

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः स्पीकर सर, माननीय सदस्य की चिंता ठीक है कि इनके विधान सभा क्षेत्र नग्गल मे तीन टयूबवैल्ज ऐसे है जो वाटर लेवल नीचे जाने की वजह से खराब है। एक तो वीटा मे टयूबवैल है इसका पानी नीचे चला गया है जिसकी वजह से यह ड्राई हो गया है। एक मंछौडा मे जिसे चन्द्रपुरी भी कहते है, टयूबवैल है, इसमे भी वाटर लेवल नीचे जाने के कारण पानी का डिस्चार्ज कम हो गया था। इसी तरह से एक मुनहेडी मे टयूववैल था यह भी ड्राई हो गया था। स्पीकर सर, इस बैल्ट के अंदर वाटर लेवल जरुर नीचे जा रहा है। इनकी कांस्टीच्युएंसी मे पुराने करीब 14–15 टयूबवैल्ज हमारे नोटिस मे ऐसे आए थे जो धीरे धीरे सात आठ दस साल चलकर वाटर लेवल नीचे जाने की वजह से खराब हो गये थे। हमने इनके लिए आल्टरनेटिव प्रावधान करने का निर्णय लिया है। जब माननीय वित्त मंत्री जी अपना बजट पे ा करेंगे तो उससे पहले माननीय सदस्य से इस बारे मे हम राय ले लेगे और इनके मुताबिक जहां पर पानी ठीक होगा वहां पर हम टयूबवैल मंजूर कर देंगे। वैसे

हम अपनी तरफ से भी सर्वे करवा लेंगे और टैस्ट करवा लेंगे। जहां पर लेवल ठीक होगा वहां पर हम इनके क्षे? मे ऐडी ानल टयूबवैल मंजूर कर देंगे।

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर सर, आठ टयूबवैल का जिक किया गया है इनमे से कई टयूबवैल ऐसे है जो लगते ही खराब हो गए है। वाटर लेवल नीचे जाने की वजह से यह बहुत पुराने टयूबवैल होने की वजह से तो खराब है ही लेकिन कई टयूबवैल्ज ऐसे भी है जो लगते ही खराब हो गए है।

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः स्पीकर सर, इस प्र न आने के बाद मैने इसके बारे मे जांच करवायी थी। हमे पता चला है कि वहां पर पानी का स्तर नीचे चला गया है। फिर भी माननीय सदस्य के नोटिस मे यदि कोई और विशय है तो वे हमें लिखकर दे दें, हम उसकी जांच करवा लेंगे।

श्री फुल चन्द मुलानाः स्पीकर सर, तीन साल मे 2646 टयुबवैल इस सरकार ने लगवाए है। मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि 2000 से लेकर 2004–05 तक इस सरकार के बनने से पहले तक कितने टयूबवैलज लगे थे?

श्री अध्यक्षः मुलाना साहब, इसके बारे मे जानकारी लेकर क्या करेंगे?

श्री फूल चन्द मुलानाः ठीक है सर।

Mr Speaker: Hon'ble Member, Question Hour is over.

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नो के लिखित उतर

Payment of Outstanding Electrictiy Bills

***1088 Dr. Sushil Indora:** Will the Power Minister be please to state:

(a) whether it is a fact that the electricity bills are issued by adding the outstanding amount of electricity bill already deposited; and

(b) whether any fee is deposited to get the said bills rectified?

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला):

(क) नही, श्रीमान् ।

(ख) नही, श्रीमान् ।

Construction of PHC at Bir-Pipli

***1099. Sh. Ramesh Gupta:** Will the Health Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct Primary Health Centre on the land of Panchayat of Bir-Pipli at Pipli; if so, the time by which the work will be started thereon?

स्वास्थय मंत्री (बहिन करतार देवी): हां, श्रीमान् जी, ग्राम पंचायत द्वारा उपायुक्त भूमि उपलब्ध करवाए जाने पर निर्माण कार्य भाुरु कर दिया जाएगा।

Proper Drainage of Flood/Storm Water in Kalayat Town

***1126. Smt. Geeta Bhukkal:** Will the Public Health Engineering Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government for proper drainage of flood/storm water in Kalayat town?

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): नही, श्रीमान् जी।

Number of Government Highet Secondary Schools

***1131. I.G. Sher Singh:** Will the Education Minister be pleased to state the number of Government Higher Secondary Schools functioning in Jind District togetherwith number of schools which have Science and Commerce Streams?

ि ाक्षा मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): श्रीमान् जी, जींद जिले मे 85 राजकीय वरिश्ठ माध्यमिक विद्यालय है, जिनमे से 12 विद्यालय विज्ञान संकाय के तथा 10 विद्यालय वाणिज्य संकाय के है।

अनुबन्ध 'ए'

जींद जिले के विज्ञान संकाय के राजकीय वरिश्ठ माध्यमिक विद्यालयो के नामः

विज्ञान संकाय के विद्यालय	**वाणिज्य संकाय के विद्यालय**
रा0 माडल संस्कृति व0 मा0 वि0 बेलरखां	रा0 माडल संस्कृति व0 मा0 वि0 बेलरखां
रा0 व0 मा0 वि0 ईक्कस	रा0 व0 मा0 वि0 ईक्कस
रा0 क0 व0 मा0 वि0, जींद	रा0 क0 व0 मा0 वि0, जींद
रा0 व0 मा0 वि0 जुलाना	रा0 व0 मा0 वि0 जुलाना
रा0 व0 मा0 वि0 नरवाना	रा0 व0 मा0 वि0 नरवाना
रा0 व0 मा0 वि0 पिल्लु खेडा	रा0 व0 मा0 वि0 पिल्लु खेडा
रा0 व0 मा0 वि0 उचाना मण्डी	रा0 व0 मा0 वि0 उचाना मण्डी
रा0 व0 मा0 वि0 दनौदा	रा0 व0 मा0 वि0 दनौदा
रा0 व0 मा0 वि0 हाट	
रा0 क0 व0 मा0 वि0 नरवाना	

अनुबन्ध 'बी'

ि ाक्षा की गुणवत्ता को सुधारने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम

(i) छठी से बाहरवीं तक सभी कक्षाओ मे सैमेस्टर प्रणाली का लागू होना, जिसके परिणामस्वरुप पढाई का बोझ कम हुआ है व सारा वर्श पढाई मे निरन्तरता बन पाई है। अनुभव के आधार पर सैमेस्टर प्रणाली मे सुधर करने के लिए वस्तुनिश्ठ परीक्षा को समाप्त कर दिया गया है। अब प्रथम सैमेस्टर की परीक्षा मे भी संक्षिप्त वर्णानात्मक प्र न भाामिल किए गए है।

(ii) अध्यापको के सभी रिक्त पदो पर अतिथि अध्यापक लगाए गए है।

(iii) राज्य मे लगभग 10000 विद्यालयो ओर महाविद्यालयेा मे एजुसैट की स्थापना की गई है।

(iv) कार्यपुस्तिकाओ की सहायता से अध्यापन की आधुनिक प्रणालियो को आरम्भ किया गया है।

(v) सरकारी विद्यालयो मे ि ाक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियो की सहायता के लिए मौलिक स्तर पर लगभग 22 लाख विधार्थियो को पुस्तके व कार्यपुस्तिकाएं मुफ्त प्रदान की गई है।

(vi) भौक्षणिक सत्र 2008–09 के दूसरे सैमेस्टर से परियोजना आधारित ि ाक्षा आरम्भ की गयी है।

(vii) आगामी भौक्षणिक सत्र से 'सामान्य ज्ञान' विशय लागू किया गया है।

(viii) अध्यापको की गुणवत्ता मे सुधार करने के लिए राज्य अध्यापक पात्रता परीक्षा आरम्भ की गई है। इस परीक्षा का सफल आयोजन हरियाणा विद्यालय ि ाक्षा बोर्ड द्वारा किया गया था जिसमे 1.60 लाख उम्मीदवार बैठे और 32000 उम्मीदवारो को उत्तीर्ण घोशित किया गया।

(ix) विद्यालयो की मूलभूत सुविधाओ के लिए प्र्याप्त रा ि ा प्रदान की गई।

(x) अनुसूचित जाति के विधार्थियो के लिए मासिक वजीफे व एकमु त भत्ते की योजना आरम्भ की गई है। इससे लगभग 8.5 लाख विधार्थि लाभ उठा रहे है।

(xi) बाह्य एजेंसियो की सहायता से लगभग 1100 विद्यालयो मे विधार्थियो को कम्पयूटर ि ाक्षा देने का प्रावधान किया गया है।

(xii) आगामी भौक्षणिक सत्र से 213 विद्यालयो मे व्यापक कम्प्यूटर ि ाक्षा को चरणबद्ध तरीके से आरम्भ करने का प्रस्ताव है।

(xiii) अध्यापको की स्थानान्तरण नीति मे सुधार किया गया है। अब अध्यापको का न्यूनतम ठहराव का समय 3 वर्श की अपेक्षा 5 वर्श कर दिया गया है।

अनुबन्ध 'सी'

राज्य सरकार द्वारा विज्ञान एवं वाणिज्य ि ाक्षा को बढावा देने के लिए उठाए गए कदमो का विवरण

1. ''एजुसैट'' के माध्यम से ग्याहरवीं तथा बाहरवीं कक्षा के विज्ञान एवं वाणिज्य संकायो के विद्यार्थियो के लिए प्रतिदिन व्याख्यान प्रसारित किए जा रहे है।

2. 'एजुसैट' के माध्यम से विज्ञान विशय के ग्याहरवी तथा बाहरवीं कक्षाओ के विधार्थियो को अखिल भारतीय इंजीनियरिंग प्रवे ा परीक्षा के लिए प्रतिदिन गहन कोचिंग प्रदान की जाती है। यह कोंचिंग कार्यक्रम 'उत्कर्श सोसाईटी' द्वारा एक प्रसिद्ध भौक्षणिक संस्था के सहयोग से विकसित किया गया है तथा बडे उत्साह से विद्यार्थियो द्वारा ग्रहण किया जा रहा है।

3. वि ोश रुप से सुविधाओ की चरणबद्ध स्तरोन्नति के लिए चयनित 213 विद्यालयो को 11.86 करोड रुपये विज्ञान प्रयोग ाालाओ के निर्माण के लिए सरकार द्वारा वितरित किए गए है।

4. प्रयोग ाालाओ के उपकरणे की खरीद के लिए 40000 रुपये प्रति विज्ञान संकाय वरिश्ठ माध्यमिक तथा 17397 रुपये प्रति गैर विज्ञान संकाय वरिश्ठ माध्यमिक व उच्च विद्यालय की दर से कुल 6.15 करोड रुपए वितरित किए गए है।

Adulteration of Milk

***1137. Dr. Sita Ram:** Will the Health Minister be pleased to state:

(a) the district wise and year wise number of cases of adulteration in milk registered in the State since April, 2006 till date, together with the fate of the registered cases; and

(b) the steps taken by the Health Department to check the adulteration in milk together with the total number of samples taken in this regard?

स्वास्थय मंत्री (बहिन करतार देवी): श्रीमान् जी, सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है:'

(क) स्वास्थय विभागी द्वारा अप्रैल 2006 से दिसम्बर, 2008 तक दुध के कुल 683 नमून लिये गए, 224 नमूने अपमिश्रित पाए गए तथा इन केसो के बारे मुकदमा दायर किया हुआ है। यह सभी केस न्यायालय के विचाराधीन है।

जिलावार। तथा वर्श वार ब्यौरा निम्न प्रकार से है:

क्रम संख्या	जिले का नाम	वर्श वार लिए गए सैम्पलो की संख्या			अपमिश्रित पाए गए नमूनो की संख्या		
		2006	2007	2008	2006	2007	2008
1	अम्बाला	12	14	6		02	02
	भिवानी	06	23	38	02	05	12
	फतेहाबाद	02	02	02	02	02	02
	फरीदाबाद	17	02	07	04	01	01
	गुडगांव	26	30	18	09	12	08
	हिसार	23	10	38	02	01	04
	झज्जर	02	02	02	02	02	02
	जीन्द	02	04	07		03	03
	करनाल	02	04	07	02	04	07
	कैथल	44	23	32	05	06	06
	कुरुक्षेत्र	05	13	12	05	05	00
	मेवात			02			01
	नारनौल	01	01	02	01	01	02

	पानीपत	19	25	15	03	03	02
	पंचकूला	15	13	18	02	09	03
	रिवाडी	02	07	01	02	07	01
	रोहतक	01	11	02	01	11	02
	सोनीपत	02	15	02	02	15	02
	सिरसा	08	15	25	03	04	07
	यमुनानगर	13	14	17	05	03	09
	कुल		**683**			**224**	

(ख) विभागी ने अधिक से अधिक सैम्पलिंग तथा चैंकिग के लिए कदम उठाए है। प्रत्येक जिल मे आठ उपसिविल सर्जन के पद स्वीकृत किए गए है। सभी उपसिविल सर्जन को खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम 1954 के तहत लोकल हैल्थ आथारिटी अधिसूचित किया गया है। इससे पहले केवल एक प्रोग्राम अधिकारी यानि जिला स्वास्थय अधिकारी इस कार्य को करता था।

Free Technical Education for Orphan Children

***1192. Smt Sunita Singh:** Will the Technical Education Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration for the Government to provide

free Technical Education to the 10th Class passed orphan children; if so, the details thereof?

भाहरी विकास मंत्री (श्रीमान् ए सी चौधरी): श्रीमान् जी, नही।

Unauthorised Colonies in M.C. Faridabad

***1150 Sh. Mahendra Partap Singh:** Will the Urban Local Boadies Minister be pleased to state:

(a) the number of unauthorized colonies in the area of Faridabad Municipal Corporation; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to regularize the above said colonies; if so, the time by which these colonies will be regularized?

भाहरी विकास मंत्री (श्रीमान् ए सी चौधरी):

(क) नगर निगम फरीदाबाद क्षेत्र मे 51 अनाधिकृत कालोनियां चिन्हि्त की गयी है।

(ख) वर्श 2006 मे 51 अनाधिकृत कालोनियो को नियमित करने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन था। परंतु माननीय उच्च न्यायालय पंजाब एवं हरियाणा के CWP No. 1006 of 2007 & 17002/2006 मे पारित निर्दे ाानुसार, अब से कोई भी कालोनी नियमित नही की जाएगी यदि वह सक्षम प्राधिकारी की वांछित स्वीकृति एवम् माननीय उच्च न्यायालय का अनुमोदन प्राप्त

किए बिना बनाई गई हो। मामला अभी तक न्यायालय के विचाराधीन है।

Opening an I.T.I at Madlaudha

***1159. Smt. Raj Rani Poonam:** Will the Industrail Training & Vocational Education Minister be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to open an I.T.I at Madlaudha; and

(b) if so, the time by which it is likely to be opened?

भाहरी विकास मंत्री (श्री ए सी चौधरी): हां, श्रीमान् जी।

(क) मतलौडा मे आई टी आई खोलने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

(ख) इस समय आई टी आई खोलने की सीमा दी जानी सम्भव नही है।

Construction of Roads

***1185. Sh. Dinesh Kaushik:** Will the Agriculture Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct following roads:-

(i) from Sanch-Sirsal road to purchase centre via Dera Baldev Singh Habri;

(ii) from Habri Canal Rest House to Dera Sisha Singh Nishoria; and

(iii) from village Ahun to Sangroli and Sangroli to village Pharal?

कृशि मंत्री (सरदार एच एस चटठा): नही, श्रीमान् जी।

अतारांकित प्र न एवं उतर

142. Sh. Naresh Yadav: Will the Agriculture Minister be pleased to state;

(a) the number of roads constructed by the Haryana State Agricultural Marketing Board in Haryana during the period from 2005 to 2008.

(b) the number of roads for which sanction has been accorded which were under construction togetherwith the dcriteria for construction of roads; and

(c) the number of roads repaired by the marketing board during the year 2005 to 2008 togetherwith the details of the expenditure incurred thereon?

कृशि मंत्री (सरदार एच एस चटठा): श्रीमान् जी।

(क) हरियाणा राज्य कृशि विपणन बोर्ड द्वारा वर्श 2005 से 2008 के दौरान 551 सडको का निर्माण किया गया है, तथा

(ख) वर्श 2005 से 2008 तक 702 नई सडके स्वीकृत की गई है। सडको के निर्माण बारे मापदण्ड अनुलग्नक 'क' पर उपलब्ध है।

(ग) वर्श 2005 से 2008 के दौरान 1097 सडको की मरम्मत की गई है और इन सडको पर 149.10 करोड रुपये की रा ि ा खर्च की गई है। जिलावार। संक्षिप्त विवरण अनुलग्नक 'ख' पर उपलब्ध है।

अनुलग्नक 'ख'

सडको की नीति निम्नलिखित है:–

1. बोर्ड क्षेत्र की आव यकतानुसार ग्रामीण पहुंच सउको का निर्माण कृशि मंत्री / मुख्यमंत्री महोदय की स्वीकृती उपरान्त करेगा।

2. बोर्ड माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा घोशित सडको का निर्माण कार्य तत्काल प्रारम्भ करेगा तथा इसकी सूचना सरकार को भेज देगा।

3. बोर्ड उन्ही सडको का निर्माण करेगा जहां कम से कम 5 करड चौडा रास्ता उपलब्ध हो। जहां रास्ता 5 करम से कम हो और सडक बनानी जरुरी हो, वहां भूमि साथ लगती भूमि मालिको से मुफ्त प्राप्त की जायेगी। यद्यपि वि ोश परिस्थितयों मे सरकार से इस मामले में ढील प्राप्त की जा सकती है।

4. सडको के निर्माण पर पटटी कार्य बोर्ड द्वारा अपने फण्ड से करवाया जायेगा।

5. बोर्ड द्वारा स्कूल, मंदिर, मस्जिद तथा धर्म ाला को जाने वाली सडको का निर्माण नही करवाया जायेगा।

6. बोर्ड द्वारा भाम ान घाट की ओर जाने वाली सडको का निर्माण नही करवाया जायेगा।

7. गांव की आंतरिक सडके, फिरनी सडको और रिंग बांधो का निर्माण विकास एवं पंचायत विभाग द्वारा करवाया जायेगा।

8. तालाब के साथ लगती पहुंच/ ग्रामीण सडको के लिए रिटेनिंग वाल विकास एवं पंचायत विभाग द्वारा करवाई जायेगी।

9. अन्तर्राजीय सडको का निर्माण लोक निर्माण विभागी (भवन व सडके) द्वारा करवाया जायेगा।

10. बोर्ड/मार्किट कमेटियो द्वारा निर्मित सडको की समयबद्ध मुरम्मत का कार्य बोर्ड द्वारा निर्धारित नीति के अनुसार किया जायेगा।

अनुलग्नक 'ख'

हरियाणा राज्य कृशि विपणन बोर्ड द्वारा वर्श 2005 से 2008 के दौरान पूर्ण की गई सडको की वि ोश मुरम्मत।

क्रम संख्या	जिला	सडको की संख्या	लम्बाई किलोमीटर में	खर्चा लाखो में
1	अम्बाला	47	107.54	335.36
2	भिवानी	61	146.73	829.86
3	फरीदाबाद तथा पलवल	58	89.80	1047.07
4	फतेहाबाद	127	287.45	1468.65
5	गुडगांव	18	43.94	430.64
6	हिसार	47	135.02	777.35
7	झज्जर	19	47.14	464.68
8	जींद	66	177.10	1169.28
9	कैथल	107	195.77	975.21
10	करनाल	85	193.96	1456.25
11	कुरुक्षेत्र	137	222.19	1593.87

12	महेन्द्रगढ	12	26.17	153.96
13	मेवात	11	23.39	126.10
14	पानीपत	28	62.68	573.70
15	पंचकूला	16	20.01	69.82
16	रिवाडी	27	52.63	340.79
17	रोहतक	32	78.71	736.60
18	सिरसा	115	253.75	1397.47
19	सोनीपत	50	127.03	607.64
20	यमुनानगर	34	55.70	355.68
		1097	2346.71	14909.98

Buses Remained off the Roads

144 Sh. Karan Singh Dalal: Will the Transport Minister be pleased to state the depotwise and monthwise number of Haryana Roadways Buses alongwith the number of days for which they remained off the roads during the year 2008-09 till date due to non-availability of staff or non-availability of tyre-tubes separately?

ि ाक्षा मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): निम्नलिखित अनुसूचियां विधान सभा के सम्मुख प्रस्तुत है:–

(क) वर्श 2008–09 (अब तक) मे हरियाणा रोडवेज बसो की डिपोवार तथा मासवार संख्या

(ख) अप्रैल 2008 से जनवरी 2009, (अब तक) अमले की कमी के कारण मार्ग पर नही भेजी गई बसो का ब्यौरा।

(ग) अप्रैल 08 से जनवरी 09 (अब तक) टायर टयूब की कमी के कारण मार्ग पर नही भेजी गई बसों का ब्यौरा।

(घ) हरियाणा राज्य परिवहन के आगारो मे मार्ग पर नही भेजे गये औसत वाहनो का ब्यौरा।

अनुसूचि ''क''

वर्श 2008–09 (अब तक) मे हरियाणा रोडवेज बसो की डिपोवार तथा मासवार संख्या

क्र सं	आगार का नाम	अप्रैल 08	मई 08	जून 08	जुलाई 08	अगस्त 08	सितम्बर 08	अक्तुबर 08	नवम्बर 08	दिसम्बर 08
1	चण्डीगढ	232	230	219	219	223	229	229	229	229
2	अम्बाला	187	187	187	179	179	179	179	179	181
3	यमुनानगर	152	146	146	143	146	146	146	146	146
4	करनाल	160	161	162	162	162	162	162	162	162
5	कुरुक्षेत्र	154	154	156	156	155	155	155	155	155
6	सिरसा	156	155	154	153	154	155	155	155	155

7	पानीपत	113	107	109	109	110	110	112	112	112
8	फतेहाबाद	149	149	151	144	142	142	142	142	143
9	रिवाडी	117	117	115	116	118	114	118	122	122
10	सोनीपत	195	199	199	183	173	177	180	181	186
11	फरीदाबाद	202	203	203	204	200	210	214	215	219
12	दिल्ली	105	104	102	93	93	93	93	92	93
13	कैथल	132	130	130	130	131	131	131	131	131
14	रोहतक	147	150	150	146	146	152	156	160	162
15	जींद	150	150	146	148	147	148	148	148	148
16	गुडगांव	169	169	169	171	179	179	159	160	160

17	भिवानी	161	161	161	161	161	160	178	160	160
18	हिसार	181	181	177	176	176	177	177	177	179
19	झज्जर	115	115	112	117	117	120	119	120	120
20	नारनौल	103	103	103	102	104	104	103	103	104
	कुल जोड	3080	3071	3051	3012	3016	3043	3056	103	3067

अनुसूचि ''ख''

अप्रैल 2008 से जनवरी 09 (अब तक) अमले की कमी के कारण मार्ग पर नही भेजी गई बसो का ब्यौरा।

क सं	आगार का नाम	अप्रैल 08	मई 08	जून 08	जुलाई 08	अगस्त 08	सितम्बर 08	अक्तुबर 08	नवम्बर 08	दिसम्बर 08	जनवरी 08

1	चण्डीगढ	11	11	11	18	18	18	18	18	18	18
	दिनो की संख्या	30	31	30	31	31	30	31	30	31	27
2	अम्बाला	8	8	8	6	6	5	3	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या	30	31	30	31	31	30	31			
3	यमुनानगर	4	4	4	2	6	5	3	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या	30	31	30	31	31	30	31			
4	करनाल	11	7	9,1	2	6	5	3	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या	30	30	30,27	31,21	31	30	31			
5	कुरुक्षेत्र	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य

	दिनो की संख्या										
6	सिरसा	3	4	4	4	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
7	पानीपत	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
8	फतेहाबाद	9	7	7	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या	30	31	30							
9	रिवाडी	11	11	11	9	9	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या	30	30	30	31	31					

10	सोनीपत	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
11	फरीदाबाद	12	12	11	10	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
12	दिल्ली	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
13	कैथल	4	4	5	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य

	दिनो की संख्या										
14	रोहतक	31	4,2	6,1	1	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या	30,22	31,10	30,26	20						
15	जींद	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
16	गुडगांव	10	10	10	10	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										

17	भिवानी	6	5	6	3,1						
	दिनो की संख्या	30,15,20, 12,23,10	31	31	31,27						
18	हिसार	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
19	झज्जर	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
2	नारनौल	6	6	6	4	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य

0											
	दिनो की संख्या										

अनुसूचि ''ग''

अप्रैल 2008 से जनवरी 09 (अब तक) टायर टयूब की कमी के कारण मार्ग पर नही भेजी गई बसो का ब्यौरा।

क्र सं	आगार का नाम	अप्रैल 08	मई 08	जून 08	जुलाई 08	अगस्त 08	सितम्बर 08	अक्तुबर 08	नवम्बर 08	दिसम्बर 08	जनवरी 08
1	चण्डीगढ	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										

2	अम्बाला	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
3	यमुनानगर	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
4	करनाल	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
5	कुरुक्षेत्र	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य

	दिनो की संख्या										
6	सिरसा	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
7	पानीपत	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
8	फतेहाबाद	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
9	रिवाडी	भून्य	भून	भून	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य

			य	य							
	दिनो की संख्या										
10	सोनीपत	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
11	फरीदाबाद	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
12	दिल्ली	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										

13	कैथल	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
14	रोहतक	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
15	जींद	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
16	गुडगांव	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य

	दिनो की संख्या										
17	भिवानी	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
18	हिसार	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
19	झज्जर	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
	दिनो की संख्या										
2	नारनौल	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य

0			य	य							
	दिनो की संख्या										

अनुसूची 'घ'

हरियाणा राज्य परिवहन के आगारो मे मार्ग पर नही भेजे गये औसत वाहनो का ब्यौरा।

क्र सं	आगार का नाम	मार्ग पर नही भेजे गये औसत वाहनो का ब्यौरा	महीनो की संख्या
1	चण्डीगढ	16	12
2	अम्बाला	6	7
3	यमुनानगर	4	7
4	कैथल	6	7
5	सिरसा	4	4
6	फतेहाबाद	8	3
7	रेवाडी	10	5
8	फरीदाबाद	11	4
9	रोहतक	4	4
10	गुडगांव	10	4
11	भिवानी	5	4

12	नारनौल	6	4
	कुल जोड	90	65
	औसत	8	6

Adulteration in Food Articles

***137. Dr. Sita Ram:** Will the Health Minister be pleased to state the district wise details of samples taken by the Health Department for adulteration in the food articles in the State since, April, 2006 together with fate thereof?

स्वास्थय मंत्री (बहिन करतार देवी): श्रीमान जी, स्वास्थय विभागी द्वारा अप्रैल, 2006 से दिसम्बर, 2008 तक कुल 7503 खाद्य नमूने लिए गए, 971 नमूने अपमिश्रित पाए गए तथा इन केसो बारे मुकदमा दायर किया हुआ है। ये सभी केस न्यायालय के विचाराधीन है। जिलावार ब्यौरा निम्न प्रकार से है:–

कम सं0	जिले का नाम	अप्रैल 06 से दिस 08 तक लिये गए सैम्पलो की संख्या	अपमिश्रित पाए गए नमूनो की संख्या
	अम्बाला	477	27
	भिवानी	393	50
	फतेहाबाद	206	35

	फरीदाबाद	467	77
	गुडगांव	582	114
	हिसार	563	66
	जींद	333	31
	झज्जर	146	27
	कुरुक्षेत्र	258	46
	कैथल	449	62
	मेवात	617	40
	नारनौल	8	4
	पंचकूला	100	17
	पानीपत	397	76
	पलवल	440	62
	रिवाडी	25	2
	रोहतक	252	38
	सोनीपत	420	21

	सिरसा	288	61
	यमुनानगर	438	38
	कुल	7503	971

145. Sh Karan Singh Dalal: Will the Education Minister be pleased to state the districtwise number of Government and aided private degree and post graduate colleges in Rural and Urban area separately in the state alongwith the number in which Science faculty Medical or both is being run during the academic session 2008-09?

सूचना

जिला	राजकीय महाविद्यालय कुल संख्या			सहायता प्राप्त महाविद्यालय कुल संख्या			राजकी महाविद्यालय मे चलाये जा रहे कोर्स			सहायता प्राप्त महाविद्यालय मे चलाये जा रहे कोर्स		
	भाहरी	ग्रामीण	कुल	भाहरी	ग्रामीण	कुल	स्नातकोतर	मैडीकल कोर्स	नान मैडीकल कोर्स	स्नातकोतर	मैडीकल कोर्स	नान मैडीकल कोर्स
अम्बाला	2	1	3	6	3	9	1	1	1	6	3	4
पंचकूला	3	1	4	0	0	0	2	3	3	0	0	0
भिवानी	4	3	7	4	2	6	2	2	2	3	3	3
फरीदाबाद	3	1	4	5	0	5	1	1	2	2	2	3

गुडगांव	3	2	5	1	0	1	2	2	2	0	0	0
मेवात	0	2	2	1	0	1	0	0	0	1	1	1
हिसार	3	3	6	4	0	4	2	2	2	3	3	3
फतेहाबाद	2	2	4	1	0	1	1	0	1	0	0	0
कैथल	1	0	1	5	2	7	0	0	1	1	1	1
यमुनानगर	0	1	1	7	1	8	0	0	0	5	5	5
जींद	4	1	5	3	0	3	4	3	3	0	0	0
करनाल	2	2	4	4	0	4	3	1	1	2	2	2
पानीपत	1	1	2	5	0	5	0	0	0	3	3	3
महेन्द्रगढ	5	3	8	0	0	0	3	3	3	0	0	0

रिवाडी	1	3	4	3	1	4	3	0	1	2	2	2
रोहतक	3	2	5	7	0	7	1	1	1	2	2	2
झज्जर	2	4	6	2	0	2	1	2	2	4	4	4
सोनीपत	1	1	2	6	0	6	0	1	1	4	4	4
सिरसा	2	0	2	2	1	3	1	1	1	0	0	0
कुरुक्षेत्र	0	0	0	6	0	6	0	0	0	2	2	4

Cases of Murder, Rape etc.

138. Dr. Sita Ram: Will the Chief Minister be pleased to state the district wise and month wise total number of cases of murder, rape, dacoity and ransom registered since April 1st 2008 till date together with the Status thereof?

मुख्यमंत्री (श्री भुपेन्द्र सिंह हुडडा): वांछित सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

हत्या

जिला	अप्रैल 08	मई 08	जून 08	जुलाई 08	अगस्त 08	सितम्बर 08	अक्तुबर 08	नवम्बर 08	दिसम्बर 08	जनवरी 09
पंचकूला	2	2	1	2	1	1	1	1	1	1
अम्बाला	4	0	1	2	3	5	4	5	4	1
यमुनानगर	4	3	3	5	3	3	4	4	3	1
कुरुक्षेत्र	4	0	2	0	2	0	2	4	1	2
कैथल	3	4	3	1	3	1	4	2	0	2
हिसार	5	4	16	7	3	4	1	4	0	1

सिरसा	2	3	7	2	4	5	4	5	6	1
भिवानी	2	7	4	7	4	9	4	4	5	3
जीन्द	3	4	3	2	3	5	4	1	7	3
फतेहाबाद	2	2	0	1	5	1	2	4	0	1
गुडगांव	1	10	3	6	12	2	10	7	6	3
फरीदाबाद	4	4	4	12	6	5	8	3	1	3
पलवल	3	4	3	2	5	3	3	5	0	1
नारनौल	3	2	1	3	5	2	2	2	3	0
रेवाडी	2	1	4	2	1	2	4	2	3	1
मेवात	0	1	3	1	1	3	2	2	2	3

रोहतक	4	56	4	3	4	8	5	5	11	5
सोनीपत	4	10	10	9	2	4	12	7	10	2
करनाल	4	2	1	8	4	6	3	3	4	1
पानीपत	4	4	5	2	5	6	3	5	5	3
झज्जर	6	5	7	8	9	9	4	5	2	5
रेलवे	1	3	4	1	3	2	2	3	0	1
कुल	67	80	89	86	88	86	88	83	74	44

बलात्कार

जिला	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्तुबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी

	08	08	08	08	08	08	08	08	08	09
पंचकूला	1	0	1	0	0	1	2	3	0	1
अम्बाला	0	4	6	3	4	4	4	3	2	0
यमुनानगर	1	1	6	4	1	3	6	3	0	1
कुरुक्षेत्र	3	5	5	6	4	4	6	3	0	2
कैथल	0	1	2	0	2	2	3	2	0	0
हिसार	1	4	2	3	3	3	1	0	1	1
सिरसा	1	2	2	4	6	3	2	3	2	1
भिवानी	2	3	5	6	4	4	1	1	1	6
जीन्द	2	3	4	6	5	2	5	2	0	3

फतेहाबाद	6	0	1	1	2	0	2	0	0	1
गुडगांव	7	0	4	3	7	6	3	1	2	2
फरीदाबाद	1	1	6	4	5	1	5	6	2	2
पलवल	2	2	3	1	6	4	2	3	0	1
नारनौल	0	2	1	2	3	0	3	3	0	1
रेवाडी	8	1	3	3	2	4	6	0	3	0
मेवात	3	2	2	1	2	5	4	1	2	1
रोहतक	4	2	3	7	1	3	3	3	2	3
सोनीपत	0	4	6	1	1	3	2	3	5	0
करनाल	1	3	8	9	6	3	4	2	5	1

पानीपत	1	2	3	2	1	4	6	0	5	3
झज्जर	0	3	5	1	2	1	2	3	3	0
रेलवे	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0
कुल	46	46	78	67	67	60	73	45	35	30

डकैती

जिला	अप्रैल 08	मई 08	जून 08	जुलाई 08	अगस्त 08	सितम्बर 08	अक्तुबर 08	नवम्बर 08	दिसम्बर 08	जनवरी 09
पंचकूला	0	0	0	0	3	0	0	0	0	1
अम्बाला	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0

यमुनानगर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
कुरुक्षेत्र	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0
कैथल	0	1	0	0	0	0	2	1	0	0
हिसार	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0
सिरसा	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
भिवानी	4	1	2	1	0	0	0	1	2	0
जीन्द	0	0	0	0	2	0	0	0	0	1
फतेहाबाद	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0
गुडगांव	3	3	4	2	0	5	1	1	2	1
फरीदाबाद	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0

पलवल	0	1	1	0	1	0	0	1	0	0
नारनौल	1	0	0	0	1	0	0	0	0	1
रेवाडी	0	1	0	1	0	0	1	0	0	1
मेवात	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0
रोहतक	0	0	0	1	1	1	0	1	1	0
सोनीपत	0	0	1	1	0	0	2	3	0	2
करनाल	1	0	0	0	1	1	0	0	1	1
पानीपत	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0
झज्जर	0	0	0	0	1	1	1	1	0	0
रेलवे	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0

कुल	13	7	9	9	11	8	9	10	6	9

फिरौती

जिला	अप्रैल 08	मई 08	जून 08	जुलाई 08	अगस्त 08	सितम्बर 08	अक्तुबर 08	नवम्बर 08	दिसम्बर 08	जनवरी 09
पंचकूला	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अम्बाला	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
यमुनानगर	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
कुरुक्षेत्र	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कैथल	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

हिसार	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
सिरसा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
भिवानी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
जीन्द	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
फतेहाबाद	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0
गुडगांव	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
फरीदाबाद	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
पलवल	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
नारनौल	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
रेवाडी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

मेवात	0	0	1	3	0	1	1	1	2	0
रोहतक	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0
सोनीपत	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
करनाल	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
पानीपत	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
झज्जर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
रेलवे	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	0	0	2	0	0	1	1	1	2	0

बलात्कार

माह	पंचकूला	अम्बाला	यमुनानगर	कुरुक्षेत्र	कैथल
अप्रैल 08	न्यायालय मे लंबित 1	भून्य	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 2	भून्य
मई 08	भून्य	न्यायालय मे लंबित 3 बरी 1	न्यायालय मे लंबित 1	भून्य	न्यायालय मे लंबित 4
जून 08	न्यायालय मे लंबित 1	न्यायालय मे लंबित 5 रद्द 1	न्यायालय मे लंबित 6	रदद 1 बरी 1 न्यायालय मे लंबित 4	भून्य
जुलाई 08	न्यायालय मे लंबित 2	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 3 अनुसंधानाधीन 2	भून्य	अनुसंधानाधीन 1
अगस्त 08	न्यायालय मे लंबित 1	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन	चालान 1 अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 3

		1	1		
सितम्बर 08	न्यायालय मे लंबित 1	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 3	अनुसंधानाधीन 3	भून्य	न्यायालय मे लंबित 1
अक्तूबर 08	अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 2	अनुसंधानाधीन 2	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 2
नवम्बर 08	न्यायालय मे लंबित 1	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन 4	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 2	अनुसंधानाधीन 4	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन 1
दिसम्बर 08	अनुसंधानाधीन 1	अनुसंधानाधीन 4	अनुसंधानाधीन 3	अनुसंधानाधीन 1	भून्य
जनवरी 09	अनुसंधानाधीन 1	अनुसंधानाधीन 1	अनुसंधानाधीन 1	अनुसंधानाधीन 2	अनुसंधानाधीन 2

डैकती

माह	पंचकूला	अम्बाला	यमुनानगर	कुरुक्षेत्र	कैथल

अप्रैल 08	भून्य	भून्य	भून्य	न्यायालय मे लंबित 4	भून्य
मई 08	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	न्यायालय मे लंबित 1
जून 08	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
जुलाई 08	भून्य	भून्य	भून्य	अनुसंधानाधीन 1	भून्य
अगस्त 08	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 4	अनुसंधानाधीन 1	भून्य	भून्य	भून्य
सितम्बर 08	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
अक्तूबर 08	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	न्यायालय मे लंबित 2
नवम्बर 08	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	न्यायालय मे लंबित 1

दिसम्बर 08	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
जनवरी 09	अनुसंधानाधीन 1	भून्य	अनुसंधानाधीन 1	भून्य	भून्य

हत्या के केसो की वर्तमान स्थिती (हिसार मण्डल)

माह	हिसार	सिरसा	भिवानी	जींद	फतेहाबाद
अप्रैल 08	न्यायालय मे लंबित 5	न्यायालय मे लंबित 1 रदद 1	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 3	न्यायालय मे लंबित 2
मई 08	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन 3	न्यायालय मे लंबित 3	न्यायालय मे लंबित 6	न्यायालय मे लंबित 2 अदमपता 2	न्यायालय मे लंबित 2
जून 08	न्यायालय मे लंबित 12 अनुसंधानाधीन 3 रदद 1	न्यायालय मे लंबित 7	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 1 रदद 1	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 1	भून्य

जुलाई 08	न्यायालय मे लंबित 6 अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 2	न्यायालय मे लंबित 5 अनुसंधानाधीन 2	न्यायालय मे लंबित 2	न्यायालय मे लंबित 1
अगस्त 08	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 2	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 2	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 5
सितम्बर 08	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 2	न्यायालय मे लंबित 4 अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 5 अनुसंधानाधीन 2 रदद 2	न्यायालय मे लंबित 3 अदमपता 2	न्यायालय मे लंबित 1
अक्तूबर 08	न्यायालय मे लंबित 1	न्यायालय मे लंबित 3 अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 3 रदद 1	न्यायालय मे लंबित 3 अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 2
नवम्बर 08	न्यायालय मे लंबित 4	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन	न्यायालय मे लंबित 3 अनुसंधानाधीन

		3	3	1	1
दिसम्बर 08	भून्य	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन 5	रदद 1 अनुसंधानाधीन 4	अनुसंधानाधीन 7	भून्य
जनवरी 09	अनुसंधानाधीन 1	अनुसंधानाधीन 1	अनुसंधानाधीन 3	अनुसंधानाधीन 3	अनुसंधानाधीन 1

बलात्कार

माह	हिसार	सिरसा	भिवानी	जींद	फतेहाबाद
अप्रैल 08	रदद 1	न्यायालय मे लंबित 1	न्यायालय मे लंबित 1 बरी 1	रदद 2	न्यायालय मे लंबित 1 बरी 1
मई 08	न्यायालय मे लंबित 3 रदद 1	न्यायालय मे लंबित 2	न्यायालय मे लंबित 2 बरी 1	न्यायालय मे लंबित 2 रदद 1	भून्य
जून 08	न्यायालय मे लंबित 2	न्यायालय मे लंबित 2	न्यायालय मे लंबित 3 बरी 1	रदद 3 अनुसंधानाधीन 2	न्यायालय मे लंबित 1

			रदद 1		
जुलाई 08	न्यायालय मे लंबित 3	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 1 रदद 1	न्यायालय मे लंबित 5 अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 5 रदद 1	न्यायालय मे लंबित 1
अगस्त 08	न्यायालय मे लंबित 3	न्यायालय मे लंबित 4 अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 3 अनुसंधानाधीन 2	न्यायालय मे लंबित 4 रदद 1	न्यायालय मे लंबित 1 रदद 1
सितम्बर 08	न्यायालय मे लंबित 1 रदद 1	न्यायालय मे लंबित 3	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 1 रदद 1	न्यायालय मे लंबित 2	भून्य
अक्तूबर 08	न्यायालय मे लंबित 1	न्यायालय मे लंबित 2	न्यायालय मे लंबित 1	न्यायालय मे लंबित 4 रदद 1	न्यायालय मे लंबित 2
नवम्बर 08	भून्य	अनुसंधानाधीन 3	न्यायालय मे लंबित 1	न्यायालय मे लंबित 1	भून्य

दिसम्बर 08	अनुसंधानाधीन 1	अनुसंधानाधीन 2	अनुसंधानाधीन 1	भून्य	भून्य
जनवरी 09	अनुसंधानाधीन 1	अनुसंधानाधीन 1	अनुसंधानाधीन 6	अनुसंधानाधीन 3	अनुसंधानाधीन 1

डकैती

माह	हिसार	सिरसा	भिवानी	जींद	फतेहाबाद
अप्रैल 08	भून्य	भून्य	न्यायालय मे लंबित 3 अनुसंधानाधीन 1	भून्य	भून्य
मई 08	भून्य	भून्य	न्यायालय मे लंबित 1	भून्य	भून्य
जून 08	भून्य	भून्य	न्यायालय मे लंबित 1	भून्य	भून्य
जुलाई 08	भून्य	न्यायालय मे लंबित 1	न्यायालय मे लंबित 1	भून्य	न्यायालय मे लंबित 1

अगस्त 08	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
सितम्बर 08	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
अक्तूबर 08	न्यायालय मे लंबित 1	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
नवम्बर 08	भून्य	भून्य	न्यायालय मे लंबित 1	भून्य	भून्य
दिसम्बर 08	भून्य	भून्य	न्यायालय मे लंबित 2	भून्य	भून्य
जनवरी 09	भून्य	भून्य	भून्य	अनुसंधानाधीन 1	भून्य

हत्या के केसो की वर्तमान स्थिती (फरीदाबाद मण्डल)

माह	फरीदाबाद	पलवल	नारनौल	रिवाडी	मेवात
अप्रैल 08	न्यायालय मे लंबित 3 रदद 1	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन 1 अदमपता 1	न्यायालय मे लंबित 3 अनुसंधानाधीन 1 रदद 1	न्यायालय मे लंबित 2	भून्य

मई 08	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 2	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 2	न्यायालय मे लंबित 2	न्यायालय मे लंबित 1	न्यायालय मे लंबित 1
जून 08	न्यायालय मे लंबित 4	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन 3	न्यायालय मे लंबित 2 बरी 1
जुलाई 08	न्यायालय मे लंबित 11 अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 1 रदद 1	न्यायालय मे लंबित 1 रदद 2	न्यायालय मे लंबित 1	न्यायालय मे लंबित 1
अगस्त 08	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 3 अदमपता 1	न्यायालय मे लंबित 4 अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 3 अनुसंधानाधीन 2	न्यायालय मे लंबित 1	रदद 1
सितम्बर 08	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 3	न्यायालय मे लंबित 3	न्यायालय मे लंबित 2	न्यायालय मे लंबित 2	भन्यायालय मे लंबित 3

अक्तूबर 08	न्यायालय मे लंबित 4 अनुसंधानाधीन 3 अदमपता 1	न्यायालय मे लंबित 3	न्यायालय मे लंबित 2	अनुसंधानाधीन 2	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन 1
नवम्बर 08	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन 2	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 3	न्यायालय मे लंबित 2	न्यायालय मे लंबित 4 अनुसंधानाधीन 3	अनुसंधानाधीन 2
दिसम्बर 08	अनुसंधानाधीन 1	अनुसंधानाधीन 2	अनुसंधानाधीन 1	भून्य	भून्य
जनवरी 09	अनुसंधानाधीन 1	अनुसंधानाधीन 1	अनुसंधानाधीन 6	अनुसंधानाधीन 3	अनुसंधानाधीन 1

हत्या के केसो की वर्तमान स्थिती (पुलिस आयुक्त गुडगांव तथा रेलवे)

माह	**पुलिस आयुक्त गुडगांव**	**रेलवे**
अप्रैल 08	न्यायालय मे लंबित 1	न्यायालय मे लंबित 1
मई	न्यायालय मे लंबित 4	न्यायालय मे लंबित 2

08	अनुसंधानाधीन 4 अदमपता 2	रदद 1
जून 08	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 1 रदद 1
जुलाई 08	न्यायालय मे लंबित 3 अनुसंधानाधीन 3	रदद 1
अगस्त 08	न्यायालय मे लंबित 8 अनुसंधानाधीन 4	अदमपता 3 रदद 1
सितम्बर 08	न्यायालय मे लंबित 2	अदमपता 2
अक्तूबर 08	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 7 रदद 1	अदमपता 3
नवम्बर 08	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन 6	अदमपता 3 अनुसंधानाधीन 1

दिसम्बर 08	अनुसंधानाधीन 6	भून्य
जनवरी 09	अनुसंधानाधीन 3	अनुसंधानाधीन 2

बलात्कार

माह	**पुलिस आयुक्त गुडगांव**	**रेलवे**
अप्रैल 08	न्यायालय मे लंबित 6	न्यायालय मे लंबित 1
मई 08	भून्य	न्यायालय मे लंबित 1
जून 08	न्यायालय मे लंबित 3 अनुसंधानाधीन 1	भून्य
जुलाई 08	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 3	भून्य
अगस्त 08	न्यायालय मे लंबित 7 अनुसंधानाधीन 4	भून्य
सितम्बर 08	न्यायालय मे लंबित 5 अनुसंधानाधीन 1	भून्य

अक्तूबर 08	न्यायालय मे लंबित 2 अनुसंधानाधीन 1	न्यायालय मे लंबित 1
नवम्बर 08	अनुसंधानाधीन 1	भून्य
दिसम्बर 08	अनुसंधानाधीन 2	भून्य
जनवरी 09	अनुसंधानाधीन 2	भून्य

डकैती

माह	**पुलिस आयुक्त गुडगांव**	**रेलवे**
अप्रैल 08	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन 1 अदमपता 1	भून्य
मई 08	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन 1	भून्य
जून 08	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन 2 अदमपता 1	भून्य

जुलाई 08	अनुसंधानाधीन 2	भून्य
अगस्त 08	न्यायालय मे लंबित 1 अनुसंधानाधीन 1	भून्य
सितम्बर 08	न्यायालय मे लंबित 3 अनुसंधानाधीन 1	भून्य
अक्तूबर 08	न्यायालय मे लंबित 1	भून्य
नवम्बर 08	अनुसंधानाधीन 1	अदमपता 1 अनुसंधानाधीन 2
दिसम्बर 08	अनुसंधानाधीन 2	भून्य
जनवरी 09	अनुसंधानाधीन 1	भून्य

फिरौती

अक्तूबर 08	अनुसंधानाधीन 1	भून्य
नवम्बर 08	रदद 1	

Posting of Doctors

150. Shri Naresh Yadav: Will the Health Minister be pleased to state whether it is a fact that no doctor has been posted in the Community Health Cente Nangal Chaudhary?

स्वास्थय मंत्री (बहिन करतार देवी): श्रीमान् जी,

जी नहीं सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र, नांगल चौधरी मे 3 डाक्टर नियुक्त है।

Junior Lecturers and Masters Working in SSA

146. Sh Karan Singh Dalal: Will the Education Minister be pleased to state the district wise number of Junior Lecturers of Science faculty subject wise and the number of Science and Mathematics Masters working in SSA during the current academic session of 2008-09?

ि ाक्षा मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): इस प्र न का उतर निम्न प्रकार से है:–

(क) राज्य मे वर्तमान भौक्षिक सत्र 2008–09 मे 31.5.08 की स्थिती अनुसार तक 82 विज्ञान स्कूला प्राध्यापक सर्व ि ाक्षा अभियान के अन्तर्गत पूणकालीन कार्यरत थे, जिनका जिलावार। ब्यौरा निम्न प्रकार से है:–

क्रम सं0	मुख्यालय जिला	संख्या	विशय		
			भौतिक	रसायन	जीव

			विज्ञान	विज्ञान	विज्ञान
1	मुख्यालय चण्डीगढ	1	1		
2	अम्बाला	7		1	6
3	भिवानी	2		1	1
4	फरीदाबाद	7	3	3	1
5	फतेहाबाद	1			1
6	गुडगांव	1			1
7	हिसार	8		2	6
8	झज्जर	4	1		3
9	जींद	1			1
10	करनाल	9		1	8
11	कुरुक्षेत्र	6		1	5
12	कैथल				
13	मेवात				
14	महेन्द्रगढ	2			2

15	पंचकूला	3	2		1
16	पानीपत				
17	रिवाडी	2			2
18	रोहतक	17	2	4	11
19	सोनीपत	6	1	1	4
20	सिरसा	5		1	4
21	यमुनानगर				
	कुल	**82**	**10**	**15**	**57**

(ख) वर्तमान भौक्षिक सत्र 2008–09 मे 31.5.08 की स्थिती अनुसार तक सर्व ि ाक्षा अभियान के अन्तर्गत 35 विज्ञान अध्यापक तथा 65 गणित अध्यापक पूणकालीन कार्यरत थे/है, जिनका जिलावार ब्यौरा निम्न प्रकार से है:–

कम सं0	मुख्यालय जिला	विशय	
		साईंस	गणित
1	मुख्यालय चण्डीगढ		1

2	अम्बाला		3
3	भिवानी	5	14
4	फरीदाबाद	2	1
5	फतेहाबाद		
6	गुडगांव		1
7	हिसार	5	5
8	झज्जर	1	5
9	जींद	6	3
10	करनाल		
11	कुरुक्षेत्र		4
12	कैथल	2	3
13	मेवात		3
14	महेन्द्रगढ	5	6
15	पंचकूला		3
16	पानीपत		

17	रिवाडी		5
18	रोहतक	4	5
19	सोनीपत	1	
20	सिरसा	4	3
21	यमुनानगर		
	कुल	**35**	**65**

(ग) राज्य सरकार के निर्णय अनुसार ए0 बी0 आर0 सी0 के रुप में कार्यरत सभी प्राध्यापको, अध्यापको को उनके मूल संवर्ग मे नियुक्ति के लिए आयुक्त एवं महानिदे ाक, ि ाक्षा हरियाणा को लिखा गया है।

Opening of PHCs

151 Sh Naresh Yadav: Will the Health Minister be pleased to state:-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Primary Health Centre in the villages Backhood and Kanti in district Mahendragarh: and

(b) if so, the time by which the above said Primary Health Centres are likely to be opened?

स्वास्थय मंत्री (बहिन करतार देवी):

(क) हा श्रीमान् जी, उप स्वास्थय केन्द्र कांटी का दर्जा बढा कर प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र करना प्रस्तावित है। बाछौद मे प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र पहले से कार्यरत है।

(ख) समय सीमा नही दी जा सकती।

Posts Lying vacant in DHBVN

139. Dr. Sita Ram: Will the Power Minister be pleased to state:

(a) the total number of posts of technical staff like JE's, Lineman etc, and non technical staff like clerk, sweepers, chowkidar etc. in DHBVN Haryana together with the number of posts lying vacant and since when; and

(b) the total number of posts lying vacant in the said Nigam in Sirsa District; together with the time by which the such vacant posts are likely to be filled up?

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिह सुरजेवाला):

श्रीमान्, विवरण माननीय सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

(ए) कुल स्वीकृत पद तथा द0 ह0 बि0 वि0 नि0 के अन्तर्गत खाली पदो को द र्ाने वाला विवरणः–

द0ह0बि0वि0नि0 के अन्तर्गत तकनीकी स्टाफ जैसे जे0 ई0, ए0 एफ0 एम0, एल0 एम0, तथा नानॅ टैक्नीकल स्टाफ जैसे

लिपिक, सफाई कर्मचारी, चौकीदार के कुल स्वीकृत पदो की संख्या तथा खाली पडे पदो का ब्यौरा निम्न प्रकार है:–

क्र सं0	पद का नाम	स्वीकृत पदो की संख्या	31.12. 2008 को कार्यरत	खाली पद
1	सहायक भण्डार अधिकारी	5	1	4
2	एच एस के	4	3	1
3	स्टोर कीपर	10	12	2
4	स्टोर मु ी	15	8	7
5	स्टोर वेरीफायर	1		1
6	सी डी एम	3	3	
7	सी एच डी	8	8	
8	एच डी एम	37	36	1
9	ड्राफ्ट मैन	88	48	40
10	जे0 ई0 सिविल	24	21	3
11	जे ई 1	118	83	35

12	जे0 ई0	371	262	109
13	फौरमैन	3		3
14	ए एफ एम	645	386	259
15	लाईनमैन	2504	2287	217
16	ए एल एम	6042	2676	3366
17	केबल ज्वाईन्टर	1		1
18	एम एम ए	232	212	20
19	ए एस एस ए	472	405	67
20	एस ए	448	191	257
21	उपकरण मिस्त्री	1		1
22	वरिश्ठ लैब अटैन्डैंट	16	15	1
23	वरिश्ठ टैक्नीि ायन	1		1
24	इलैक्ट्रि ीयन	2	1	1
25	टैक्नीि ायन ग्रेड 1	10		10
26	टैक्नीि ायन ग्रेड 2	4		4

27	हैल्पर ग्रेड 2	42		42
28	लैब सहायक	6	6	
29	मेसन	1		1
30	कारपेन्टर	4	2	2
31	लैब अटैंडैंट	25	22	3
	योग	**11143**	**6688**	**4455**

तकनीकी श्रेणी–IV

1	स्टोर अटेन्डैंट	94	30	64
2	वर्क मेट/ टी– मेट	50	44	6
3	हैल्पर ग्रेड 1	23		23
4	कु ाल हैल्पर	7	5	2
5	पलम्बर पाईप फिटर	2	2	
	योग	**176**	**81**	**95**

गैर तकनीकी श्रेणी–III

1	अनुभाग अधिकारी	25	10	15

2	डिवीजनल अकाउंटैंट रैवेन्यू आडिटर	103	48	55
3	सर्कल अधीक्षक	8	8	
4	उप अधीक्षक	5	5	
5	सहायक मुख्यालय	63	62	1
6	हैड क्लर्क	34	22	12
7	सर्कल सहायक	15	13	2
8	वाणिज्यिक सहायक / सहायक लेखापाल	119	115	4
9	उच्च श्रेणी लिपिक (मुख्यालय)	59	47	12
10	उच्च श्रेणी लिपिक (फिल्ड)	577	253	324
11	निम्न श्रेणी लिपिक (मुख्यालय)	67	49	18
12	उच्च श्रेणी लिपिक (फिल्ड)	1144	810	334

13	मीटर रीडर	530	381	149
14	हैड मिस्ट्रस	1	1	
15	बी एड अध्यापक	6	1	5
16	जे बी टी अध्यापक	13	9	4
17	पी टी आई	1		1
18	मेट्रन/नर्स	1	1	
19	डी एम ए	1	1	2
20	पम्प डाईवर	8	6	2
21	केन ड्राईवर			
22	डाईवर (मुख्यालय)	6		6
23	डाईवर (फिल्ड)	18	18	
24	वर्क सुपरवाईजर	264	181	83
25	निजी सहायक	3	2	
26	वरिश्ठ आ ुलिपिक	13	13	
27	कनिश्ठ आ ूलिपिक	19	19	

28	आ ुटंकक	73	32	41
29	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर	21	6	15
30	हिन्दी अनुवादक	18		18
31	कनिश्ठ फोटोग्राफर	2	2	
32	सुरक्षा अधिकारी	1		1
33	सुरक्षा हवलदार	3	1	2
34	चौकसी निरीक्षक	13	6	7
35	उप निरीक्षक	6	1	5
36	ए एस आई	7	1	6
37	मुख्य सिपाही	3	7	4
38	सिपाही	9	11	2
39	फार्मासिस्ट	15	10	5
40	रेस्टारर	12	7	5
41	कलचर सहायक		3	3
42	पब्लिसीटी काआर्डिनेटर			

43	लैब टेक्नि ीयन (स्वास्थय)	3	1	
44	वरिश्ठ फार्मासिस्ट			2
	योग	**3289**	**2163**	**1126**

गैर तकनीकी श्रेणी–IV

1	बिल वितरक	367	145	222
2	हवलदार (मुख्यालय)	13	13	
3	हवलदार (फिल्ड)	8	5	3
4	दफ्तरी (फिल्ड)	7	2	5
5	मुख्य सफाई कर्मचारी	1	1	
6	सफाई कर्मचारी	57	54	3
7	संदे ावाहक	118	115	3
8	संदे ावाहक (फिल्उ)	346	303	43
9	संदे ावाहक कम मेड	4	4	
10	सफाई कर्मचारी कम चौकीदार	2		2

11	चौकीदार	208	127	81
12	सिवर मैन	14	4	10
13	साहयक पम्प ड्राईवर	11	3	8
14	माली	48	42	6
15	वा ार मैन	1	1	8
16	क्लीनर	15	7	
17	कूक	2	2	3
18	चौकीदार कम कूक	6	3	83
19	सुरक्षा गार्ड	94	11	
20	अटैन्डैंट	1	1	
	योग	**1323**	**843**	**480**

(मुख्य सारां ा)

1	तकनीकी (श्रेणी III)	11143	6688	4455
2	तकनीकी श्रेणी IV	176	81	95
3	गैर तकनीकी श्रेणी III	3289	2163	1126

4	गैर तकनीकी श्रेणी IV	1323	843	480
	योग	**15931**	**9775**	**6156**

कर्मचारियो की विभिन्न श्रेणीयो की पदोन्नति /सेवानिवृति/ मृत्यु के कारण खाली हुए पदो को सीधी भर्ती या निम्न पदो से पदोन्नति द्वारा भरा जा रहा है। यह एक लगातार प्रकिया है।

(बी) उक्त निगम के जिला सिरसा मे पडे खाली पदो की संख्या निम्न प्रकार है:–

कम संख्या	**पद का नाम**	**स्वीकृत पदो की संख्या**	**खाली पद**
1	सहायक कार्यकारी अभियन्ता/ सहायक अभियन्ता	14	9
2	जे ई/ जे ई 1 विधुत		
3	जे ई/ सिविल	40	1
4	ए एफ एम	2	5

5	एस एस ए	64	4
6	ए एस एस ए	38	1
7	एस ए	41	39
8	लाइनमैन	60	27
9	ए एल एम	249	460
10	सर्कल सहायक	681	1
11	वाणिज्यिक सहायक	2	5
12	कनश्ठि आ ुलिपि	14	2
13	उच्च श्रेणी लिपिक	4	39
14	निम्न श्रेणी लिपिक (कै ा)	56	34
15	निम्न श्रेणी लिपिक	44	26
16	मीटर रीडर	87	23
17	ड्राफ्ट मैन	51	2
18	ड्राईवर	8	12
19	ए पी डी	34	3

20	चौकीदार	4	9
21	दफ्तरी	32	1
22	बिल वितरक	1	26
23	सफाई कर्मचारी	45	6
24	सिवरमैन	3	1
	योग	**1616**	**736**

उपरोक्त खाली पदो को अगले वित्तीय वर्श के दौरान अर्थात् वित्तीय वर्श 2009–10 के अन्त तक खाली पदो को भरने के लिए प्रयत्न किए जा रहे है।

निम्नलिखित पदो को भरने के लिए मांग हरियाणा स्टाफ सिलैक ान कमी ान को भेज दी गई है जिसका ब्यौरा निम्न प्रकार है।

क सं0	**पद का ना**	**मांगे गए पदो की संख्या**
1	ए एल एम	1000
2	एस ए	100
3	यू डी सी	66

4	एल डी सी	142
5	लेखापाल	20
6	जे ई (ई)	100
7	ए ई (ई)	63
8	कम्पनी सचिव	1

Number of Recognized Private Senior Secondary Schools

147. Sh Karan Singh Dalal: Will the Education Minsiter be pleased to state the districtwise number of recognized private Senior Secondayr Schools in the state in Rural and Urban area separately in which Science faculty Medical and Non-Medical or both is being run during the current academic academic session 2008-09 alongwith the number of students enrolled in +1 and +2 in the above faculties?

ि ाक्षा मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): श्रीमान् जी, अपेक्षित सूचना निम्न प्रकार से है:–

जिला	निजी मान्यता प्रापत ग्रामीण तथा भाहरी क्षेत्र मे पृथक पृथक वरिश्ठ माध्यमिक विद्यालयो की संख्या जिनमे वर्तमान	वर्श 2008–09 के दौरान चलाई जा रही संकाय की वर्तमान स्थिती	वर्तमान भौक्षणिक सत्र 2008–09 मे पंजीकृत

	भौक्षणिक सत्र 2008–09 मे विज्ञान संकाय चल रहा है।					दाखिल छात्रो की संख्या	
	ग्रामीण	भाहरी	मैडीकल	नानॅ मैडीकल	दोनो	10+1	10+2
अम्बाला	0	11	0	8	3	651	556
भिवानी	23	5	2	13	13	940	746
फरीदाबाद	2	22	0	15	9	1777	1682
फतेहाबाद	1	3	0	0	4	204	137
गुडगांव	7	4	0	10	1	605	500
हिसार	0	9	0	4	5	471	294
जींद	4	14	0	2	16	1880	1493
झज्जर	3	8	0	8	3	235	185
करनाल	7	4	0	10	1	288	193
कुरुक्षेत्र	2	6	0	6	2	413	303
कैथल	2	13	6	4	5	1011	1083

मेवात	0	0	0	0	0	0	0
नारनौल	5	7	0	6	6	614	458
पानीपत	9	5	0	6	8	1012	885
पंचकूला	0	2	0	0	2	30	41
रोहतक	7	10	0	7	10	872	932
रेवाडी	22	2	0	14	10	981	771
सोनीपत	10	18	0	15	13	1311	1216
सिरसा	5	10	0	4	11	370	282
यमुनानगर	2	11	0	7	6	1069	909

Persons who got Benefit undr Ladli Yojana

143. Sh Naresh Yadav: Will the Women $ Child Development Minister be pleased to state the number of persons who got benefit under Ladli Yojana during the period from 2005 to 2008 together with the number of girls who have been provided the amount of marriage Shagun at the time of their marriage along with the date wise details thereof

स्वास्थय मंत्री (बहिन करतार देवी): श्रीमान् जी, वर्श 2005 से 2008 तसक की समय अवधि के दौरान लाडली योजना के अन्तर्गत 66423 व्यक्तियो/लडकियो को लाभ प्रदान किया

गया। लाडली योजना के अन्तर्गत विवाह भागुन का प्रावधान नही है।

Upgradation of Schools

140. Dr Sita Ram: Will the Education Minister be pleased to state the constituenty wise total number of schools upgraded from Middle to High School and High school to Senior Secondary School in the financial year 2008-09?

ि ाक्षा मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): श्रीमान जी, वित्ती वर्श 2008–09 मे माध्यमिक विद्यालय से उच्च विद्यालय एवं उच्च विद्यालय से वरिश्ठ माध्यमिक विद्यालय मे सत्रोन्नत किए गए कुल सरकारी विद्यालयो की निर्वाचन क्षेत्रवार स्थिती निम्नलिखित है:–

कम सं0	**विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र**	**स्तरोन्नत किए गए स्कूल**		
		माध्यमिक से उच्च	उच्च से वरिश्ठ माध्यमिक	कुल
1	अम्बाला भाहर	0	0	0
2	मुलाना	0	1	1
3	नारायण गढ	0	0	0

4	नग्गल	0	4	4
5	अम्बाला छावनी	0	0	0
6	दादरी	1	0	1
7	लोहारु	0	0	0
8	मुढाल खुर्द	0	2	2
9	बवानी खेडा	0	0	0
10	तो ाम	0	1	1
11	भिवानी	0	0	0
12	बाढडा	0	0	0
13	वल्लभगढ	0	0	0
14	मेवला महाराजपुर	0	0	0
15	फरीदाबाद	0	0	0
16	पलवल	0	1	1
17	हसनपुर	0	0	0
18	हथीन	0	0	0

19	फतेहाबाद	2	2	4
20	रतिया	0	1	1
21	टोहाना	0	1	1
22	भटटूकलां	1	0	1
23	नूहं	0	0	0
24	तावडू	0	0	0
25	फिरोजपुर झिरका	0	0	0
26	गुउगांव	0	0	0
27	सोहना	0	0	0
28	पटौदी	1	0	1
29	हिसार	0	0	0
30	आदमपुर	0	0	0
31	धिराय	1	0	1
32	नारनौंद	0	2	2
33	हांसी	0	1	1

34	बरवाला	0	0	0
35	बादली	0	1	1
36	साल्हावास	2	1	3
37	बेरी	0	4	4
38	झज्जर	0	2	2
39	बहादुरगढ	0	1	1
40	जुलाना	2	3	5
41	उचाना कलां	0	0	0
42	सफीदो	1	1	2
43	जींद	0	2	2
44	नरवाना	0	0	0
45	कलायत	0	0	0
46	राजौंद	2	1	3
47	गुहला	2	2	4
48	पुंडरी	0	0	0

49	कैथल	0	1	1
50	पाई	0	3	3
51	असंध	1	0	1
52	नीलोखेडी	0	1	1
53	इन्द्री	1	2	3
54	घरौंदा	0	0	0
55	करनाल	0	0	0
56	जुडला	0	2	2
57	पेहवा	1	2	3
58	भााहबाद	2	2	4
59	थानेसर	0	0	0
60	अटेली	0	0	0
61	नारनौल	0	0	0
62	महेन्द्रगढ	0	1	1
63	कालका	0	0	0

64	समालखा	4	2	6
65	पानीपत	0	0	0
66	नौलथा	2	4	6
67	जाटूसाना	0	0	0
68	रेवाडी	0	1	1
69	बावल	0	1	1
70	हसनगढ	3	3	6
71	रोहतक	0	0	0
72	कलानौर	1	0	1
73	महम	4	5	9
74	किलोई	0	3	3
75	ऐलनाबाद	0	0	0
76	सिरसा	0	0	0
77	डबवाली	0	0	0
78	दडबाकलां	0	1	1

79	रोडी	0	0	0
80	बरौदा	0	0	0
81	सोनीपत	0	0	0
82	राई	0	0	0
83	गोहाना	1	0	1
84	कैलाना	1	1	2
85	रोहट	0	3	3
86	यमुनानगर	0	0	0
87	रादौर	0	0	0
88	सढौरा	0	1	1
89	छछरौली	1	1	2
90	जगाधरी	0	1	1
91	**कुल**	**37**	**75**	**112**

निंदा प्रस्ताव/ उसका वापिस लेना

15:00 बजे

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैने और हमारे साथियो ने एक निंदा प्रस्ताव आपकी सेवा मे भेजा है। (विघ्न)

Mr Speaker: Hon'ble Member, Please maintain silence.

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, इस सदन की मर्यादा होती है कि पहले दिन जब सदन बैठता है कि उस दिन सदन के अन्दर देष और हमारे प्रदे ा की जो बडी हस्तियां दुर्धटनाओ मे या आकस्मिक निधन से हमें हमे ाा के लिए छोडकर चली जाती है उनके बारे मे भाोक प्रस्ताव इस सदन मे पारित किया जाता है। अध्यक्ष महोदय, बडे दुख की बात है कि पहली मर्तबा इस हरियाणा की विधानसभा मे इस मर्यादा से हटकर इस सदन के कई माननीय सदस्यो ने जानबझ कर एक ऐसा बर्ताव किया जिसकी हमें निंदा करनी चाहिए। जब छह तारीख को यह सदन इस दे ा की महान विभूतियो को श्रद्धासुमन अर्पित कर रहा ाि जिसमे हमारे दे ा के पूर्व राश्ट्रपति श्री आर वैंकेटरमन, पूर्व प्रधान मंत्री श्री वि वनाथ प्रताप सिह और हमारे ही अपने प्रदे ा के बहुत बडे महान सपूत जो संविधान सभा के आखिरी जीवित सदस्य बचे थे वे भी हमें छोडकर चले गये है। उस वक्त हमारे कई माननीय सदस्यो ने लिखित प्रस्ताव भेजा। मुम्बई के अंदर जो निर्दोश लोगों की हत्या हुई और असम इत्यादि मे कई बम विस्फोट की घटनाएं हुई, मर्यादा के मुताबिक यह सदन हमे ाा दिवंगतो को श्रद्धासुमन अपति करता है। अध्यक्ष महोदय, यकीन

नही आता कि छह फरवरी को किस तरीके से इस सदन के अंदर हरियाणा के पूर्व प्रधानमंत्री श्री औम प्रका ा चौटाला जी व दूसरे पूर्व मुख्यमंत्री भजन लाल जी वापस चले गए। इससे जाहिर होता है कि या तो वे मात्र टी ए डी ए के बारे मे सोचकर यहां आए और औम प्रका ा चौटाला जी और उनकी पार्टी के सभी माननीय सदस्य जो कि राज्यपाल के अभिभाशण के वक्त यहां मौजूदा थे और जब उसके बाद अध्यक्ष महोदय ने अपने सदन को आधे घण्टे के बाद दोबारा इकटठा होने की इजाजत दी क्योंकि भाोक प्रस्ताव पर चर्चा होनी थी। उस मौके पर हमारे विपक्ष के ये साथी यहां सदन मे मौजूदा नही थे। अध्यक्ष महोदय, यह हम सबके लिए भार्म की बात है और हरियाणा प्रदे ा की जनता ने भी इस बात का बहुत बुरा माना है कि चौटाला जी और उनकी पार्टी के सदस्यो को व भजन लाल जी को ऐसा क्या हो गया था कि चौटाला जी और उनकी पार्टी के सदसयो को व भजन लाल जी को ऐसा क्या हो गया था कि एक तरफ चौधरी रणबीर सिह जी जैसी बडी हस्ती जो संयुक्त पंजाब मे मंत्री रहे, हरियाणा मे भी मंत्री रहे, भाखडा जैसे महत्वपूर्ण डैम का जिनकी निगरानी मे निर्माण हुआ, जिनके समय मे गुडगांव कैनाल बनी, जो संविधान सभा के सदस्य रहे। अध्यक्ष महोदय, वे लाकसभा और राज्यसभा के भी सदस्य रहे और वे इस सदन के नेता चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुडडा जी के पिता भी थे। अध्यक्ष महोदय, यह हमारी सभ्यता है कि बुजुर्गो मे और दे ा की सभ्यता मे सकबा सांझा अधिकार होता है। बुजुर्ग के प्रति हर किसी की इज्जत का सवाल होता है। श्री औम प्रका ा चौटाला

जी और इनकी पार्टी के सदस्यो ने एक दुर्भावना से बीमार मानसिकता का परिचय दिया है और इस तरह की दुर्भावना के कारण ये जान बुझकर सदन मे नही आये। उस दिन दे ा की महान विभूतियो को ये श्रद्धांजलि नही देना चाहते थे। अध्यक्ष महोदय, जिन लोगों ने इन माननीय सदस्यो को चुनकर भेजा है उन लोगों का इन्होने अपमान किया है। विधान सभा मे ये सदस्य जिन क्षेत्रो से चुनकर आये है उन क्षेत्रो के लोगों को यह उम्मीद होता है कि उनके नुमायंदे दे ा की महान विभूतियो को उनके इलाके के लोगों की तरफ से सदन मे श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। अध्यक्ष महोदय, श्री वी पी सिंह जी को श्रद्धांजलि देने के लिए तो श्री औम प्रका ा चौटाला जी को सदन मे आना चाहिए था क्योंकि जब वे दे ा के प्रधानमंत्री बने तो उन्होने उनकी पार्टी के छह संसद सदस्यो को केन्द्र मे मंत्री बनाया था। उन्होने उस समय स्वर्गीय चौधरी देवी लाल जी को उप प्रधान मंत्री बनाया था और श्री औम प्रका ा चौटाला जैसे इन्सान को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया था इसलिए उनको तो श्री वी पी सिंह जी के भाोक प्रस्ताव मे भाामिल होना चाहिए था।

डा0 सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य कम से कम भाब्दो का इस्तेमाल तो ठीक रुप में करें आखिर यह सदन है इसमे ठीक भाब्दो का इस्तेमाल होना चाहिए।

श्री अध्यक्षः ठीक है, डा0 इन्दौरा जी, अब आप बैठ जाईये। बात तो हो गई है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के मुख्यमंत्री चौधरी भुपेन्द्र सिह हुडडा जी के जो पिताश्री थे वे हरियाणा के लिए ही नही बल्कि दे ा के लिए एक बहुत बडी हस्ती थे जो हमें छोडकर चले गये। उनके भाोक प्रस्ताव पर इस सदन मे चर्चा हुई। अध्यक्ष महोदय, इन्होने तो यह भी याद नही रखा कि जब स्वर्गीय चौधरी देवी लाल जी का निधन हुआ तब अध्यक्ष महोदय आप मै ओर हमारे मुख्यमंत्री जी इस सदन के सदस्य हुआ करते थे ओर चौटाला जी की सरकार हुआ करती थी। उनको अपना बुजुर्ग मानकर उनके अच्छे कामो को याद किया था और हर तरीके से हमने उनको श्रद्धासुमन अर्पित किए थे। अध्यक्ष महोदय, यही नही अगर आपको याद हो तो कांग्रेस पार्टी ने चौटाला जी के कु ाासन के खिलाफ चौधरी देवी लाल जी क निधन से पहले पानीपत मे एक बहुत बडी ललकार रैली रखी हुई थी। जब चौधरी देवी लाल जी का निधन हुआ तब हमारे जो आज मुख्यमंत्री है उन्होने बडप्पन दिखाते हुए उस ललकार रैली को पोस्टपोन कर दिया था ओर कहा था कि हमारे बुजुर्ग हमें हमे ाा के लिए छोडकर चले गये। उनको बुजुर्ग मानकर उन्होने उनको श्रद्धासुमन अर्पित किये थे। स्वर्गीय चौ0 देवी लाल जी हमारे मुख्यमंत्री जी के खिलाफ रोहतक से चुनाव लडा करते थे, चुनाव जीतने के लिए सारे हथकण्डे अपनाया करते थे और हर तरीके का उत्पीडन किया करते थे। इस अवसर पर हमारे विपक्ष के साथी अपनी छोटी मानसिकता को छिपा नही सके। अध्यक्ष महोदय, पर हमारे विपक्ष के साथी तो अपनी छोटी मानसिकता को छिपा नही

सके। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब खुद तो चले गये साथ मे अपनी पार्टी के सदस्यो को भी डरा धमकाकर अपने साथ ले गये। इनमे से किसी सदस्य की इतनी हिममत नही हुई कि भाोक प्रस्ताव मे हिस्सा लें। अध्यक्ष महोदय, मै 18 साल से इस सदन का विधायक बन कर आ रहा हूं कई सरकारे मैने देखी है लेकिन इस विधान सभा मे इस प्रकार की घटना भाायद इस सदन मे पहले कभी नही हुई। अध्यक्ष महोदय, इस मामले को सही मायने मे प्रिविलेज कमेटी को दिया जाना चाहिए कि किस तरीके से दुर्भावना दिखाकर इन माननीय सदस्यो ने गैर जिम्मेदारी का परिचय दिया है और इस सदन की अवमानना की है। राजनीति मे विधायक आते है ओर चले जाते है, मुख्यमंत्री बनते है और चले जाते है, लेकिन जिन्होने इस दे ा की सेवा की, जिन्होने इस दे ा के अंदर इतने बडे ओहदे प्राप्त करके लाखो करोडो लोगों का भला किया अगर उनके बारे मे इस तरह की बात होती है तो ऐसे सदस्यो के खिलाफ अवमानना का एक मामला अलग से बनता है। ऐसे लोगों की तो सदस्यता तक समाप्त कर देनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इनको सामने बुलाकर एडमोनि ा करना चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

डा सीता रामः **********

श्री अध्यक्षः सीता राम जी, जो भी बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, इन्होने एक बीमार मानसिकता का परिचय दिया है, अपाहिज मानसिकता का परिचय दिया है। अध्यक्ष महोदय, अगर सदन मे आप इनके प्रति कोई कार्यवाही नही करेंगे तो ठीक नही होगा क्योंकि हरियाणा के लोगों के मन मे इनके रवैये के प्रति दु,ख आया है और लोगों मे इनकी साख गिरी है। लोगों ने देखा है कि सदन के अंदर ऐसे लोग पहुंच गए है जो हमारे बुजुर्गो और हमारे पूर्वजो के प्रति इस तरीके का अ ाौभनीय व्यवहार कर रहे है? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप अ ाोभनीय या निंदनीय क्या कहना चाहते है?

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महोदय, यह एक निंदा प्रस्ताव है इसलिए इसको निंदा प्रस्ताव ही मानना चाहिए। अगर आप इजाजत दे तो इनके व्यवहार के बेसिज पर इनके खिलाफ प्रिवीलेज मो ान भी आना चाहिए ओर आपको इनके खिलाफ सुओ मोटो एक ान लेना चाहिए और इनको एडमोनि ा करना चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान) इनको सिखाया जाए कि सदन मे किस तरीके से मर्यादा का पालन करना चाहिए। इन लोगों को हरियाणा के बुजुर्गो के प्रति और दे ा के बुजुर्गो के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करने चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रामकुमार गौतमः अध्यक्ष महोदय, ********** (ाोर)

डा सीता रामः अध्यक्ष महोदय, **********(ाोर)

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिह सुरजेवाला): डा साहब, राम कुमार गौतम जी आपकी एलायंज पार्टी के वरिश्ठ नेता है। बी जे पी आपकी एलायंज पार्टी है इसलिए इनको बोलने दीजिए। आप किस तरह का धर्म निर्वहन कर रहे है? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सीता राम जी, राम कुमार गौतम जी ने पहले हाथ खडा किया था। (ाोर एवं व्यवधान)

डा सीता रामः अध्यक्ष महोदय, दोनो ने इकटठे हाथ खडा किया था।

श्री अध्यक्षः अगर आपने इकटठे जवाब देना है तो इकटठे बोल लो।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इनको तो वाक आउट करना है ओर कुछ नही करना।

डा सु ाीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, अगर राजनीति करनी है तो इनकी सुनो और अगर रणबीर सिह हुडडा जी का सम्मान करना है तो हमारी भी बात सुनी जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डा साहब, आप एक मिनट बैठें।

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, किसी व्यक्ति का कद किसी के कहने से छोटा या बडा नही हो सकता।

डा सीता रामः अध्यक्ष महोदय, रणबीर सिह हुडउा जी सबके लिए सम्मानित थे, वे केवल कांग्रेस पार्टी के ही नेता नही थे इसलिए आप हमारी भी बात सुने। हमारे बारे मे जो ये रैलोल्यू ान लेकर आए है उसके बारे मे हम कुछ कहना चाहते है।

श्री अध्यक्षः डा साहब, आप बैठें। यह कोई राजनीति की बात नही है। It is people democracy. यह सदन है ओर आप सब लोग इस सदन के आनॅरेबल मैम्बर्ज है। यहां हर मैम्बर को बोलने का बराबर अधिकार है। It is not the parental property of anybody. it is the property of the people, it is the property of the people of the State. आप बताओ कि दलाल साहब ने कहा कि यह अ ाोभनीय है या निंदनीय है। (ाोर) इसमे कोई डिस्क्रिमिने ान नही है मेरी भी तो अपनी लिमिटे ांज है। अगर कोई मैम्बर बोलने के लिए हाथ खडा करता है तो सीरीज से ही मै सबको बुलवाउंगा।

डा सु ाीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री कर्ण सिंह दलाल जी यहां एक प्रस्ताव लेकर आए है। (विघ्न) वह प्रस्ताव निंदा का है या ********** पर है इस ********** की।

श्री अध्यक्षः इसमे सरकार की क्या बात है। मैम्बर ने अपनी बात कही है। Where is the Government? It is not the official resolution, it is non official resolution by the private member.

डा सु ाीला इन्दौराः चलो किसी की भी मानसिकता है। वह माननीय सदस्य की अपनी मानसिकता है।

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्र न है। इन्होने जो ********** कहा है यह भाब्द कार्यवाही से निकलवा दिया जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः ठीक है यह भाब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाए। एक आदमी ने अपने हिसाब से बात कही है। न पार्टी जोडी है ओर न सरकार जोडा है। एज ए मैम्बर आफ दि हाउस उन्होने अपनी बात उठाई है।

डा सु ाीला इन्दौराः जो बात की है वह ********** और ********** का प्रतीक है। अध्यक्ष महोदय, यह क्यों है, यह इसलिए है कि पहले आपने खुद कहा है कि हाउस किसी की बापौजी नही है। आपके भाब्दो द्वारा देखा जाए तो यह हाउस जनता का हाउस है और यहां जनता के चुने हुए प्रतिनिधि आते है।

श्री अध्यक्षः ********** ये भाब्द रिकार्ड न किए जाए।

डा सु ीला इन्दौराः स्पीकर सर, कई बार हालात ऐसे हो जाते है कि कोई यहां नही आ सकता तो ऐसी स्थिती मे यहां पर कोई नही पूछता।

श्री अध्यक्षः डा इन्दौरा, आनॅरेबल मैम्बर ने केवल एक ही बात पूछी है कि Was it a willful absence, or it was absence by per-chance? आप यह बता दो यह हाउस इस बात को जानना चाहता है।

डा सु ीला इन्दौराः स्पीकर सर, मै यही बताना चाहता हूं कि अगर हम यहां चर्चा करें चौधरी रणबीर सिह हुडडा जी की जो की हमारे माननीय मुख्यमंत्री चौ0 भुपेन्द्र सिंह हुडडा जी के पिता जी भी है, मै बात खुलकर कहना चाहूंगा कि चौ0 रणबीर सिह हुडडा जी को जो व्यक्तित्व था जिसे उन्होने संवारा और सजाया वह उनकी खुद की देन थी। निःसन्देह वे एक महापुरुश थे, संविधान सभा के सदस्य भी थे, संयुक्त पंजाब के समय वे विधान सभा के सदस्य और मंत्री थे, लोक सभा के सदस्य भी रहे। वे एक उच्च राजनेता होने के साथ साथ एक चिंतक ओर समाज सुधारक भी थे, इसमे कोई दो राय नही है। हालांकि वे कांग्रेसी थे लेकिन कांग्रेस मे रहते हुए भी वे सामाजिक चिंतन मे गहरी आस्था रखते थे। अगर मानसिकता की बात की जाये तो जब चौधरी रणबीर सिह जी बीमार थे तो स्वयं चौ0 औम प्रका ा चौटाला जी उनका हाल चाल जाने के लिए गये थे जो की सामाजिक सभ्यता की बात है। अगर आप दूसरी बात करे तो

निधन के बाद जब चौधरी रणबीर सिह जी का संस्कार हुआ उस वक्त भी चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी पहले पहुंच गये थे और सबसे आखिर तक वहां रहे। इसलिए यहां पर यह कैसे मान लिया गया कि वे हाउस से विलफुली अबसैंट थे। आज भी हमारे चौ0 रणबीर सिंह हुडडा जी माननीय व्यक्तित्व है।

श्री अध्यक्षः मिस्टर इन्दौरा, यह हाउस यह जानना चाहता है कि आपकी पार्टी के नौ के नौ मैम्बर गवर्नर एडैस के समय हाजिर थे उसके बाद भी मैम्बर्ज यहा पर हाउस मे प्रैजैंट रहे है लेकिन after half an hour as and when the obituary references started members of the Indian National Lok Dal was not present in the House. यह हाउस यह बात जानना चाहता हैं इसमें कोई लम्बी चौउी बात नही है। चाहे कोई किसी भी पार्टी का सदस्य रहा हो, चाहे कोई किसी का दु मन भी रहा हो अगर उसका स्वर्गवास हो जाता है तो हम सभी को उसकी आत्मा की भाांति के लिए भगवान से प्रार्थना करनी चाहिए। यह हमारी व्यवहार कु ालता का प्रतीक है और हमारा यह सामाजिक दायित्व भी बनता है। यहां ओबीचुअरी रैफ्रैंसिज के दौरान आप अपनी पार्टी के सदस्यो के उपस्थित न रहने का कारण बता दें।

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, यह एक व्यवस्था का प्र न है। गवर्नर एड्रैस के बारे मे माननीय इन्दौरा जी जो कुछ भी कहना चाहे कह ले इसमे हमें कोई दिक्कत नही हैं। महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने एड्रैस में क्या कहा यहां

यह चर्चा का विशय नही है। (ाोर एवं व्यवधान) इन्दौरा जी, आप एक मिनट हमारी बात सुनने का मादा तो रखिए हम तो आपकी बात सुनने के लिए चुप बैठे रहे है। हम जाते है कि अब आप जाने वाले है और जाने का बहान ढुंढ रहे है लेकिन हम आपको जाने का मौका नही देंगे। अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने हरियाणा के एक सच्चे सपूत को अपने एड्रैस मे श्रद्धांजलि दी है तो इसमे क्या गलत है। पूरा सदन उनको श्रद्धांजलि देने के लिए ओबीचुएरी रैजोल्यू ान लेकर आया था इसमे क्या गलत बात है। इन्दौरा जी केवल यह बताने के लिए खडे हुए थे कि ये उस समय क्यों भाग कर चले गये थे। उस समय ये कयों नही आये। इनके पास इसका कोई जवाब नहीहैं लोकदल के साथी उस समय हाउस मे हाजिर रहकर सरकारी परमपराओ का उल्लंधन करके यहां से भाग गये और जब एक माननीय सदस्य ने एक प्र न उठाया तो अब ये उस बात को घुमा रहे है जबकि इनको सीधा जवाब देना चाहिए कि ये अमुक की वजह से नही आये। इनके पास इसका कोई जवाब नही है। लोकदल के साथी उस समय हाउस मे हाजिर रहकर सरकारी परम्पराओ का उल्लंघन करके यहां से भाग गये ओर जब एक माननीय सदस्य ने एक प्र न उठाया तो अब ये उस बात को घुमा रहे है जबकि इनको सीधा जवाब देना चाहिए कि अमुक कारण की वजह से नही आये। ये लोग इस बात का सही जवाब नही दे रहे है। अगर ये इस बारे मे अपना सही जवाब दे दें तो माननीय

सदस्य की जिज्ञासा भाांत हो जायेगी और वे अपना प्रस्ताव वापिस ले लेंगे।

Mr Speaker: Nothing is to be recorded. डा साहब, यहां एक बात यह आई है कि इनेलो members were not present in the House at the time of the obituary references. आप इस बारे में कारण बता दें कि आप सदन मे किस कारण से नही आये उसके बाद तो बात ही खत्म हो जाएगी। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सु ाीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, चौधरी रणबीर सिंह हुडडा के प्रति हमारे दिल मे भी बहुत आदर है। हाउस मे उपस्थित होना दूसरी बात है।

श्री अध्यक्षः इन्दौरा जी, माननीय सदस्य ने यह पूछा है कि आप भााोक प्रस्ताव के समय क्यों सदन मे उपस्थित नही थे। आज आप चार लोग उपस्थित हो अगर उस दिन एक सदस्य भी होता तो यह प्र न ही नही उठता। उस दिन विलफुल आबिच्युरी मे एबसैंट थे। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सु ाील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से एक बात कहना चाहूंगा कि माननीय चौधरी रणबीर सिह जी का जो चिंतन था अगर माननीय सदस्य अपनी विचारधारा को उनके चिंतन की दि ाा मे मोड दे तो समाज के उत्थान के काम आ सकता है। अगर इनको माननीय चौधरी रणबीर सिह जी को सच्ची श्रद्धांजलि देनी है तो उनके विचारो पर चिंतन करे ंना कि ये

मानसिकता की बात करें (ाोर एवं व्यवधान) हम हर जगह उपस्थित थे ये केवल सदन की बात करते है।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, इन्होने यह पूछा है कि श्रद्धांजलि के समय आप उपस्थित क्यों नही थे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रामकुमार गौतमः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी श्री कर्ण सिंह दलाल ने जो यह निन्दा प्रस्ताव सदन के सामने पे ा किया है, यह बहुत सही प्रस्ताव है और इन लोगों की जितनी निंदा की जाये उतनी कम है। असल मे तो ये अपराधी लोग है और इनका इस तरह की सभाओ से कोई लेना देना नही है। इस दे ा के इतने महान लोग चले गये, इस दे ा के पूर्व राश्ट्रपति डा0 आर0 वेंकटरमन चले गये और पूर्व प्रधानमंत्री श्री वि वनाथ प्रताप सिंह जी चले गये लेकिन इन लोगो के पास भाोक प्रस्ताव मे भाामिल होने का भी समय नही है। (ाोर एंव व्यवधान)

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, अपराधी तो ये खुद है। जिन लोगों से चुनकर आये है अब वे इनको देख रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, ये किस प्रकार का व्यवहार कर रहे है। (ाोर एवं व्यवधान) डा सीता राम जी, भारतीय जनता पार्टी आपकी एलायन्स पार्टी रही है, उसके

सदस्य अपनी बात कह रहे है। भारतीय जनता पार्टी के आपके साथी आपकी कलई और पोल खोल रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, अपराधी कैसे कह सकते है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डा सीता राम जी, आप अपनी सीट पर बैठें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रामकुमार गौतमः अध्यक्ष महोदय, इससे बडी जलालत ओर क्या हो सकती है कि ये लागे टी0 ए0, डी0 ए0 लेकर चले गये लेकिन श्रद्धांजलि मे भााामिल नही हुए। इससे बडा अपराध और क्या हो सकता है। इनकी जितनी भी निन्दा की जाये कम है। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सीता रामः आप अपना तरीका सुधारो। आपको तो असैम्बली से बाहर कर देना चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr Speaker: It is not the way. (Interruptions and noises)

डा0 सु ाील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, ये कैसे बोलते है?

श्री रामफल चिडानाः अध्यक्ष महोदय, ये अपराधी कैसे कह सकते है? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रामकुमार गौतमः अध्यक्ष महोदय, यह बात तो सारी दुनिया जानती है। (विध्न)

Mr Speaker: Chiran Ji, please take your seat. I allow you to speak. (Noises and interruptions). Chirana Ji, please go to your seat. It is not the way. (Noises and Interruptions)

श्री रामफल चिडानाः अध्यक्ष महोदय, ये तो सदन मे बोलने के ही लायक नही है।

श्री अध्यक्षः मिस्टर चिडाना, मै आपको अलाउ कर रहा हूं, आप अपनी सीट से बोलिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रामकुमार गौतमः अध्यक्ष महोदय, मै तो केवल इतना ही कहना चाहता हूं कि एक व्यक्ति हाउस में न आये तो कोई बात नही है। अगर ये आ भी गये थे तो दस्तखत करके जाना नही चाहिए था। उसके बाद इतने महान लोगों को श्रद्धांजलि देने का इतना महान कार्य चल रहा था। डा0 वैंकेट रमन कितने बडे नेता थे, वि वनाथ प्रताप सिह को श्रद्धांजलि देनी थी उनकी भााक सभा चल रही थी। चौधरी रणबीर सिंह इतने बडे फ्रीडम फाईटर थे उनके भााक प्रस्ताव बदस्तुर थे। अध्यक्ष महोदय, मेरा यह कहना है कि इन लोगों की, जो यहां आकर चले गए है, निंदा की जाए। इनके खिलाफ भााक प्रस्ताव मे भाामिल न होने पर निंदा प्रस्ताव पास होना चाहिए और हाउस मे आप ऐसा प्रस्ताव ला सकते है कि यहां पर आकर चले गए उनकी निंदा की जाए। सभी

ने यहां से चले जाना है, भाोक प्रस्ताव मे जो लोग हाजिर नही हुए और बेकायदगी की बात की है वे इसके लिए माफी मांगे। अगर उन्होने भाोक प्रस्तावो मे हिस्सा नही लेना था तो उनको यहां पर आने की जरुरत ही नही थी वे अपने घरो पर ही रहते। अगर यहां पर आकर इतने महान कार्य में हिस्सा नही लेना था तो यहां किस लिए आए, केवल कुछ पैसो के लिए यहां पर आए थे। चौ0 कर्ण सिंह दलाल जी का जो प्रस्ताव है उसका पूरा समर्थन करता हूं कि इन लोगों की घोर निंदा की जाए।

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, **********

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नही है इसलिए आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न) Nothing is to be recorded. (Interruptions) आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न) समय बहुत ही कम है, काम ऐसे नही चलेगा। प्लीज आप अपनी सीअ पर बैठें। (विघ्न)

प्रो0 छतर पाल सिहः अध्यक्ष महोदय, हमारे साथी चौधरी कर्ण सिह दलाल जी ने जो प्रस्ताव हाउस के सामने रखा हे मै उसका समर्थन करता हू। हमारी जो संस्कृति और सभ्यता है उसमे अगर किसी के यहां कोई भी भाोक हो जाए या कोई व्यक्ति दुनिया से चला जाए, उसका निधन हो जाए तो सरबवाल मे उसके सम्मान मे उस बात को लेते है। आप जानते है कि जिनके बीच

आपस मे गोलियां चल रही हो, हत्या हुई हो या केसिज चल रहे हो और दु मन के घर मे भी अगर कोई डैथ हो जाती है तो किसी भी स्टेज पर उसमे कोई व्यक्ति यह नही कहता है कि अच्छा हुआ है और उसके दोलडे पर बैठता है। स्पीकर सर, कोई नया सदस्य किसी वजह से हाउस मे न आ पाए और किसी गम्भीर तकलीफ मे हो तो अलग बात है `लकिन आबिच्यूरी रैफरेंसिज मे वर्तमान मे सभी सीनियर लीडर्ज को हाउस मे हाजिर रहना चाहिए ताकि वह अपनी श्रद्धांजलि दे सके। स्पीकर सर, यह बात सही है कि सभी सदस्यो को इस अवसर पर बोलने का मौका नही मिल पाता है लेकिन अपोजी ान के जो सीनियर साथी बैठे है कम से कम उनको अपनी बात कहने का समय होता है। स्पीकर सर, आप भी इस सभ्यता से परिचित है। सारा हाउस जानता है कि यदि कोई व्यक्ति ऐसे अफसोस पर या ऑबिच्यूरी रैफरैंस पर नही जाता है तो समाज उसकी निंदा करता है, चर्चा करता है कि देखो फलाने को आज भार्म आनी चाहिए कि वह आज के दिन भी नही गया जबकि उसको जाना चाहिए था। ये सारी बाते अपने समाज मे चर्चा का विशय रहती है। स्पीकर सर, इस बारे मे भजन लाल जी के बारे मे जिक्र हुआ कि वो सिगनेचर मारकर चले गये। स्पीकर सर, वे हाउस के अंदर आकर आधा घंटा और बैठ जाते तो उनके प्रति भाोभनीय बात कही जाती। दे ा के पूर्व राश्ट्रपति आज हमारे बीच मे नही रहे उनके प्रति ऑबिच्युरी थी, दे ा के प्रधान मंत्री जिन्होने अपनी पार्टी मे रहते हुए ही चुनौतीपूर्ण कार्य किया और फिर प्रधान मंत्री के ओहदे पर आए, वे एक रैवोल्यू ानरी व्यक्ति

के रुप में थे उनके बारे मे ऑबिच्युरी आई थी। स्पीकर सर, इस दे ा का संविधान हमारे लिए धर्म ग्रंथ है और हम इसके अंदर पूरी आस्था रखते हुए पूरे दे ा की पापुले ान के विकास की बात सोचते है। उसके एकमात्र अलाईव सदस्य आज हमारे बीच मे नही रहे और को–इन्सीडैंटली वे इस हाउस के नेता के पिताश्री थे। ये दोनो ही बाते उस दिन की महता को बहुत बढाते थे। इसके अलावा भाहिदो, स्वतंत्रता सेनानी और हमारे कुछ सदस्यो के रिलेटिवज़ जो हमारे बीच मे नही रहे उनके नाम भी ऑबीच्यूरी मे भाामिल थे। यहां पर गवर्नर एड्रैस के बाद वि ोश रुप से अपोजि ान के सभी सदस्य हाउस के अदर उपस्थित नही रहे। स्पीकर सर, ऑबिच्यूरी रैफरेंजिस के बाद हमारे अपोजि ान के कुछ सदस्य हाउस मे दिखे। मुझे ऐसा लगता है कि उनकी तरफ से ऑबिच्यूरी रैफरैंसिज के बारे में कोई मैसीव डिसीजन लिया गया हो। एक मैसेज कही प्रिवेल हुआ, ऐसी स्मैल पूरे हाउस को आई। अपोजि ान का काई भी सदस्य यहां पर नही था, सब के सब हाउस से नदारद थे।

श्री अध्यक्षः गौतम साहब तो हाउस में थे।

प्रो0 छतर पाल सिहः स्पीकर सर, गौतम साहब तो उनसे इत्फाक नही रखते है हालांकि इनकी पार्टी का इनेलो के साथ समझौता हुआ है। (विध्न) डाक्टर सु ाील इन्दौरा जी, मै सारी सयानी बातें कहूंगा, आप सुने तो सही। (विघ्न) डाक्टर साहब, कोई भी भाब्द ऐसा नही आएगा जिस पर आप आपत्ति कर

सको। लेकिन स्पीकर सर, ने जो इ ाारा किया है और आपकी पार्टी के नेतृत्व मे और उनकी पार्टी के नेत्त्व मे जो फैसला लिया है उसके बारे मे आप अखबारो मे पढते है। राम कुमार गौतम जी यहां पर भी जो बोलते है वह भी आप सुनते और देखते है। इनहोने अपनी पार्टी की विचारधारा का आपकी पार्टी की विचारधारा के साथ मेल नही है उसके बारे में कहा है। यह तो इनकी हिम्मत है कि इन्होने पार्टी मे रहते हुए, पार्टी के विधायक होने के बावजुद विचारधारा के आधार पर पार्टी के फैसले का विरोध किया है। आज जितनी भी पोलिटिकल पार्टीयां है, यदि उनकी इंटरनल डैमोक्रेसी मजबूत हो जाए तो आप जितने साथी यहां पर बैठे हुए है और आपके साथी जब आपस मे बात करते है तो मै समझता हूं कि आपकी आत्माएं भी मजबूत हो जाएंगी। आप कई बार उनकी बातें मानने को मजबूर हो जाते है। (विघ्न)

डा0 सु ील इन्दौराः स्पीकर सर, मै यह कहना चाहता हूं कि बात का बतंगड चाहे जितना भी बना लो, वह अलग बात है। लेकिन मै यह कहना चाहता हूं कि हमारी ऐसी कोई मं ाा नही थी This is just a co-incidence. (विघ्न)

Mr Speaker: Nothing is to be recorded.

Dr. Sushil Indora: **********

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, इस बाप पर कोई राजनीति करे यह ठीक नही है। मे आपको यह कहना चाहता हूं कि इसमे कोई राजनीति नही है। इस बारे मे हाउस की एक इन्टैं ान थी

कि इतना बडा इ ू था (विघ्न) चौधरी बीरेन्द्र सिह जी बोलना चाहते है आप सभी एक मिनट बैठ जाएं। (विघ्न) डाक्टर इन्दौरा जी, आप लोग अपनी सीटो पर बैठ गए है आप भी बैठ जाएं। (विध्न)

डा0 सु ील इन्दौराः सर, इन्होने तो चौधरी रणबीर सिंह को बहुत सस्ता बना दिया। वे तो बहुत महान नेता रहे है।

वित्त मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिह): स्पीकर सर, बडी सिम्पल बात है। कर्ण सिह दलाल जी ने जो प्रस्ताव रखा है या कहिए कि उन्होने जो बात कही है उस पर सीता राम जी जो कि इनेलो के डिप्टी लीडर है। (विध्न) डा0 इन्दौरा है कोई बात नही वे भी बैठे हुए है ये इस बारे मे दो भाब्दो मे बता दें कि इनका अबसैन्ट होना अन–इंटै ानल था या ये जानबूझकर अबसैन्ट हुए थे? इससे सारी बात खत्म हो जाएगी।

Dr. Sushil Indora: Sir, this was not intentional. It was co-incidental and it was not our intention.

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः स्पीकर सर, मेंरी एक दरखास्त है। डाक्टर साहब ने चौधरी बीरेन्द्र सिंह के खडा होने से पहले बडा स्पश्ट कह दिया कि It was co-incidental and it was not our intention. इसलिए मै माननीय सदस्य को कहूंगा कि in light of what Dr. Indora has said. I would request Shri Karan Singh Dalal to withdraw his resolution.

श्री अध्यक्षः ठीक है, दलाल साहब, आप इस बारे में क्या चाहते है?

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, माननीय चौधरी बीरेन्द्र सिह जी ने एक बहुत अच्दी बात कही है इन्दौरा साहब मात्र बहाना बनाकर अगर ऐसी बात कहे तो ठीक नही है लेकिन अगर इनकी इंटै ान सही है तो माननीय चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने जो बात कही है वह बहुत ही अच्छी बात है इसलिए मै इस चर्चा को यही समाप्त करने के लिए निवेदन करता हू।

डा0 सु ील इन्दौराः स्पीकर सर, मैने पहले ही कह दिया है कि यह हमारी इंटै ान नही थी, यह महज को–इंसीडैंटल था।

श्री अध्यखः डा इन्दौरा, चूंकि वह बात हाउस को अ ाोभनीय लगी इसलिए हाउस के मैम्बर्ज और मै खुद भी यह जानना चाहते थे कि यह इंटें ानली था या को–इंसीडैंटल था। जो व्यवहार किया गया वह अ ाोभनीय था। हाउस मे इतना बडा इ ा ओबिच्युरी रैफरैंस जोकि राश्ट्रीय नेताओ के बारे मे था, आया था लेकिन चलो, अब यह मामला खत्म हो गया।

कार्य सलाहकार समिति की रिपोर्ट में सं ाोधन

प्रो0 छतर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी एक रिक्वैस्ट है कि हमारे माननीय चीफ मीनिस्टर साहब के पिताश्री रणबीर सिह जी की कल दोपहर को रस्म पगडी है और सभी माननीय सदस्य

वहां जाना चाहते है। मेरी गुजारि ा है कि यदि कल हाउस की कार्यवाही स्थगित कर दे तो सभी मैम्बर्ज वहां जा सकते है। यह सभी सदस्यो की भावना है कि कल हाउस की बैठक नही होनी चाहिए।

आवाजें: ठीक है जी।

Mr Speaker: Is it the sense of the House that there will be no sitting of this House on 11th February, 2009 and the business which was to be transacted on 11th February, 2009 will now be taken up in the first sitting of the House of Friday, the 13th February, 2009.

Voices: Yes, yes.

Mr Speaker: There will be no sitting of this House on 11th February, 2009 and the business which was to be transacted on 11th February, 2009 will now be taken up in the first sitting of the House on Friday, the 13th February, 2009.

डा सीता राम: स्पीकर सर, 12 तारीख को सै ान कितने बजे आरम्भ होगा?

श्री अध्यक्ष: 12 फरवरी, 2009 को सै ान 2:00 बजे (अपरान्ह) आरम्भ होगा।

Dr. Sushil Indora: Sir, we have no objection.

श्री अध्यक्ष: ठीक है, हाउस की सहमति के अनुसार कल दिनांक 1192.2009 को सदन की बैठक नही होगी। दिनांक 11.2.

2009 का बिजनैस दिनांक 13.2.2009 को प्रथम बेठक मे टेकअप कर लिया जाएगा। (विघ्न) अभी बी0 ए0 सी0 की रिपोर्ट आ रही है उसमे यह अमैडमैंट इन्कलूड कर लेंगे।

घोशणाएं

(क) अध्यक्ष द्वारा

(i) चेयरपर्सन्ज के नामो की सूची

Mr Speaker: Hon'ble Member, under Rule (13) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following Members to serve on the panel of Chairpersons:-

1. Sh Karan Singh Dalal, M.L.A

2. Sh Shadi Lal Batra, M.L.A

3. I. G. Sher Singh, M.L.A

4. Dr Sushil Indora, M.L.A

(ii) अनुपस्थिती के संबधं में सूचना

Mr Speaker: Hon'ble Member, I am to inform you that I have received a letter dated 10th February, 2009 from Shri Naresh Yadav, M.L.A vide which he has informed that due to road accident, he will not be able to attend the Session of Haryana Vidhan Sabha on 10th February, 2009.

(iii) अनुपस्थिती की अनुमति

Mr Speaker: Hon'ble Member, I have received a letter dated 10th February, 2009 from Shri Yadvendra Singh, M.L.A which reads as under:-

"Dear Sir,

Leave of Absence

I shall not be able to attend the Vidhan Sabha Session on 10th, 11th and 13th February, 2009. due to personal reasons.

I request you to kindly grant me leave of absence for the above dates.

Thanking You."

Mr Speaker: Is it the pleasure of the House that leave of absence be granted to Shri Yadvendra Singh, MLA to remain absent for 10th,. 11th and 13th February, 2009?

Voices: yes, yes.

Mr Speaker: The leave is granted.

(ख) सचिव द्वारा

Mr Speaker: Now, the Secretary will make an announcement.

सचिव: महोदय, मै उन विधेयको को द ार्ाने वाला विवरण जो हरियाणा विधान सभा ने अपने मार्च, 2008 तथा दिसम्बर 2008 मे हुए सत्रो मे पारित किए थे तथा जिन पर

राज्यपाल महोदय ने अपनी अनुमति दे दी है, सादर सदन की मेज पर रखता हूं।

MARCH SESSION, 2008

1. The Punjab Agricultural Procedure Markets (Haryana Amendment) Bill, 2008.

2. Guru Jambheshwar University of Science and Technology Hisar (Amendment) Bill, 2008.

SEPTEMBER SESSION, 2008

1. Pandit Bhagwat Dayal Sharma University of Health Sciences Rohtak (Amendment) Bill, 2008.

2. The Indian Stamp (Haryana Amendment) Bill, 2008.

3. The Haryana Regulation of Property Dealers and Consultatnt Bill, 2008.

4. The Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Second Amendment) Bill, 2008.

5. The Haryana Underground Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Bill, 2008.

6. The Haryana Appropriation (No. 3) Bill, 2008.

7. The Haryana Municipal Public Disclosure Bill, 2008.

8. The Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill, 2008.

9. The Haryana Town Improvement Bill, 2008.

10. The Haryana Municipal Citizens' Participation Bill, 2008.

11. The Haryana Urban Development Authority (Amendment) Bill, 2008.

12. The Haryana Tax on Entry of Goods into Local Areas (Amendment) Bill, 20008.

कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट

Mr Speaker: Hon'ble Members, now I request the time table of the various business fixed by the Business Advisory Committee.

The Committeer met at 11:00 A.M. on Friday, the 6th February, 2009 in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs, the Assembly whilst in Session, shall meet on Monday at 2:00 P.M. and adjourn at 6:30 P.m and on Tuesday, Wednesday, Thursday and Friday will meet at 9:30 A.M and adjourn at 2:00 P.M without question being put.

On Friday, the 6th February, 2009 the Assembly shall meet immediately half an hour after the conclusion of the Governor's Address and adjourn after the conclusion of Obituary References. On Tuesday, the 10th February, 2009. the Assembly shall meet at 2:00 P.M and adjourn at 6:30 P.M without question being put.

On Thursday, the 12th February, 2009, the assembly shall meet at 2:00 P.m and adjourn at 6:30 P.M without question being put. On Friday, the 13th February, 2009. the Assembly shall meet at 9:30 A.M and adjourn at 1:30 P.M. without question being put and the Assembly shall meet again at 2:00 P.M and adjourn at 6:30 P.M without question being put. On Friday, the 20th February, 2009 the Assembly shall meet at 2:00 P.M and adjourn after the conclusion of the Business entered in the List of Business.

The Committee, after some discussion, further recommends that the Business on 6th, 10th, 13th, 16th and 18th and 20th February, 2009 be transacted by the Sabha as under:-

The House will meet immediately half an hour after the conclusion of the Governor's Address on the 6th February, 2009.	1. Laying a copy of the Governor's Address on the Table of the House.
	2. Obituary References.
Saturday, the 7th February, 2009	Holiday
Sunday, the 8th February, 2009	Holiday
Monday, the 9th February, 2009	Holiday.

Tuesday, the 10th February, 2009 (2:00 P.M)	1. Questions Hour.
	2. Presentation and adoption of First Report of Business Advisory Committee.
	3 Papers to be laid/re-laid on the Table of the House.
	4. Presentation of 4th Preliminary Report of the Committee of Privileges and extension of time for presentation of the final report thereon.
	5. Presentation of Preliminary Report of the Committee of the House
	6. Discussion of Governor's Address.
Wednesday, the 11th February, 2009 (9:30 A.M)	Off day.
Thursday, the 12th February, 2009 (2:00 P.M)	1. Question Hour.
	2. Non-official Business.
Friday, the 13th February,	1. Questions Hour.

2009 (9:30 A.M) (1st Sitting)	
	2. Motion under rule 121.
	3. Resumption of discussion on Governor's Address and Voting on motion of Thanks.
	4. Presentation Discussion and Voting on Supplementary Estimates (2nd Installment) for the year 2008-2009 and Report of the Estimates Committee thereon.
	5. Resumption of Discussion on Special Report of the Committee of Privileges.
Friday, the 13th February, 2009 (2:00 P.M((2nd Sitting)	Presentation of Budget Estimates for the year 2009-2010.
Saturday, the 14th February, 2009	Holiday
Sunday, the 15th February, 2009	Holiday
Monday, the 16th February, 2009 (2:00 P.M)	1. Questions Hour.
	2. Presentation of Reports of

	the Assembly Committees.
	3. Discussion on Budget Estimates for the year 2009-2010.
Tuesday, the 17th February, 2009 (9:30 A.M)	1. Question Hour.
	2. Resumption of discussion on Budget Estimates for the year 2009-2010.
Wednesday, the 18th February, 2009 (9:30 A.M)	1. Questions Hour.
	2. Resumption of discussion on Budget Estimates for the year 2009-2010 and reply by the Finance Minister thereon.
	3. Discussion and Voting on Demands for Grants on Budget Estimates for the yer 2009-2010.
Thursday, the 19th February, 2009	Holiday
Friday, the 20th Februayr, 2009	1. Questions Hour.
	2. Motion under Rule 15

	regarding Non-stop sitting.
	3. Motion under Rule 16 regarding adjournment of the Sabha sine-die.
	4. Papers to be laid, if any.
	5. Presentation of Reports of the Assembly Committees.
	6. The Haryana Appropriation Bill in respect of Supplementary Estimates (2nd Instalment) for the year 2008-09.
	7. The Haryana Appropriation Bill in respect of Budget Estimates for the year 2009-2010.
	8. Legislative Business.
	9. Any other Business.

Mr Speaker: Now, the Parliamentary Affairs minister will move the motion that this House agrees with the recommendation contained in the first Report of the Business Advisory Committee.

Power Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That this House agrees with the recommendations contained in the first Report of the Business Advisory Committee with the modification that the sitting fixed for the 11th February, 2009 will be off day and the business fixed for 11th February, 2009 will be taken up on first sitting of the 13th February, 2009.

Mr Speaker: Motion moved-

That this House agrees with the recommendations contained in the first Report of the Business Advisory Committee with the modification that the sitting fixed for the 11th February, 2009 will be off day and the business fixed for 11th February, 2009 will be taken up on first sitting of the 13th February, 2009.

Mr Speaker: Question is-

That this House agrees with the recommendations contained in the first Report of the Business Advisory Committee with the modification that the sitting fixed for the 11th February, 2009 will be off day and the business fixed for 11th February, 2009 will be taken up on first sitting of the 13th February, 2009.

The motion, as amended, was carried.

सदन के कार्यक्रम में परिवर्तन

Sh Randeep Singh Surjewala: Speaker Sir, I have one more suggestion through you to the House that as per the business listed in the List of Business, there will be very less left for discussion on Governot's Address so, on 12th February,

2009, the non official day may be converted into an official day so that large number of Members who want to speak on Governor's Address they can express their opinion. This is only a suggestion subject to if the House feels.

डा0 सु ाील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, इस पर मेरा ऐतराज है क्योंकि गैर सरकारी कामकाज के दिन ही सदस्य अपनी बात कह सकते है और एक ही दिन होता है।

श्री अध्यक्षः क्या आप गवर्नर एड्रैस पर नही बोलना चाहते है?

डा0 सु ाील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मै गवर्नर एड्रैस पर भी बोलूंगा इसलिए आप सै ान का समय और बढा लीजिए इसमे क्या दिक्कत है सरकार के पास बहुत समय है 20 की बजाए सै ान और बढा लीजिए।

श्री अध्यक्षः सरकार के पास या मैम्बर्ज के पास आप सरकार और पार्टी की बात बहुत करते है और हाउस की बात कम करते है।

डा0 सु ाील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, क्योंकि सै ान का समय घटाना और बढाना सरकार की कैन्सैंट से होता है इसलिए मै यह कहता हूं कि सरकार के पास फालतू टाईम है काम तो कुछ है नही सै ान का समय और बढा लिया जाए।

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, श्री औम प्रका ा चौटाला जी बी0 ए0 सी0 के सदस्य है वे न तो कभी बी0 ए0 सी0 की मीटिंग मे आते है और न ही कभी अपना कोई सुझाव रखते है। वे डाक्टर इन्दौरा को अपनी जगह क्यों नही नोमिनेट कर देते।

डा0 सु ाील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, मै यह कह रहा था कि हम जैसे सदस्यो को बहुत कम ऐसे मुद्दे होते है जिन पर कोई बिल लेकर आना है, कोई रैजोल्यू ान लाना है और हरियाणा प्रदे ा के हित मे कई अनेको ऐसी बाते है जिस दिन कोई अपनी बात कहना चाहते है। एक ही तो दिन होता है वह दिन भी अगर सरकार खा जाए तो बताओ बचेगा क्या।

श्री अध्यक्ष: चलो अब तो हाउस पर इस बात को छोड दिया यह तो हाउस का काम है हाउस जैसा कहेगा वैसे कर लेंगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, मै इन्दौरा साहब की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि चौटाला साहब की सरकार के समय पांच सालो मे आफि ियल डे को नानॅ आफि ियल मे कभी कंवर्ट नही कराया गया इनकी सरकार ने सारा समय ऐसे ही निकाल दिया। ये सारे समय को ही खाते रहे।

श्री अध्यक्ष: इन्दौरा जी, आपका सुझाव आ गया है।

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महोदय, आप इतनी उदारता दिखा रहे है सभी सदस्यो को बोलने का समय भी दे रहे है। 12 तारीख को जो गैर सरकारी कामकाज का दिन है अगर आप ठीक समझे तो उसमे ज्यादा रैजोल्यू ान नही है आधा घण्टा या पौना घण्टा है जो हमारे गैर सरकारी संकल्प है उनके उपर चर्चा हो जाए और उसके फौरन बाद आप सरकारी काम काज कर लें। सर, अगर इसको आप अडोप्ट कर ले तो अच्छा रहेगा।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा सुझाव तो यह है कि नानॅ आफि ायल डे को आफि ायल डे मे कन्वर्ट कर दिया जाए ताकि गवर्नर एड्रैस पर ज्यादा मैम्बर्ज को बोलने के लिए समय मिल जाए।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप अपने नॉन आफि ायल रैजोल्यू ान के बारे मे गवर्नर एड्रैस पर डिस्क ान के समय ही बोल लेना। You can speak on Governor's Address.

श्री कर्ण सिंह दलालः ठीक है जी।

Mr Speaker: Hon'ble Members, with the sense of the House and keeping in view the feelings expressed by the Members in the House that instead of transacting non-official business on the non-official day i.e. 12th February, 2009. official business will be transacted and the Governor's Address will be discussed so that more members could speak on motion of thanks on the Governor's Address.

सदन की मेज पर रखे जाने वाले / पुनः रखे जाने वाले कागज–पत्र

Mr Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will lay/re-lay papers on the Table of the House.

Power Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to lay on the Table of the House-

The Punjab Scheduled Roads and Controlled Areas Restriction of Unregulated Development (Haryana Amendment) Ordinance, 2009 (Haryana Ordinance No. 1 of 2009).

The Haryana Fire Service Ordinance, 2009 (Haryana Ordinance No. 2 of 2009).

The General Administration Department Notification No. S.O. 31/HA/3/1975/S.8/2008, dated the 16th April, 2008 regarding amendment in Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Allowances Rules, 1997, as required under section 8(2) of the Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances Act, 1975.

The General Administratioon Department Notification No. S.O 31/H.A. 3/1970/S. 8 and 9/2008, dated the 16th April, 2008 regarding amendment in Haryana Ministers Allowances Rules, 1972, as required under section 9(2) of the Haryana Salaries and Allowances of Ministers Act, 1970.

The Personnel Department Notification No. G.S.R 5/Const./ Art. 320/2008, dated the 6th February, 2008

regarding amendment in Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Regulations, 1973, as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The Personnel Department Notification No. G.S.R 27/Const./Art. 318/2008, dated the 7th August, 2008 regarding amendment in Haryana Public Service Commission (Conditions of Service) Regulations, 1972, as required under Article 320(5) of the Constitution on India.

The Personnel Department Notification No. G.S.R 30/Const./ Art 320/2008, dated the 18th August, 2008 regarding amendment in Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Regulations, 1973, as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

Sir, I also beg to lay on the Table of the House-

The Personnel Department Notification No. G.S.R 31/Const./ Art 320/2008, dated the 21st October, 2008 regarding amendment in Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Regulations , 1973, as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 79/ H.A-6/2003S.60/2003, dated the 22nd May, 2003 regarding the Haryana General Sales Tax Rules, 1975, as required under section 60(4) of the Haryana Value Added Tax Act, 2003.

The Excise and Taxation Department Notification No S.O 113/H.A-6/2003/S.60/2003, dated the 21st November,

2008 (Second Amendment) Rules, 2008, as required under section 60(4) of the Haryana Value Added Tax Act, 2003.

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 115/H.A-6/2003/S.60/2008, dated the 27th November, 2008 regarding amendment in the Haryana Value Added Tax (Third Amendment) Rules, 2008, as required under section 60(4) of the Haryana Value Added Tax Act, 2003.

The Revenue and Disaster Management Department Notification No. S.O 2/H.A-38/2008 S.18/2009, dated the 6th January, 2009 regarding the Haryana Regulations of Property Dealers and Consultants Rules, 2009, as required under section 18(3) of the Haryana Regulation of Property Dealers and Consultants Act, 2008.

The Annual Accounts of the Haryana Khadi and Gramodyog Board for the year 2003-2004, as required under section 19(3) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971.

The Annual Accounts of the Haryana Khadi and Garmodyog Board for the year 2004-2005, as required under Section 19(3) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971.

The 8th Annual report of Dakshin Haryana Bijli Vitran Nigam Limited for the year 2006-2007, as required under section 619-A(3)(b) of the Companies Act, 1956.

The Annual Report for the year 2007-2008 (1.4.2007 to 31.3.2008) of Lokayukta, Haryana, as required under section 17 (4) of the Haryana Lokayukta Act, 2002.

The Audit Report on the Accounts of Haryana Financial Corporation for the year ended 31st March, 2008, as required under section 37 (7) of the State Financial Corporations Act, 1951.

The Revised Explanatory Memorandum pertaining oto PRIs as to the action taken on the interim Report of Third State Finance Commission Haryana, as required under Article 243-I(4) and 243-Y(2) of the Constitution of India.

The Finance Accounts of the Government of Haryana for the year 2007-2008 in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

The Appropriation Accounts of the Government of Haryana for the year 2007-2008 in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

The Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31st March, 2008 (Civil) of the Government of Haryana in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

The Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31st March, 2008 (Revenue Receipts) of the Government of Haryana in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

The Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31st March, 2008 (Commercial) of

the Government of Haryana in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

वि ोशाधिकार मामलो के संबंध मे वि ोशाधिकार समिति का प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढाना

Mr Speaker: Now, Sh Karan Singh Dalal, M.L.A, Chairperson, Committee of Privileges, will present the Fourth Preliminary Report of the Committee of Privileges with regard to the question of alleged breach of privilege given notice of by Sh Randeep Singh Surjewala, Parliamentary Affairs Minister, Haryana against Shri Om Parkash Chautala, MLA in respect of misconduct, misbehaviour and disorderly disrupting the proceedings of the House, unbecoming of a Member of the House, thereby committing the contempt of the House/breach of privilege on 20.03.2007 and on earlier occasions also and will also move that the time for the presentation of the final report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

Sh Karan Singh Dalal (Chairperson, Committee of Privilgeges): Sir, I beg to present the Fourth Preliminary Report of the Committee of Privileges with regard to the question of alleged breach of privilege given notice of by Sh Randeep Singh Surjewala, Parliamentary Affairs Minister, Haryana against Shri Om Parkash Chautala, MLA in respect of misconduct, misbehaviour and disorderly disrupting the proceedings of the House, unbecoming of a Member of the House, thereby committing the contempt of the House/breach of privilege on 20.03.2007 and on earlier occasions also.

Sir, I beg to move-

That the time for the presentation of the final report to the House be extended upto the first sitting of the next session.

Mr Speaker: Motion moved-

That the time for the presentation of the final report to the House be extended upto the first sitting of the next session.

Mr Speaker: Question is-

That the time for the presentation of the final report to the House be extended upto the first sitting of the next session.

The motion was moved.

वर्श 1999–2000 से 2004–2005 तक की अवधि के दौरान सार्वजनिक सम्पत्तियो के हस्तांतरण/ नीलामी/ आबंटन की विस्तृत जांच करने के लिए हरियाणा विधान सभा की समिति का प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढाना

Mr Speaker: Hon'ble Member, now, Sh Phool Chand Mullana, Chairperson, Committee of the Haryana Vidhan Sabha to inquire into the details of public properties transferred/ auctioned/ allotted during the year 1999-2000 to 2004-2005 will present the Second Preliminary Report of the Committee and will also move that the time for the

presentation of the final report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

Sh Phool Chand Mullana (Chairperson, Committee of the Haryana Vidhan Sabha, to inquire into the details of public properties transferred/ auctioned/ allotted during the year 1999-2000 to 2004-2005.): Sir, I beg to present the Second Preliminary Report of the Committee of the Haryana Vidhan Sabha to inquire into the details of public properties transferred/auctioned/allotted during the years 1999-2000 to 2004-2005.

Sir, I also beg to move-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

Mr Speaker: Motion moved-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

Mr Speaker: Question is-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

The motion was carried.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा

Mr Speaker: Hon'ble Members, now discussion on the Governor's Address will take place. Shri Venod Kumar Sharma, M.L.A will move his motion.

Sh Venod Kumar Sharma (Ambala city): Sir, I beg to move-

"That the members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 6th February, 2009 at 2:00 P.M."

स्पीकर सर, मेरे दोस्त इन्दौरा जी इस बात को मान रहे थे और इस बात का जिक्र कर रहे थे कि इन्एडवटेंटली या बाई को–इंसीडैंट ओबीच्यूरी रैफरेंसिज के दौरान वह और उनकी पार्टी के दूसरे सदस्यगण भाामिल नही हो सके तो मुझे उम्मीद थी कि भाायद वे इसके लिए हाउस से क्षमा मांगेगे। हाउस मे इस बात का बडा भारी भाोक था क्योंकि इनके गैरहाजिर होने की वजह से हमारी परम्परा पर एक बडा आघात लगा था। फिर भी मै इन्दौरा जी की इस बात को मानता हूं कि भले ही उन्होने क्षमायाचना की बात नही कही लेकिन अपनी गलती को जरुर माना है और उसको देखते हुए श्री करण सिंह दलाल जी ने अपना रैजोल्यू ान वापिस ले लिया है। इसके साथ ही इन्दौरा जी ने जो बात कही है कि चौधरी रणबीर सिंह जी की जीवनी से हमें ि ाक्षा लेनी चाहिए मै उनके इस विचार से भी सहमत हूं क्योंकि चौधरी रणबीर सिंह ही ऐसी भाख्सियत थे जिनहोने परिवार की रिवायतो का अनुसरण करते हुए इस दे ा की आजादी के लिए अपने

आपको महज 22 वर्श की उर्म मे ही दे ा के प्रति समर्पित कर दिया था। दे ा की आजादी के लिए उनहोने हिन्दुस्तान की 7 जेलो मे साढे तीन साल तक लगातार सजा काटी और नजरबंद रहे। वे कांस्टीच्यूट असैम्बली के आखिरी जीवित मैम्बर होने के साथ साथ पंजाब विधान सभा, हरियाणा विधान सभा, लोकसभा और राज्य सभा के सदस्य भी रहे। चौधरी रणबीर सिह हुडडा महज मुख्यमंत्री के पिताश्री ही नही थे बल्कि नौजवानो और दे ा के करोडो लोगों के लिए प्रेरणा स्त्रोत्र भी थे। मै खुद उनकी जीवनी पढ रहा था। यह बात आज हम सभी लोग मानते है कि राजनीति में कुछ उसुल होने चाहिए अर्थात् राजनीति उसूलो के उपर करनी चाहिए। हमे इस बात की खु ाी है कि चौधरी रणबीर सिह जी ने उन उसूलो को समक्ष रखते हुए अपना सम्पूर्ण राजनीतिक जीवन व्यतीत किया। इसके साथी ही 65 साल की उम्र मे उन्होने यह फैसला ले लिया कि अब वे राजनीतिक से सन्यास लेंगे। मै समझता हूं कि आज के राजनीतिक व्यक्तियो को उनसे ज्यादा से जयादा ि ाक्षा लेनी चाहिए। राजनीति मे अपने स्वार्थो से उपर उठकर दे ा, समाज ओर जनसाधारण की सेवा किस तरह से की जाती है यह ि ाक्षा हमे उनसे लेनी चाहिए और उनका अनुसरण करना चाहिए। इसके साथ ही मै महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाशण के समर्थन मे चर्चा करना चाहूंगा कि उन्होने अमेरिका और दूसरे दे ाो के साथ जो न्यूक्लियर समझौता किया है उसकी वजह से दे ा मे प्रगति और उन्नति का एक बहुत बडा समुन्द्र हमें देखने को मिलेगा। 16:00 बजे। इसके साथ ही मै

अपनी सरकार द्वारा पिछले चार साल मे किए गए कार्यो के बारे मे भी बताना चाहूंगा। वर्श 2004–05 मे हरियाणा प्रदे ा का जो प्लान साईज था वह 2236 करोड रुपए था ओर आज 2009–10 मे हरियाणा प्रदे ा का जो प्लान साईज है वह 10 हजार करोड है जो पिछली सरकार से लगभग 5 गुणा ज्यादा है। जो प्रोग्रैस, जो उन्नति हरियाणा प्रदे ा मे पिछले 4 वर्श मे हुई है उसको हम प्लान साईज से नही आंक सकते। हरियाणा प्रदे ा की जो उन्नति पिछले 4 वर्शो मे हुई है वह इस प्लान साईज से कई गुणा ज्यादा है। जब वर्श 2004–05 मे 2236 करोड रुपए का प्लान साईज था उस समय और उससे पहले भी तो हरियाणा मे कही सडको का काम, नहरो का काम, स्वास्थय का काम, ि ाक्षा का काम देखने को नही मिलता था। यह बात समझ मे नही आती कि 2236 करोड रुपए मे वर्श 2004 मे कितना पैसा सरकार ने लोगों की भलार्ठ के लिए लगाया और इसमे से कितना पैसा अपनी भलाई के लिए लगाया। इस बारे मे आंकडे प्राप्त नही हुए लेकिन इस बात की गवाही लोगों की तरफ से मिलती ळै। जितना पैसा अब हरियाणा मे लगाया गया है और आने वाले वर्श मे लगेगा, पिछले 40 वर्शो मे भी इतना पैसा नही लगा होगा और इतनी उत्तनी हरियाणा मे कही नही हुई होगी। कुछ आंकडे और कुछ तथ्य अव य मै आपके सामने पे ा करता हू। इससे पहले मै यह जरुर कहना चाहूंगा कि पिछली सरकार मे नीयत और नीति मे अंतर था। न तो लोगों की सेवा की सरकार की नीयत थी और न ही ऐसी नीति निर्धारित की गई जिससे लोगों को फायदा हो। पिछली सरकार ने

अपने स्वार्थो के लिए जो कार्य किए है उनको हरियाणा की जनता आज तक भूली नही है। लेाग आज भी त्राहि त्राहि कर रहे है। हमारी सरकार ने जो वायदे किये वे पूरे किये और जो वायदे नही किए थे वे भी पूरे किये। हमारी सरकार लोगों की कसौटी पर खरी उतरी। जिन वायदो के साथ हमारी सरकार ने प्रदे ा के भाासन की बागडोर सम्भाली थी पिछले 4 वर्शो मे न केवल उन्हे हकीकत मे बदला है बल्कि जन–कल्याण एवं विकास के कार्य किए है। किसानो की भलाई के लिए भी ऐतिहासिक फैसले लिये है। वह सरकार जो किसानो के हित की सरकार कहलाती थी उस सरकार के बारे मे अगर ज्यादा कुछ न कहा जाये तो ही अच्दा है क्योंकि पिछली सरकार ने न तो किसानो को किसानो की पैदावार के असली मुल्य दिये ओर न ही किसानो के लिए कोई अच्छे कार्य किए। न किसानो को बिजली दी और न ही और न ही किसानो को पानी दिया। हमारी सरकार ने सबसे पहले किसानो के 1600 करोड रुपए के बिजली के कर्जे माफ किये। स्पीकर सर, यह वायदा हमने लोगों के साथ नही किया था। यह कोई चुनाव के लिए किया हुआ कार्य नही था क्योंकि चुनाव तो अभी बहुत दूर थे। यह कार्य लोगों की उन मु कलो को देखते हुए किया गया जिन मु कलो मे पिछली सरकार ने उनको डाल दिया था। यह कह कर कि आप बिजली के बिजल मत भरना हम बिजली के बिल नही चाहते। जब उन लोगों ने बिजली के बिल नही दिये तो उनके उपर गोलियां चलाई गई। हमारी सरकार ने यह ऐतिहासिक फैसला लियाप कि जो लोग बिजली के बिल नही भर कसते है

उनको इन बिलो से माफी दी जाये। स्पीकर सर, यह एक ऐतिहासिक फैसला था जो हमारी सरकार ने सबसे पहले लिया। हमारी सरकार ने किसानो को लाभकारी मूल्य दिलाने के लिए केन्द्र सरकार के साथ बातचीत की। केन्द्र सरकार ने पिछले चार साल मे गेहूं के न्यूनतम समर्थन मुल्य मे 450 रुपये प्रति क्विंटल बढाए है जबकि एन0 डी0 ए0 की पिछली सरकार ने अपने कार्यकाल मे केवलमात्र 40 रुपये की बढौतरी की थी। वह सरकार जो अपने आपको किसानो की हितैशी सरकार कहती थी उसने किसान के लिए पिछले पाचं साल मे 40 रुपये बढाए जबकि हमारी सरकार ने और पांच साल मे 450 रुपये बढाए। इन दोनो का आपस मे मिलान करके देखें कि कौन सी सरकार किसानो के हित की सरकार है। कोन सी सरकार किसानो की हितैशी सरकार है और कौन सी सरकार किसानो के हित को समझती है। इसमे कुछ कहने की जरुरत महसूस नही होती। अध्यक्ष महोदय हमारे अनुरोध पर यू पी ए सरकार ने हमारी सरकार ने चावल की 1121 पूसा धान की किस्म के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटवाया तथा उसको बासमती का दर्जा दिलवाया। हमारे जिन किसानो ने यह फसल बोई थी उनको इस वजह से बहुत लाभ हुआ और वे जिन्स को प्र्याप्त मात्रा मे बाहर भेजन में सफल हुए। स्पीकर सर, गन्ने का सर्वाधिक भाव किसान को दिया गया। पिछले चार वर्शो मे हमारी सरकार ने गन्ने की विभिन्न किस्मो के लिए 170, 165 और 160 रुपये का भाव दिया है जो पूरे दे ा मे सबसे ज्यादा है। पिछले चार वर्शो मे पहले हरियाणा मे जो सरकार थी उस सरकार

ने अपने पांच वर्श के कार्यकाल मे मात्र 10 या 12 रुपये की बढौतरी की है। 56 रुपये प्रति क्विंटल की बढोतरी पिछले चार साल मे की गई है। मै समझता हूं कि किसान के लिए जो गन्ने के भाव दिये गये है उससे हमारे हरियाणा के किसान बहुत खु ा है। किसानो की सबसे बडी समस्या यह भी थी कि बहुत से डिपार्टमैंटस बहुत से कार्यो के लिए जमीन का अधिग्रहण करते थे लेकिन किसानो को उनकी भूमि का प्र्याप्त मूल्य नही मिलता था। हमारी सरकार ने इसको मददेनजर रखते हुए दो बार फलोर रेट सं ोधित किए है। अब स्थान वि ोश के आधार पर ये दरें 20 लाख, 16 लाख और 8 लाख रुपये प्रति एकड निर्धारित की गई है और मुआवजा मे दूसरे लााि मिलने से यह रा ि ा बढकर 26 लाख रुपये, 20.80 लाख रुपये और 10 लाख 40 हजार रुपये हो जाती है। इसके साथ ही साथ सरकार ने नया सिस्टम बनाया है जिसके जरिये किसानो की नियमित आय सुनि ि चत करने के लिए 33 वर्श तक के लिए 15000 रुपये प्रति वर्श प्रति एकड रायल्टी और इसमे हर वर्श 500 रुपये की बढोतरी करने का निर्णय किया है। स्पीकर सर, इसमे एक बहुत ही जरुरी पक्ष है। हमारे किसानो भाईयो को जब मुआवजा मिलता था तो वे उस पैसे को परिवार मे कही न कही लगा देते थे। वह पैसा परिवार मे खर्च होने के बाद किसान भाईयो की परिवार की तरफ उतनी अहमियत नही रहती थी क्योंकि न तो उनके हाि मे जमीन थी और न ही उनके हाथ मे पैसा था। इसी बात को देखते हुए सरकार ने एक नया फैसला किया कि आने वाले 33 साल के लिए उसी भूमि के उपर उनको

जो पैसा मिला है उस पैसे के बावजुद उसके अलावा उनको 15 हजार रुपये प्रतिवर्श प्रति एकड उनको दिया जाएगा ताकि वह किसान अपनी जमीन जाने के बाद किसी के उपर निर्भर न रहे। किसान को अपनी जमीन से बडा प्रेम होता है और अपनी जमीन जाने के बाद वह किसी पर आश्रित न रहे इसलिए सरकार ने यह फैसला किया है। हमारी सरकार ने पहली बार नहर के पानी का समान बंटवारा किया है। स्पीकर सर, पिछले वर्शो मे देखा गया कि हरियाणा प्रदे ा के कुछ ऐसे इलाके है जिन मे पानी की भरमार थी उन इलाको मे जरुरत से ज्यादा पानी जाया करता था और कुछ ऐसे इलाके थे जहां पर भाायद देखने को भी पानी नही मिलता था। कृशि योग्य भूमि मे जब हमें सिंचाई के लिए पानी की आव यकता होती थी तो किसान आसमान की तरफ देखते थे। बारि ा के उपर निर्भर करते थे क्योंकि राजय मे नहरो का जाल नही था। यहां पर मुझे इस बात को कहने मे बडा गर्व महसूस होता है कि पंजाब और हरियाणा की सिंचाई स्वर्गीय पंडित जवाहर लाल नेहरु की सोच और स्वर्गीय रणबीर सिंह हुंडडा जी के प्रयासो से सम्भन हुई है। भाखडा डैम जब बना उसके बाद हरियाणा और पंजाब मे नहरो का जाल बिछा और सिंचाई की वजह से बंजर जमीने उपजाउ जमीने बनी। उसकी वजह से हमारे इलाके में खु ाहाली आई। लेकिन बदकिस्मती से कुछ लोगों के स्वार्थ की वजह से कुछ लोगों के लालच की वजह से इन इलाको मे कभी पानी की तरफ ध्यान नही दिया गया। हमारी सरकार ने पहली बार नहरी पानी के समान बंटवारे के लिए भाखडा मेन

लाईन हांसी–बुटाना नहर का निर्माण कार्य पूरा किया है। इस नहर से अम्बाला, कुरुक्षेत्र, करनाल, कैथल, जींद, हिसार जिले के हांसी मंण्डल, भिवानी, महेन्द्रगढ फरीदाबाद, झज्जर, रोहतक, सोनीपत ओर पानीपत के किसानो को लाभ होगा। अध्यक्ष महोदय, लगभग 300 करोड रुपए की लागत से अम्बाला सिंचाई परियोजना तैयार की गई है और केन्द्रीय जल आयोग की स्वीकृति के लिए भेजी गई है। इस परियोजना से वर्शा ऋतु मे यमुना नदि के अतिरिक्त पानी के उपयोग से यमुनानगर, अम्बाला ओर पंचकूला जिले की 1 लाख 35 हजार 628 हैक्टेयर जमीन की सिंचाई हो सकेगी और भू–जल स्तर मे भी सुधार होगा। स्पीकर सर, बहुत से प्र न यहां पर उठाए जाते है। और बहुत सी राजनैतिक पार्टियां अपने अपने नेताओ के द्वारा एस वाई एल कैनाल के बारे मे बहुत चर्चा करती है। एस वाई एल कैनाल का फैसला कांग्रेस की सरकार ने किया था। 1982 मे श्रीमती इंदिरा गांधी ने इसके निर्माण कार्य का उदधाटन किया था। एस वाई एल कैनाल काफी हद तक पंजाब मे बनाई भी जा चुकी थी। अध्यक्ष महोदय, 15 जनवरी 2002 को माननीस सर्वोच्च न्यायालय ने एस वाई एल के माध्यम से हरियाणा के पक्ष मे फैसला भी दिया। इस फैसले मे निर्दे ा भी दिए कि अगर पंजाब सरकार निर्धारित समय मे नहर का निर्माण करने मे असफल रहती है तो केन्द्र सरकार अपनी किसी एजेंसी से यथा सम्भव भीघ्रता से इसका कार्य पूरा करवाए। उस वक्त केन्द्र मे एन डी ए की, पंजाब मे अकालियो की और हरियाणा मे आई एन एल डी की सरकारे थी। आई एन एल डी

और अकालियो मे आपसे मे सांझा है, आपस का जो भाईचारा है उसको हम भूले नही है। लेकिन इनके आपस के भाईचारे और आपस की सांझ की वजह से जो नुकसान हरियाणा को हुआ है भाायद उसकी भरपाई कभी न हो सके। इसकी जवाबदेही उस वक्त की आई एन एल डी की सरकार को और आज उनकी पार्टी के याहं बैठे हुए मेरे दोस्तो को देनी पडेगी। अगर उस वक्त एस वाई एल कैनाल ये बना देते तो आज हरियाणा के लाखो करोडो लोगों को फायदा होता। सिर्फ अपने राजनीतिक स्वार्थ को साधने के लिए उनके साथ दोस्ती रखने के लिए हरियाणा मे एस वाई एल के पानी को नही जाने दिया गया। (विघ्न)

डा0 सु ाील इन्दौराः स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अभी भार्मा जी ने कहा कि उस वक्त सैंटर मे एन डी ए की सरकार थी, हरियाणा मे आई एन एल डी की सरकार थी और पंजाब मे अकाली दल की सरकार थी। अगर उस वक्त एस वाई एल नहर बना देते तो आज हरियाणा की जनता को बहुत फायदा होता। चलो मै मानता हूं कि उस वक्त नही बना प्ए लेकिन आज केन्द्र मे कांग्रेस की सरकार है, हरियाणा मे भी कांग्रेस की सरकार है। लेकिन मै इनसे यह पूछना चाहता हूं कि आज ये कब तक एस वाई एन एल नहर को बनवा देंगे। इस बारे मे ये सीधा जवाब दे दें। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः इन्दौरा जी, आपको पता है कि यह सारा मामला सब–ज्यूडिस है। (विघ्न) आप फिर भी यहां पर इस तरह

की बाते कर रहे हो। आप तो इस तरह से बात कर रहे हो जैसे कि आपको कुछ भी पता नही है। (विघ्न) You know the whole position. (विघ्न)

डा0 सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मै दावे के साथ एक बात कहता हूं कि नहर निर्माण के मामले मे कोई सब ज्यूडिस नही है।

श्री विनोद कुमार भार्मा : अध्यक्ष महोदय, मै इन्दौरा जी का बहुत भाुकगुजार हूं कि ये इतने यूनानमस है इतने लार्ज हार्टिड है कि ये अपनी गलती मानते है।

श्री अध्यक्षः इन्दौरा जी, आप ऐसा कह सकते है। इस बारे मे सुप्रीम कोर्ट के जजिज को राश्ट्रपति जी ने रैफरेंस किया हुआ है। यह सारा मामला फुल बैंच के पास है। (विघ्न)

डा0 सु ील इन्दौराः यह नहर निर्माण के मामले मे नही है।

श्री अध्यक्षः डा साहब, ऐस है कि इसके टैंडर हो चुके थे और यह नहर बार्डर तक बनानी थी। उसके बा ही सारा रैफरैंस आया है। डा0 साहब आपको सारा पता है।

डा0 सु ील इन्दौराः स्पीकर सर, इस नहर के निर्माण के मामले मे कोई भी मामला कोर्ट मे पैंडिंग नही है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः इन्दौरा साहब, आप अभी बैठें। (विघ्न)

डा0 सु ील इन्दौराः **********

Mr Speaker: Nothing is to be recorded.

श्री विनोद कुमार भार्माः स्पीकर सर, डा साहब की सबसे बंडी खुबी यही है कि ये अपनी बात को मान लेते है, अपनी गलती को युनानीमसली मान लेते है। यह बहुत अच्छी बात है। (विघ्न) डा0 साहब, मै तो आपकी तारीफ कर रहा हूं कि आपने कहा कि चलो, हम नही बना पाए और आप कब तक यह बना देंगे। यही इनका प्र न है। इनके प्र न का सिर्फ एक ही जवाब है कि इसको बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, हम इसको बनायेंगे। वक्त की बात नही है लेकिन ये मान गए है कि ये इसको बनाना नही चाहते थे। इस बात को ये मानते है कि ये इसको बनाना नही चाहते थे।

डा सु ील इन्दौराः स्पीकर सर, कांग्रेसी अगर रोडा नही अटकाते तो हमने तो कब की यह नहर बनवा दी होती।

श्री विनोद कुमार भार्माः स्पीकर सर, हमारे पास तो रोड ही नही है तो अटकाएंगे कहां से? आजकल कई यात्राएं चल रही है। कोई आक्रे ा यात्रा चल रही है और कोई जन–आक्रो ा यात्रा चल रही है। जन आक्रो ा तो है लेकिन वह जन आक्रो ा इनकी पुरानी सरकार के खिलाफ हैं उस यात्रा मे जिस तरह से लोग इनको बताते है कि वर्श 2004–05 मे पहले जिस प्रकार से पिछली सरकार ने कार्य किए, वह आक्रो ा अभी तक लोग भुला

नही पाए है। इस आक्रो ा का खामियाजा तो ये आने वाले चुनाव मे देख लेंगे कि लोगों मे इनके प्रति कितना आक्रे ा है। (विघ्न) स्पीकर सर, अब मै बिजली के बारे मे कहना चाहूंगा। पिछली सरकार ने पता नही क्यों बिजली की जरुरत को नही समझा। पिछली सरकार ने इस बात को नही समझा कि हरियाणा को बिजली की जरुरत पडेगी। अपने भाासनकाल मे उन्होने कोई भी नये बिजली के संयंत्र लगाने की कोि ा ा नही की। हमारी सरकार ने पिछले चार सालो के दौरान यह फैसला किया है कि इस समय जो बिजली की उत्पादन क्षमता लगभग 4753 मैगावाट है उसको हमारी सरकार आने वाले समय में और ज्यादा बढाएगी। स्पीकर सर, हिसार जिले मे खेदड गांव मे 4297 करोड रुपये की लागत से लग रहे 1200 मैगावाट की क्षमता का राजीव गांधी थर्मल पावर प्लांट का 50 प्रति ात कार्य पूरा हो चुका है। इसकी 600 मैगावाट की पहली ईकाई दिसम्बर, 2009 मे और 600 मैगावाट की दूसरी ईकाई माचं 2010 तक तैयार हो जाएगी। इसी तरह से फतेहाबाद में कुम्हारिया गांव मे 2800 मैगावाट का परमाणु संयंत्र लगाने के लिए हमारी सरकार प्रयासरत है। (विघ्न) हम चाहेंगे कि ये भी इस बारे मे हमारा समर्थन करें

डा0 सु ील इन्दौरा: स्पीकर सर, **********

Mr Speaker: Nothing to be recorded.

श्री विनोद कुमार भार्मा: स्पीकर सर, हमारी सरकार बिजली क्षे? को मजबूत बनाने के लिए लगभग चालीस हजार करोड खर्च कर रही है। (विध्न)

श्री अध्यक्ष: डा साहब, वा पालिसी बात रहे है और पालिसी बताने मे झूठ नही होता।

श्री विनोद कुमार भार्मा: स्पीकर सर, यह तो हमारी सरकार की पालिसी है। पूरी सिंसियरिटी के साथ हम काम करेंगे, इसका हम इनको वि वास दिलाते है। (विध्न) ग्याहरवीं पंचवर्शीय योजना मे राज्य मे बिजली उत्पादन, प्रसारण और वितरण मजबूत बनाने के लिए 25524 करोड रुपये की रा ि ा का प्रावधान किया गया है। इतनी रा ि ा का पहले कभी भी प्रावधान नही किया गया। नये संयंत्र लगाने के लिए और उत्पादन क्षमता बढाने के लिए इतनी रा ि ा का प्रावधान किया गया है। (विध्न)

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, इन्दौरा जी और सीता राम जी सीनियर सदस्य है इनको बैठे बैठे टिप्पणी नही करनी चाहिए। इन जेसे सदस्यो को बैठे बैठे अनाप भानाप टिप्पणी करना भाोभा नही देता। (विध्न)

श्री विनोद कुमार भार्मा: स्पीकर सर, हमारी सरकार ने किसानो के साथ साथ मजदूरो के साथ साथ व्यापारियो के साथ भाहरो मे जो कार्यकम चालू किए है उनके जरिए अर्बन एरियाज मे उन्नति के नये आयाम हमारी सरकार ने कायम किए है। यह बहुत

सराहनीय है। पहले जिन एरियाज मे सीवरेज की लाईने नही थी, वहां अब सीवरेज की लाईने पड रही है। जहां सडके नही थी, वहां सउके बनावाई जा रही है। हमारी सरकार ने अप्रेल 2008 में गृहकर हटाकर 9 लाख परिवारो को 35 करोड रुपये की रा ि ा का लाभ दिया है। पंचायती राज संस्थाओ के सदस्यो को सुविधाएं दी है। पेयजल प्रदान करने पर खासतौर पर ध्यान दिया है। गावों मे पेयजल की वि ोशतौर पर दिक्कत थी। हमारी सरकार ने इंदिरा गांधी पेयजल स्कीम भ ुरु की है और इस स्कीम के तहत तीन वर्शो में सरकार ने इंदिरा गांधी पेयजल स्कीम भ ुरु की है। और इस स्कीम के तहत तीन वर्शो में 8 लाख अनुसूचित जाति के परिवारो को मुफ्त कनैक ान दिये जाएंगे। अब तक 4.5 लाख से अधिक कनैक ान दिये जा चुके है। ऐजुके ान के क्षेत्र मे पिछले 4 वर्शो में सरकार ने बहुत सें काम किए है। कालेज ि ाक्षा, स्कूल ि ाक्षा, वि वविद्यालय, मेडीकल, तकनीकी तथा आई टी आई के दृश्टीकोण से हटकर भविश्य की जरुरत के अनुसार हमारी सरकार ने क्रोतिकारी पहल की है और ऐतिहासिक कदम उठाए है। वर्श 2008 को ि ाक्षा वर्श के रुप मे मनाया गया है। हमारे प्रदे ा मे इससे पूर्व ि ाक्षा का स्तर इतना गिर चुका था कि ि ाक्ष ग्रहण करने के बाद विद्यार्थि आगे नही बए पा रहे थे। स्पीकर सर, हमारी सरकार ने ि ाक्षा को आगे बढावा देने के लिए जो कार्य किए है उसके बाद वर्श 2007–08 मे जो ऐजुके ान इंडैक्स बना है उसमे वर्श 2006–07 मे हरियाणा प्रदे ा मे 20वें से 7वें स्थान पर पहुंच गया है। आने वाले समय मे इससे भी आगे

हम जाएंगे लेकिन ि ाक्षा के माध्यम से जो कार्य हम अपने विद्यार्थियो के लिए करना चाहते है उसमे हम कुछ कमी अव य महसूस करते है। विद्यार्थियो को ि ाक्षा ग्रहण करते समय वह मौके नही मिलते तो मिलने चाहिए। वि ोशतौर पर गावों मे रहने वाले विद्यार्थियो और गरीब बच्चो को जो मिलने चाहिए। लैवल पलेयिंग फील्ड जो एक तरह की समान ि ाक्षा है वह विद्यार्थियो को नही मिलती है, जिसकी वजह से वे बच्चे जब ि ाक्षा ग्रहण करके कंपिटी ान मे जाते है तो पीछे रह जाते हैं नौकरियां न मिलने का एक बहुत बडा कारण यह भी मै समझता हूं कि एक तरह का वातावरण, एक तरह का माहौल, एक तरह की ि ाक्षा और एक तरह के टीचर्ज सबको मिलने चाहिए ताकि ि ाक्षा ग्रहण करते समय किसी तरह का भेदभाव न हो और आगे चलकर वह बच्चे हमारे दे ा के कर्णधार बने। हरियाणा मे ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थि निकलकर दे ा मे और विदे ाो मे जाये और हमारा नाम रो ान करें। आज मंत्री जी ने प्र नकाल के दौरान यह बाते कही कि जो विद्यार्थी गरीब है उनके नम्बर कम आते है और वे फेल हो जाते है तो उनको पास करने के लिए ग्रेस मार्क्स दिए गए है। पिछले कई वर्शो से यह कार्य किया जा रहा है। फिर हम अपने बच्चो को ग्रेस मार्क्स देकर पढाएंगे तो यह सही है कि कुछ हद तक बच्चे ि ाक्षा तो ग्रहण कर लेगे लेकिन जब ि ाक्षा का फायदा लेना चाहेंगे यह कम्पीटी ान के एग्जाम मे जायेंगे और जब उनको नौकरी की तला ा होगी तब वहां पर हमारे द्वारा दिया गया फायदा, हमारे द्वारा दिये गये ग्रेस मार्क्स उनके काम नही

आयेंगे। ग्रेस मार्क्स की प्रक्रिया को छोडकर हमें ि ाक्षा के म्यार को, ि ाक्षा के स्टैण्डर्ड को आगे बढाना चाहिए। एक जैसा मौका सबको देना होगा ताकि ि ाक्षा के फील्ड मे सबको बराबर का हम मिले। हमारी सरकार ने गरीब परिवार के बच्चो के लिए अनूठी मासिक वजीफा स्कीमें बनाई है। हमारी सरकार ने अनुसूचित जातियो और पिछडे वर्ग की ए श्रेणी और गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले बच्चो को स्कूल और कालेज के स्तर पर 500 करोड रुपये की अनुठी मासिक वजीफा स्कीमे भाुरु की है। जिसके तहत अनुसूचित जाति के पहली कक्षा से पांचवी तक की कक्षाओ मे पढने वाले विद्यार्थियो को 100 रुपये और लडकियो को 150 रुपये प्रतिमाह दिए जा रहे है और छठी कक्षा से आठवी तक की कक्षा मे पढने वाले लडको को 150 रुपये और लडकिया को 200 रुपये प्रति माह दिए जा रहे है। नौवी कक्षा से बाहरवी तक की कक्षा मे पढने वाले लडको को 200 रुपये और लडकियो को 300 रुपये प्रति महीना दिये जा रहे है। इसके अलावा ग्याहरवी और बाहरवी कक्षा के विज्ञान विशय मे पढने वाले लडको को 300 रुपये और लउकियो को 400 रुपये प्रति माह दिये जा रहे है। अनुसूचित जाति के विद्याार्थियो को स्कूल खर्च के लिए कक्षा के अनुसार 740 रुपये और 1450 रुपये वार्शिक एकमु त एलाउंस भी दिया जा रहा है। हमारी सरकार ने यह फैसला उन लोगों को सामने रखकर किए है जो अपने बच्चो को पढाने मे असमर्थ है। यह हमारी सरकार का वायदा है कि इस मे सुधार किया जायेगा लेकिन साथ ही मेरा सुझाव है कि जो विद्यार्थी हमारे सरकारी

स्कूलो मे पढते है, जिन स्कूलो का नतीजा अच्छा न हो जहां पर मुतवातर लगातर अच्छे नजीते न आते हो, वहां पर पढाने वाले टीचज/साहेबन पर भी जिम्मेदारी होनी चाहिए। उनकी भी इस बारे मे रिस्पौंसिबिल्टी बनती है क्योंकि वे चन्द लोग हरियाणा प्रदे ा इस दे ा और विद्यार्थियो की जिंदगी के साथ खिलवाड करते है। अगर उनको कोई ढंग से नही पढाता है तो उनके अधिकारो से उन्हे वंचित किया जाता है। जो अधिकार हमारे संविधान मे और हमारे समाज ने उनको दिए हुए है उन अधिकारो से उनको वंचित किया जाता है जिसके लिए दोशियो के खिलाफ कडी से कडी कार्यवाही की जानी चाहिए। इस संदर्भ मे ि ाक्षा के प्रसारण के लिए नये वि ववविद्यालय हरियाणा सरकार ने अपने प्रदेश मे खोले है जिनमे सोनीपत मे दीन बंधु छोटूराम इंजीनियरिंग कालेज को दी बंधू साईंस एण्ड टैक्नोलोजी वि ववविद्यालय का दर्जा दिया गया है। गुरु जम्भे वार वि ववविद्यालय का दर्जा भी बढाकर साईंस एण्ड टैक्नोलोजी वि ववविद्यालय कर दिया गया है और गुरु जम्भे वर वि ववविद्यालय मे बिजनैस स्कूल और नालेज पार्क की भी स्थापना की जा रही है। खानपुर कलां मे भगत फुल सिंह महिला वि ववविद्यालय स्थापित किया गया है। ये वि ववविद्यालय देश का ऐसा पहला वि ववविद्यालय है जिसमे कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी का सब सैंटर खोला गया है। जिला रोहतक के गांव गरनावठी मे आई आई एम स्थापित किया जायेगा। यह दे ा का छठा आई आई एम होगा जो कि 165 एकड भूमि पर 250 करोउ रुपये की लागत से स्थापित किया जायेगा। इसके अलावा कुण्डली मे राजीव

गांधी ऐजुके ान सिटी भी स्थापित की जा रही है। इस सिटी मे आक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज वि ववि्यालय की तर्ज पर उच्च कोटी की ि ाक्षण संस्थाएं स्थापित होगी ताकि हरियाणा और एन सी आर के नोजवानो को अच्दी उच्च ि ाक्षा के लिए विदे ा न जाना पउे। यह एक बहुत ही सराहनीय कार्य है। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी और आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की तर्ज पर ये संस्थाएं स्थापित होगी और उनमे हरियाणा के विद्यार्थियो को 25 प्रति ात आरक्षण दिया जायेगा। हरियाणा के बच्चो को हायर स्टडी के लिए अच्छा मौका उनको घर पर ही मिलेआ और उनको विदे ा जाने की जरुरत नही होगी। अध्यक्ष महोदय, तकनीकी ि ाक्षा का प्रसार आज के युग की जरुरत है। पूरी दुनिया मे तकनीकी ि ाक्षा का प्रसार हो रहा है। दुनिया मे सबसे ज्यादा नौजवान है, पढे लिखे लोग है। जो मुल्क तरक्की याफता है आज वे मुल्क हिंदुस्तान की तरफ देख रहे है, हिन्दुस्तान के बच्चो की तरफ देख रहे है और यहां के पढे लिखे नौजवानो की तरफ देख रहे है। पिछले 40 सालो मे राज्य मे 257 तकनीकी संस्थाएं स्थापित हुई थी और आज प्रदे ा मे 610 तकनीकी संस्थाए है यानि कि पिछले 40 सालो के दौरान तकरीकी संस्थाओ में प्रवे ा पानपे वाले विद्यार्थियो की संख्या 40 हजार थी जबकि पिछले चार सालो मे यह संख्या 80 हजार हुई है। 40 सालो मे 40 हजार विद्यार्थी और 4 सालो मे 80 हजार विद्यार्थी यह अपने आप मे एक मापदण्ड है। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह इंजीनियरिंग कालेज 40 सालो मे 40 बने है जबकि इन 4 सालो मे 38 इंजीनियरिंग कालेज नये खोले गए है। यह भी अपने

आप मे एक मिसान है कि जितने कालेजिज 40 सालो मे खुले उतने ही कालेजिज इन सारकार ने 4 सालो में 61 और एम बी ए कालेजिज खोले गए है यानि कुल मिलाकर अब 93 एम बी ए कालेजिज है। ि ाक्षा की तरफ हमारी सरकार का ध्यान है ताकि ि ाक्षा के माध्यम से, ि ाक्षा के प्रसार से हम अपने बच्चो के लिए नौकरियो का प्रावधान कर सके ओर हमारे बच्चे नौकरियां पर कर अपने दे ा की सेवा कर सके। लउकियो ओर गरीब बच्चो के लिए सुविधाएं इस सरकार ने दी है। सभी आई टी आई और तकनीकी ि ाक्षा संस्थाओ मे प्रवे ा हेतु लडकियो के लिए 25 प्रति ात आरक्षण का प्रावधान किया गया है। रोजगार के क्षेत्र मे एक बहुत बडी समस्या हरियाणा और दूसरे प्रदे ाो मे है। हरियाणा मे खासतौर पर नौजवान विद्यार्थी जब पढ लिखकर आते है, वे रोजगार न मिलने की भाक्ल मे नाउम्मीद हो जाते है। रोजगार दिलवाने के लिए हमारी सरकार वचनबद्ध है। रोजगार दिलवाने के लिए हमारी सरकार ने जो कार्य किया है वह यह है कि नई उद्योग नीति से एक द ाक मे 10 लाख लोगों को रोजगार प्राप्त करवाने का लक्ष्य रखा है। अध्यक्ष महोदय, लाडली स्कीम बडी लोकप्रिय स्कीम है। इस स्कीम के तहत परिवार मे दूसरी लडकी के जन्म पर 5 वर्श की अवधि तक प्रति वर्श 5000 रुपये दिये जाते है। अभी तक इस योजना के तहत 87841 परिवारो को लाभ प्रदान किया जा चुका है। यह आमतौर पर देखा गया है कि जिन परिवारो मे सिर्फ लडकियां होती है उन परिवारो मे लडकियो के प्रति उदासीनता परिवार की तरफ से दिखाई जाती है। इस चीज को

सामने रखते हुए लाडली सामाजिक सुरक्षा पैं ान स्कीम नामक एक नई योजना भाुरु की गई है। ऐसे माता पिता को 60 वर्श की बजया 45 वर्श की आयु मे 500 रुपये प्रति माह पैं ान देने का निर्णय किया गया है। यह सही बात है कि सिकी भी समाज और प्रदे ा को आगे बढाने में हमारे नवयुवको का हाथ है। खेलो का विकास हमारे नवयुवको को आगे ले जाने मे और सक्षम करने मे अहम रोल प्रदान करता है। इसी बात को ध्यान मे रखते हुए बीजिंग ओलम्पिक मे मुक्केबाजी मे कांस्य पदक जीतने वाले भिवानी के श्री विजेन्द्र सिह को 50 लाख रुपये हमारी सरकार की तरफ से नकद ईनाम दिया गया है, इसी जिले के मुक्केबाजी मे ही क्वार्टर फाईनल मे पहुंचने वाले श्री अखिल कुमार व श्री जितेन्द्र कुमार को भी 25–25 लाख रुपये की रा ि ा बतौर ईनाम देकर सम्मानित किया गया। कु ती मे क्वार्टर फाईनल मे पहुचने वाले सोनीपत के श्री योगे वर दत्त को भी 25 लाख रुपये की रा ि ा ईनाम के तौर पर दी गई। यह रा ि ा हमारी सरकार ने ओलम्पिक मे गये मुक्केबाजो और दूसरे खिलाडियो का भी दी है। यह सब कुछ खेलो का सम्पूर्ण विकास करने के लिए किया गया है। मै यहां यह कहना चाहूंगा कि इससे पहले जो सरकार थी उसने खेलो का विकास की तरफ कोई ध्यान नही दिया जिससे हरियाणा मे जितना खेलो का विकास होना चाहिए था उतना विकास नही हो पाया। खेलो के विकास की तरफ उन्होने को तवज्जोह नही दी क्योंकि न तो वे खिलाडी थे और न ही खेलो के बारे मे कुद जानते थे। वे सिर्फ राजनीति जानते थे और अपने राजनीतिक

लाा के लिए खेलो के अदयरो मे बहुत ज्यादा इंटरफियरैंस करते थे जिससे कि हरियाणा मे पिछले समय मे जो खेलो का विकास हो सकता था वह नही हुआ। हमारी सरकार ने यह निर्णय लिया है कि हम अपने नोजवानो को बेहतर और आधुानिक सुविधाओ के साथ सीाी अंतर्राश्ट्रीय खेलो को अच्छे से अच्दा प्र ाक्षण दिलवाएंगे जिससे कि वे खेलो के क्षेत्र मे आगे बढकर ने ानल और इंटरने ानल लैवल पर प्रदे ा के साथ साथ दे ा का नाम भी रो ान कर सके। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथी हमारी सरकार ने एक बहुत ही सराहनीय कदम उठाया है। प्रदे ा सरकार द्वारा जम्मू क मीर से हरियाणा राज्य मे आए प्रत्येक क मीरी परिवार को एक हजार रुपये प्रति माह की वित्ती सहायता दी जा रही है। यह कैसी विडम्बना है कि हमारे दे ा मे हमारे ही देश के लोगों को अपने ही प्रदेश के कुद दह ात पसंद लोगों की कार्यवाही से अपना घर छोडना पडा और जब तक कि वहां के हालात ठीक नही हो जाते वे अपने प्रदे ा मे वापिस भी नही जा सकते। हमारी सरकार द्वारा उनकी मु कलो को देखते और समझते हुए उनके समर्थन मे उनकी मदद करने के लिए एक हजार रुपये प्रति मास की दर से उनको रा ा दी जा रही है। इस बारे मे मेरी सलाह है और मै अपनी तरफ से सरकार से गुजारि ा करुंगा कि सरकार को इस रा ा को बढाना चाहिए क्योंकि आज के युग मे एक हजार रुपये प्रतिमास देने से किसी परिवार का गुजारा नही हो सकता। एक हजार रुपए प्रति महीना उन लोगों के लिए बहुत ही कम रा ा है जो अपना घर बार छोड कर हमारे

पास आकर बसे है। उनकी भरपूर मदद करना आज हमारा धर्म है। अध्यक्ष महोदय, गरीब आदमी का अपना मकान हो यह सपना महात्मा गांधी जी ने देखा था। उनके इस सपने को पूरा करने के लिए हमारी सरकार ने 2300 करोड रुपये की लागत से महात्मा गांधी ग्रामीण बस्ती योजना तेयार की है। अध्यक्ष महोदय, यहां मै आपको बताना चाहूंगा कि वर्श 2004–05 में तत्कालीन सरकार का टोटल प्लान आउटलेअ 2236 करोड रुपये था और उस 2236 करोड रुपये मे से कितना पैसा उस सरकार ने लोगों की भलाई के लिए खर्च किया, कितना सडको पर लगाया और कितना अन्य विकास कार्यो मे लगाया यह तो मै नही बता सकता लेकिन मै यह जरुर कह सकता हूं कि वह पैसा कही लगा हुआ हमें दिखाई नही दिया। वह सारा पैसा कहा गया इस पर तो भाायद इन्दौरा जी ही रोशनी डाल सकते है। हम इंतजार करेंगे कि वे इस पर रो ानी डाले। अध्यक्ष महोदय, एक बात इन्दौरा जी को माननी ही पडेगी कि जो उनकी सरकार के समय मे पूरा प्लान आउटले था 2236 करोड रुपये और उससे ज्यादा रा ि ा यानि 2300 करोड रुपये की लागत से हमारे सरकार द्वारा गरीब आदमियो के परिवारो को 100–100 गज के मुफ्त प्लाट देने की योजना तैयार की गई हे। इस योजना के तहत अनुसूचित जाति के परिवारो को, बी सी ए कैटेगरी के परिवारो को और गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारो को 100–100 गज के प्लाट मुफ्त दिये जाएंगे। पिछली सरकार का जितना प्लान बजट था उतने पैसो मे हमारी सरकार द्वारा गरीब लोगों को मुफ्त प्लाट दिये जा रहे है

ताकि वे अपना घर बसा सके। इस योजना के तहत दो साल में 6 लाख परिवारो को मुफ्त प्लाट दिये जाएंगे और 27 जनवरी 2009 तक एक लाख 18 हजार से अधिक प्लाट आबंटित किये जा चुके है। इन बस्तियो मे सभी मूलभूत सुविधाये उपलब्ध करवाई जायेगी। गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले अनुसूचित जातियो तथा विमुक्त व टपरीवास जातियो के लोगों को मकान बनाने के लिए दिये जाने वाले अनुदान की रा ि ा को भी हमारी सरकार द्वारा 10 हजार रुपये से बढाकर 50000 रुपये कर दिया गया है। इसी तरह से इंदिरा गांधी पेयजल स्कीम के तहत 977000 अनुसूचित जातियो के परिवारो को निजी कनैक ान और पानी की टंकी मुफ्त प्रदान की जा रही है और अब तक साढे 4 लाख कनैक ान दिये जा चुके है। उन परिवारो के लिए सरकार की बहत बडी सोच थी कि जो लोग पीने के पानी से महरुम थे उन परिवारो के लिए पीने के पानी की टंकी और कनैक ान लगा कर दिये जाये ताकि उनको पीने का पानी मिल सके। इसके तहत 9 लाख 77 हजार लोगों को इसका फायदा होगा। अध्यक्ष महोदय, हमारे व्यापारियो की भलाई के लिए बहुत से कार्य हमारी सरकार ने किये है। छोटे से छोटे व्यापारी से लेकर बडे से बडे व्यापारी तक को हमने राहत दी है। चाहे हलवाई हो, विक्रेता हो, खुद्रा विक्रेता हो, टूल विक्रेता हो, जूता विक्रेता हो या छोटा दुकानदार हो, सबके लिए वर्श मे एक लाख रुपये से कम कर अदा करने वाले व्यापारियो को वार्शिक कर वितरण दाखिल करने वाले व्यापारियो को वार्शिक कर विवरणी दाखिल करने की छूट दी

गई। वैट डी–3 जारी करने की न्यूनतम सीमा 10 हजार रुपये से बढाकर 25 हजार रुपये कर दी गई है। देरी से अदा करने के मामले में ब्याज की दर 90 दिन तक 1.5 प्रति ात कम करके 1 प्रति ात कर दी गई है और 90 दिन बाद यह दर 3 प्रति ात से घटा कर 2 प्रति ात कर दी गई है। घोशणा फार्म का प्रयोग किए बिना मैन्यूफैक्चरिंग मे प्रयोग होने वाले 159 मदो पर कर की दर घटा कर 4 प्रति ात की गई है। चावल के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष निर्यात पर कर वापसी का प्रावधान कर दिया है। जैसे राज्यपाल महोदय के इस अभिभाशण मे सबसे पहले कहा गया कि पूरी दुनिया मे मंदी के हालात पैदा हुए है। उस मंदी का असर हमारे हरियाणा प्रदे ा पर भी है। यह असर खासतौर से उन लोगों पर जो व्यापारी भाहरो मे बैठे है। और छोटे छोटे सन्नतकार जो छोटी छोटी चीजे बनाकर इस दे ा से दूसरे दे ाो मे भेजते है, एक्सपोर्ट करते थे पर हुआ है। आज उनका कारोबार बंद होने के कगार पर आ गया है। आज इस मैल्ट डाउन का असर पूरे हरियाणा मे, पूरे दे ा मे और हर सूबे मे देखने को मिल रहा है। मै समझता हूं कि हमारी सरकार उन लोगों के लिए और भी कुछ ऐसे प्रावधान करेगी जिससे उनको राहत मिलेगी। ऐसी टैक्स कन्सै ान हम उनको दे जिसकी वजह से जो व्यापारी आज मु ि कल में है उन व्यापारियो के उपर जो बोझ है वह थोडा सा कम हो सके और वह मंदी के सफर से निकल कर फिर अपना अच्छा व्यापार कर सके। इसकी वजह से फिर से सरकार को अच्दी आमदनी होने लगेगी और हमारी सरकार हमारे प्रदे ा मे और

अधिक उन्नति कर सकेगी। जो लोग आजादी के लिए लडे उन लोगों ने अपने लिए दे ा की आजादी नही मांगी थी आज अगर हम आजाद दे ा मे रह रहे है, आज अगर हम आजाद दे ा मे रह रहे है, तो इसकी वजह से है क्योंकि उन लोगों ने हमारे लिए और अपनी आने वाली नस्लो के लिए लडाई लडी थी। भले ही उनको बहुत सी कुर्बानियां देनी पडी और उन लोगों के परिवारो को जितना ज्यादा लाभ हो सके मिलना चाहिए। हमें उनका सम्मान करना चाहिए। उसी फर्ज को सामने रखने हुए हमारी सरकार ने, हरियाणा सरकार ने हमारे स्वतंत्रता सेनानियो को 1525 रुपये की जो पैं ान मिलती थी उसको बढाकर 5500 रुपये कर दिया है। हरियाणा सरकार द्वारा 60 वर्श से अधिक उम्र के भूतपूर्व सैनिको तथा उनकी विधवाओ को जो कोई पैं ान प्राप्त नही कर रहे थे, को एक हजार प्रति मास की वित्तीय सहायता भी दी जाती है। हमारे माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भुपेन्द्र सिंह हुडडा एक स्वतंत्रता सेनानी परिवार से संबंध रखते है। उनके दादा और उनके पिताजी ने इस दे ा की आजादी के लिए कुर्बानियां दी थी और अपने परिवार मे उन्होने एक ही ि ाक्षा दी कि हम दे ा के लिए लडेंगे, दे ा की आजादी के लिए लडेंगे और उन्ही का अनुसरण करते हुए आज हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी, हमारे दे ा की आजादी के उन परिवारो के खानदानो को चलाते हुए आज अपनी सरकार के जरिये इस प्रदे ा के लिए और इस प्रदे ा के लोगों के लिए लड रहे है। मुझे उम्मीद और वि वास है कि जिस राह पर वे चल रहे है, जिस राह को हमारी सरकार ने पकउा है,

उस राह पर चलते हुए जैसे हमारे प्रदे ा के लोग खु ा है आज से पहले कभी इतने खु ा नही हुए है, मेरे साथ बैठे हुए लोगों को आने वाले समय मे इसका उदाहरण मिलेगा। इससे पहले कि मै अपने भाशण को विराम दूं मै आपके सामने एक बात जरुर रखना चाहता हूं कि हमारे प्रदेश मे कानून व्यवस्था की स्थिति आज से करीब 4 वर्श पहले कैसी थी। 4–5 वर्श पहले जैसी कानून व्यवस्था की स्थिती थी उसको बोलने बिना मै रह नही सकता हूं। उस वक्त ऐसा लगता था कि हरियाणा दिल्ली के पास होते हुए भी एक ऐसा प्रदे ा है जहां रहना दूभर और बहुत मु ि कल था। ऐसे लोग, जो सरेआम गुनाह करते थे, सरेआम जुल्म करते ि और गरीब आदमी को लूटते थे सरेआम दूसरो की जायदाद पर नजर रखते थे। स्पीकर सर, ऐसे लोगों का उस समय बहुतायत था ओर इस प्रकार के इंसिडैंटस आम होते थे। लेकिन इलाके मे कुछ ऐसा वातावरण बना कि दूसरे लोगों और बहुत से इंडस्ट्रयलिस्टस ने यह मन बना लिया कि हरियाणा से पलायन करके किसी दूसरी जगह पर अपनी इंडस्ट्री और बिजनैस ले जाएंगे। स्पीकर सर, मुझे आज यह कहते हुए खु ी हो रही है कि हरियाणा मे हमारी सरकार की नीतियो की वजह से पूरे दे ा से और विदे ाो से भी हजारो लोगों ने यहा आ कर अपनी इंडस्ट्री लगाने का मन बनाया है और इस प्रदे ा मे अपना धन लगाने की इच्छा व्यक्त की है। स्पीकर सर, इन भाब्दो के साथ मै आपका धन्यवाद करता हूं तथा सदन के सभी सदस्यो से यह

रैजोल्यू ान पास करने की प्रार्थना करता हूं और इसको स्पोर्ट करता हं।

श्री उदयभान (हसनपुर, अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद। 06 तारीख को महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो अभिीााशण सदन मे रखा और उसके संबंध मे माननीय साथी श्री विनोद भार्मा जी ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा है, उसके अनुमोदन के लिए मै खडा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने हमारे प्रदे ा के महान सपूत चौधरी रणबीर सिह जी, जो हमारे स्वाधीनता संग्राम के प्रमुख सेनानी थे, के संबंध मे जिक्र किया है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी रणबीर सिह जी के व्यक्तित्व और कृतित्व को हम कुछ भाब्दो मे ब्यान नही कर सकते। स्पीकर सर, उनका संघर्श तो इतनी बडी गाथा है कि उनकी प्र ांसा मे कितनी ही किताबे लिखी जा सकती है। वे बहुत ही बहुआयामी प्रतिभा के धनी थे। वे हमान दे ाभक्ति, ईमानदारी और विनम्रता की प्रतिमूर्ति थे और एक आद र्ावादी और दृढ नि चयी व्यक्ति थे। उनका जीवन राजनीतिक तौर पर, सामाजिक तौर पर, आर्थिक तौर पर और धार्मिक तौर पर बहुत बडे संघर्श की गाथा है। उन्होने अपने जीवन काल मे अपनी जवानी के दिनो में अंग्रेजो के भाासन के खिलाफ संघर्श किया। स्वाधीनता संग्राम के आन्दोलनो मे भाग लिया और साढे तीन वर्श धर मे कैद रहे और दो वर्श तक नजरबन्दी की जेल मे रहे। उन्होने आठ साल तक अम्बाला, रोहतक, लाहौर, मुल्तान, स्यालकोट, हिसार,

फिरोजपुर, आदि जेलो मे हमारी आजादी के लिए अपनी जवानी के दिन गुजारे। स्पीकर सर, मै समझता हूं कि हिन्दुस्तान के वे प्रथम ऐसे व्यक्ति थे जो सात साल तक विधाई संस्थाओ के सदस्य रहे। वे संविधान सभा के एकमात्र जीवित सदस्य थे। जहां वे संविधान सभा के सदस्य रहे, वही पर वे अस्थाई लोक सभा, राज्य सभा, पंजाब विधान सभा और हरियाणा विधान सभा के सदस्य भी रहे। सभी अदायरो मे रहते हुए उन्होने दे ा और प्रदे ा की सेवा की है जिसकी कोई तुलना नही की जा सकती है। उन्होने सिंचाई मंत्री के रुप में पंजाब और हरियाणा के किसानो को जो कुछ दिया है उसको भुलाया नही जा सकता है। आज हरियाणा, पंजाब और हिमाचल के अंदर जो खु ाहाली नजर आती है वह सब उनकी ही देन है। उनकी वजह से ही इन प्रदे ाा मे हरिज क्रांति आई है। स्पीकर सर, भाखडा बांध परियोजना भी उनके समय मे पूरी हुई और उसकी वजह से ही पंजाब और हरियाणा के किसानो ने बहुत तरक्की की है। इसके साथ साथ व्यास नदी पर पोंग डैम परियोजना भी उन्ही की देन है। हमारे यहां फरीदाबाद, गुडगांव, मेवात ओर पलवल चारो जिलो के साथ साथ राजस्थान के लोगों को भी गुडगांव कैनाल के माध्यम से सिंचाई सुविधा मिली है जिसका एकमात्र श्रेय श्री रणबीर सिह जी को जाता है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के ये चारो जिले उनका यह अहसान कभी नही उतार सकते है। स्पीकर सर, उन्होने अपने पिता चौधरी मातुराम जी, अपने दादा चौधरी बचतावर सिह जी से और आर्य समाज से सामाजिक मंच पर बोलने की प्रेरणा ली थी। अध्यक्ष महोदय, हमारे

स्वतंत्रता संग्राम के नायक लाला लाजपत राय जी और भाहीद आजम भगत सिंह जी के परिवारो से उनके संबंध थे उसका ही परिणाम था कि उन्होने सामाजिक मोर्चे पर संधर्श किया। उन्होने गरीबो के लिए लउाई लडी। हरिजनो और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के लिए लडाई लडी। वे हरिजन सेवक संघ और अखिल भारतीय पिछडा संध के भी अध्यक्ष रहे। उन्होने पिछडे वर्ग के प्रति, जातिवाद के प्रति जो पाखंड था अवि वास था उसक विरुद्ध लडाई लडने मे महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। चौधरी रणबीर सिह जी हमारे इस प्रदे ा के लिए और दे ा के लिए हमे ाा प्रेरणा स्तोत्र बने रहेंगे। अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदयन ने हरियाणा प्रदे ा की सरकार के नीतिगत दस्तावेज का जो बयौरा पे ा किया है उसके लिए मै माननीय मुख्यमंत्री जी को और उनके मंत्री मण्डल को बधाई देता हूं कि उन्होने चार साल के अंदर हरियाणा प्रदे ा को कहा से कहां पहुचां दिया हैं। अध्यक्ष महोदय, भार्मा जी ने जिक्र किया था कि चार साल पहले वर्श 2004–05 का प्लान बजट 2236 करोड रुपये था और अब 2009–10 मे 10 हजार करोड रुपए का प्लान बजट है। यह इस बात को द ार्ाता है कि हमारी सरकार ने माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भुपेन्द्र सिंह हुडडा के नेतृत्व मे कितना बेहतरीन और भाानदार कार्य किया है। यह जो पांच गुण प्लान बजट मे वृद्धि हुई है उसके लिए यह सरकार बधाई की पात्र है। अध्यक्ष महोदय, मै बताना चाहूंगा पिछले साल 6650 करोड रुपये का प्लान बजट था जो कि इस बार 10 हजार करोड रुपये का है। इस बजट मे

50 प्रति ात से ज्यादा की बढौतरी हुई है इस प्रकार से जो माननीय मुख्यमंत्री जी ने एक सपना देखा था और कहा था कि हरियाणा प्रदे ा को नम्बर एक पर लाउंगा उसको कार्यान्वित करते हुए आज जो प्रति व्यक्ति आय हरियाणा प्रदे ा की है वह पूरे दे ा मे गोवा के बाद दूसरे नम्बर पर है। यह आय 58 हजार 531 रुपये प्रति व्यक्ति प्रतिवर्श है जो कि अपने आप मे बहुत ही सराहनीय है। इसी प्रकार से इन्वैस्टमैंट के रुप मे सी एम आई (सैन्टर फार मानिटरिंग आफ इंडियन इकोनोमी) की रिपोर्ट आई है उसके मुताबिक हरियाणा प्रदे ा इन्वैस्टमैंअ के मामले मे नम्बर एक पर है। रिपोर्ट के हिसाब से 78 हजार 5 सौ रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से इन्वैस्टमैंट हुई है। अध्यक्ष महोदय, पांच साल पहलेा जो इनेलो की सरकार थी उनके समय मे हरियाणा प्रदे ा इन्वैस्टमैंट के मामले मे 13वें नंबर पर था ओर आज वही हरियाणा प्रदे ा पहले नम्बर पर है। इसके लिए मै इस सरकार को ओर सरकार के मंत्रिमण्डल को बधाई देता हूं। जहां तक सरकार का आम आदमी को लाभ देने का सवाल है, उसका तो कोई मुकाबला ही नही हैं बिजली के बिलो के ब्याज के बारे मे पिछली सरकार बनने से पहले वे कहते ि कि न मीटर रहेगा ओर न रीउर रहेगा। वे उस समय कहते ि कि बिजली तो आएगी लेकिन मीटर नही रहेगा। उनका उस समय यह भी कहना था कि बिजली के बिल देने की जरुरत नही है। ये लोगों को भडकाते थे ओर कहते ि कि जब हमारा राज आएगा तो बिजली के बिल किसी को भरने की जरुरत नही होगी और अगर बिजली वाले बिजली के बिल मांगने

आए तो आ उनके नाम कान काट लेना। वे लोगों को कहते ि कि आप उस्तरा रखेा और एक ब्लेड रखों उसके बाद लोगों ने बहकावे मे आकर बिजली के बिल भरने बंद कर दिए। भारतीय किसान युनियन के अध्यक्ष और दूसरे लोगों ने अपनी झाौली फैलाकर गांव गांव जाकर इनके लिए वोट मांगे राम गुप्ता और इनकी सरकार बनी। अध्यक्ष महोदय, इनका बिजली के बिल न भरने का बिल्कुल झुठा आ वासन था। जिन्होने इनके लिए वोट मांगे राम गुप्ता थे जब उन्होने इनसे कहा कि आपकी वजह से लोगों ने बिजली के बिल नही भरे और अब उनके उपर ब्याज का बोझ चढ गया है इसलिए अब आप कम से कम ब्याज तो माफ कर दें। स्पीकर सर, आपको भी पता है कि इनके राज मे एक दो नही बल्कि नौ नौ किसानो को गोलियों से उठाया गया था। स्पीकर सर, भारतीय किसान युनियन के अध्यक्ष घासीराम नैन ने घर घर जाकर इनकी सरकार बनवाने के लिए वोट मांगे थे। लेकिन जब उन्होने बिजली के बिलो के ब्याज माफ करने के लिए कहा तो उन पर केस दर्ज करके वे धाराएं लगायी गयी जो दे ा द्रोहियो, उग्रवादियो और राश्ट्र विरोधी तत्वो पर लगाई जाती है। इस तरह की धाराएं लगाकर उनको गिरफतार करके जेल मे ंडाल दिया गया था। मै चौधरी भुपेन्द्र सिह हुडडा जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होने बगैर किसी मांग के बिजली के बिल माफ किए। कांग्रेस पार्टी का इस बारे मे कोई वपायदा नही था फिर भी उन्होने एक कलम से ही 1600 करोड रुपये के बिजली के बिल माफ कर दिए। इसके लिए वे बधाई के पात्र है। इसी प्रकार से

823 करोड रुपये के कोओपरेटिव बैंक के, लैंड मार्टगेज के, हरियाणा हरिजन कल्याण निगम के, बैकवर्ड क्लासिज निगम के या लाई गई लोगों के जो लोन थे, जो ब्याज था वे सभी उन्होने माफ कर दिए। हाउस टैक्स चाहे वह देहात मे रहने वापलो का हो या भाहर मे रहने वालो का हो, सभी का माफ करने का भी काम किया है। मै इसके लिए सरकार का धन्यवाद करता हूं और अीाार व्प्यक्त करता हूं स्पीकर साहब, बिजली, सडक और पानी एक बुनियादी आव यकता है। मै माननीय मुख्यमंत्री जी को और बिजली मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा कि बिजली जैसे मामले मे जहां पिछली सरकारो ने कोई ध्यान नही दिया उन्होने एक भी प्रोजैक्ट नही लगाया वही हमारी सरकार ने बिजली के चार चार प्रोजैक्ट टेअप किए है। पहले केवल 1857 मैगरावाट बिजली का ही अपने लैवल पर उत्पादन होता था। स्पीकर सर, आपको पता ही है कि एक प्रोजैक्ट तैयार करने मे तीन साल तो कम से कम लग ही जाते है क्योंकि सबसे पहले जमीन एक्वायर करनी पडती है। उसके लिए धन मुहैया करवाना पडता है। जो मूलभूत आव यकताएं है उनको उपलब्ध करवाना पउता है। जो रॉ मैटीरियल है उसके लिए इंतजाम करना पउता है और यह देखना होता है कि यह प्लांट कोल बेस्उ होगा, नैप्था बेस्उ होगा या गैस बेस्उ होगा। मै आ चर्यचकित हूं कि चार चार प्रोजैक्ट इस सरकार ने टेकअप किए है। यमुनानगर का जो थर्मल प्लांट है यह पहले बीस पच्चीस साल से उलझा पडा था क्योंकि पहले वाली सरकार लेनदेन के चक्कर मे पडी थी, उनका सौदा नही पटा था।

अब इस सरकार के आते ही उसका काम भ्रुरु हुआ है। न केवल काम भ्रुरु हो गया है बल्कि आज वह रिकार्ड समय मे पूरा भी हो गया है और अब उससे उत्पादन भी भ्रुरु हो गया है। स्पीकर सर, इसी तरह से हिसार जिले मे खेदउ गांव मे 1200 मैगावाट के राजीव गांधी थर्मल प्लांट की 600 मैगावाट की पहली ईकाई का कार्य दिसम्बर 2008 मे और 600 मैगावाट का दूसरी ईकाई का कार्य मार्च, 2010 मे पूरा हो जाएगा। इसी प्रकार से झाडली मे 1500 मैगावाट का एक ओर प्रोजैक्ट है इसमे से आधी बिजली हमे मिलेगी। इसी तरह से 1320 मैगावाट का एक ओर प्रोजैक्ट है इसमे से आधी बिजली हमें मिलेगी। इसी तरह से 1320 मैगावाट का एक ओर प्रोजैक्ट झज्जर मे आ रहा है। इसके अलावा 3835 मैगावाट बिजली केन्द्र सरकार की विभिन्न परियोजनाओ से मिलने की व्यवस्था की गई। मै इसके लिए सरकार को बधाई देता हूं क्योंकि सरकार ने यह मामला बहुत गंभीरता से लिया है। इसके अलावा अक्षय उर्जा नीति के तहत 709 मैगवाट बिजली उत्पादन के लिए भी स्वतंत्र बिजली उत्पादको के साथ समझौते किए गए है। इसके अलावा ट्रांसमि ान लाईन पर सब स्टे ानो की क्षमता बढायी गयी है जो कि बिजली विभागी की तरफ से बहुत सराहनीय कार्य हुआ है। मै इसके लिए सरकार को बहुत बधाई देता हूं। जहां तक सडको की बात है, वर्श 2008–09 मे सडको का बजट 670 करोड रुपए था जो अब बढकर 1540 करोड रुपए कर दिया गया है यानि दोगुणे से भी ज्यादा सडक का बजट इस सरकार ने किया है। **17:00 बजे** अब सडको के बारे मे चर्चा हुई है। सरकार

ने जो कदम उठाए है उन पर चैक करने की जरुरत है ताकि कही क्वालिटी से कोई समझौता न हो, यह तो अलग बात है लेकिन सरकार ने जो काम किया है वह नजर आता है। सडको के लिए वर्श 2009–10 मे बजट दुगना किया गया है, 1540 करोड रुपए का बजट किया है। एन सी आर, नाबार्ड और पी एम जी एस वाई की स्कीम के तहत 2200 करोड रुपये से अधिक के कार्य भ्रुरु किए गए है जिनके लिए मै सरकार को बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को इनके इस प्रयास के लिए बधाई देना चाहता हूं कि वर्श 1966 से 2005 तक 16 आर और बी बने और इन चार सालो मे 33 आर और बी पर काम चल रहा है जिनमे से 9 पूरे भी हो चुके है और 7 आर और बी दिसम्बर 2009 तक पूरे हो जाएंगे। यह एक बहुत बडी उपलब्धि है। इसके लिए मै बधाई भी देना चाहूंगा और साथी ही साथ एक रिक्वैस्ट भी करना चाहूंगा। मुझे इस बारे मे आ वासन भी दे रखा है कि होडल हसनपुर रोड पर जैसे आर और बी के बारे मे लिखित उतर मे बताया, वह आर और बी 25 करोड 14 लाख रुपये की लागत से सैंग ान किया गया है उसमे रेलवे विभागी के अधिकारी की इस्पैक ान रिपोर्टबाकी कची है उसको भी जल्दी से पूरा कराएंगे, ऐसी उम्मीद है। इसकी हमारे इलाके मे बहुत ज्यादा आव यकता है। खुद मंत्री जी ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और वे इसके लिए बधाई के पात्र है। हमारे होडल हसनपुर वाले आर और बी को जल्दी से भ्रुरु करवाने की कृपा करें दूसरी जो सउके है रसुलपुर से वाया गुलाबपुर हसनपुर इसके अलावा

पालरी, मुंडफटी, मानपुरा और कौंडल गांव की सडक है। ये सडके पी एम जी एस वाई से मंजूर हुई थी और इनकी बहुत ही खस्ता हालत है। इन सउको के लिए फंड चाहे नाबार्ड से लो, चाहे एन सी आर या पी एम जी एस वाई से ले लेकिन इन सडको को जल्दी से जल्दी बनवाने का कश्ट करें जहां तक पानी का मामला है, उसके लिए भी सरकार ने बहुत प्रयास किए है। चौधरी रणबीर सिह जी के समय से रेणुका और किसाउ बांध की प्रपोजल चली थी, पिछली सरकार ने इस आरे बिलकुल ध्यान नही दिया था। इसके लिए मै माननीय मुख्यमंत्री जी को और सिंचाई मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा। ये कई बार इस सिलसिले मे दिल्ली मे मीटिंग्ज मे गए और इस मामले को पूरे जोर भाोर से उन मीटिंग्ज मे उठाया। रेणुका बांध हमारे हाथ से खिसक चुका था। उसको इन्होने दोबारा से सिरे लगाने का प्रयास किया और उसके लिए 100 करोड रुपए की रा ि ा भी दी। मुख्यमंत्री जी और सिंचाई मंत्री जी के प्रयासेा और इंटरवें ान से हमे इस मामले मे काफी कुछ कामयाबी मिली है। अध्यक्ष महोदय, रेणुका, किसाउ और लखवार डैम हमारे दक्षिणी हरियाणा की जीवन रेखा है। जहां तक हमारे फरीदाबाद और गुडगांव एरिया मे सिंचाई का सवाल है, जब इनमे कुछ पानी स्टोर हो जाए तो पुरा पानी इधर से ही आ सकता है। सिंचाई के पानी की सबसे बुरी हालत हमारे गुडगांव, फरीदाबाद ओर मेवात के हिस्से में है। जैसा कि मंत्री जी के नोटिस मे भी है कि मेरा जो क्षेत्र है उसमे तीन रजवाहे है जो आगरा कैनाल से जाते है उनमे एक तो होडल रजवाहा है, दूसरा

हसनपुर रहवाहा है और तीसरा हथीन रजबाहा है। इन तीनो की टेल मेरे हल्के मे जाती है और टेल पर पानी नही है। इसलिए मेरा क्षेत्र इससे सबसे ज्यादा अफैक्टिड है। होडल के आसपास जो 15 किलामीटर के रेडियस के गांव है, वे सारे के सारे अफैक्टिउ है उनमे किसी में भी पानी नही है मै बताना चाहूंगा कि बंचारी, सौंगा, डाडका, बोराका, सोमवास, गोडा पटटी, होडल, बलवाना और डकोरा ये ऐसे गांव है जहां न तो सिंचाई के लिए पानी है और न पीने का पानी है। जहां तक अंडरग्राउंड वाटर की बात है, वह खारा है। ये बहुत बडे बडे गांव है और सीधे तौर पर अफैक्टिड है। जो गोश्ठी ड्रेन है उस पर लिफट चैनल लगाकर डाडका माइनर के माध्यम से इनकी सिंचाई हो सकती है। मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से चाहूंगा कि क्या वे इस बारे मे जांच करवाएंगे और इस स्कीम के माध्यम से उन गावों में सिंचाई का पानी उपलब्ध करवाने की कृपा करेंगे? मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से अनुरोध है कि बन्चारी, सराये, सोन्ध, होडल आदि गावों मे पीने का पानी जरुर पहुंचाये। इन गावों के बारे मे 18 दिसम्बर, 2005 को माननीय मुख्यमंत्री जी ने सरकार की घोशणा मे कहा था कि होडल सब डिवीजन के किसी भी गांव मे पीने के पानी की कोई दिक्कत नही होनी चाहिए। इन पांच छह गावों मे पीने के पानी की सही व्यवस्था नही है। बन्वारी गांव मे तो पानी बिल्कुल नही है। हालांकि वहां पर पीने के पानी की स्कमी मंजूर हो गई है और 10–12 किलोमीटर से पानी आयेगा लेकिन उसमे बहुत डिले हो रही है। वह स्कीम पूरी होने वाली थी

लेकिन कान्ट्रक्टर बीच मे ही काम छोडकर चला गया है। इस स्कीम को थोडा सा काम बाकी है उसको भीद्रा करवाने की जरुरत है। आपके माध्यम से मंत्री जी से मेरा अनुरोध है कि इस तरफ भी ध्यान दिया जाए। जहां तक भाहरी विकास का मामला है, इसमे सरकार ने सराहनीय कार्य किया है इसके लिए मै सरकार को धन्यवाद देना चाहूंगा। मेरे हल्के की नगरपालिका को पिछली सरकार के समय चौटाला साहब ने भंग कर दिया था लेकिन इस सरकार ने उस नगरपालिका को दोबारा से बहाल कर दिया है इसके लिए मै सरकार का आभार व्यक्त करता हूं और धन्यवाद करता हू।

श्री अध्यक्षः क्यों भंग कर दी थी?

श्री उदय भानः स्पीकर सर, चौटाला साहब भेदभाव का रवैया रखने वाले थे इसलिए हमारी नगरपालिका को भंग कर दिया गया था और उनको इन कर्मो की सजा भी मिल गई। अभी तो इनके पल्ले कुछ नही है। अभी तो इनको इस बात के लिए खेदना है। इन्होने अपनी हार को स्वीकार कर लिया है कि ये अकेले दम पर कांग्रेस पार्टी का मुकाबला नही कर सकते। ये तो कोई न कोई बै ाखी ढुंढते है चाहे हाथी का सहारा मिल जाये चाहे बी जे पी का कमल मिल जाये। अध्यक्ष महोदय, मै आपकी याददा त ताजा करना चाहूंगा। हमारे फरीदाबाद मे बी जे पी नेता चाहे उस समय के अध्यक्ष श्री रतन लाल कटारिया हो, या बीजे पी पार्टी के विधायक दल के नेता श्री कुश्णपाल गुर्जर हो

इनमे से काई भी ऐसा नेता नही था जिसके लठठ नही लगे हो, जिनकी पिटाई न हुई हो ओर गोली न चली हो। सबके कुर्ते फाड दिए और इन्होने अटल जी और आडवाणी जी को जाकर त्राहि माम न किया हो कि हमे चौटाला जी के जुल्मो से बचाओ। उस जालिम से बचाओ। ये लोग बहुत बुरी तरह से जाकर रोए और अब जाकर इन्होने एक अवैध गठबंधन कर लिया। अध्यक्ष महोदय, अवैध रि तो का तो पता है उनका हाल तो वही होना है जो चांद मोहम्मद और फिजा का हुआ है। वह गठबन्धन ज्यादा दिन चलने वाला नही है। इनकी तो नेवला और सांप वाली दोस्ती है। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, मै सरकार को और मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूंगा कि ऐसी पापुले ान जो विलेजिज और भाहरा में थी जहां 50 प्रति ात से ज्यादा आबादी थी उनके डिवैल्पमैंट के लिए 50 लाख रुपये दिये गये जोकि बहुत ही क्रांतिकारी कदम है। उसके लिए मै सरकार को बधाई देना चाहता हूं। मेरे हलके मे होडल मे वार्ड नम्बर 9 किसी वजह से रह गया है उसके लिए सरकार से मेरा निवेदन है कि वहां पर पोपुले ान 60 प्रति ात से ज्यादा है और उसके लिए पैसा अभी तक नह पहुंचा है। मंत्री जी से निवेदन है कि वहां पर पैसा पहुंचाया जाए। दो गावों बुधराना और पिंगोठ भी इसी कंडी ान मे आते है। जो सुविधा मंत्री जी ने धोशित की है। मेरा मंत्री जी से निवेदन है कि वहां पर सुविध मुहैया करवाई जाए। मै इस सरकार का आभार व्यक्त करता हू कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने दलित परिवारो को 100–100 गज के प्लाट देकर इतना बडा काम किया है। अध्यक्ष महोदय, यह काम 40 साल पहले

श्रीमती इंदिरा गांधी जी ने किया था। हरियाणा प्रदे ा पूरे हिन्दुस्तान के अंदर पहला प्रदे ा है जहां पर यह येाजना लागू की जा रही है ओर लगभग एक लाख 18 हजार लोगों को महात्मा गांधी ग्रामीण बस्ती योजना के तहत प्लाट अलाट कर दिए गए है। यह बहुत बडा कार्य किया गया है और इसको भुलाया नही जा सकता। गरीब आदमी अगली बार ब्याज समेत सरकार को इसकी भरपाई करेगा, इसको कोई दो राय नही है। 40 साल पहले लोगों के पास गुंजाई ा होती थी। जितनी आज एक गज जमीन की कीमत है उस समय इतनी कीमत मे दो एकड जमीन आ जाती थी। आज एक गज, एक फुट तो क्या एक इंच जमीन के पीछे गोलियां चल जाती है। आज के जमाने मे एक आदमी के चार बेटे हो और उनके अलग अलग रा ान कार्ड हो और उनको अगर 500 गज जमीन मिलती है तो 500 गज जमीन की जितनी वैल्यू है उतनी वह सारी जिंदगी मे भी नही कमा सकता। गरीबो को प्लाट देना सरकार की बहुत बडी उपलब्धि है। इसमे नि चत तौर पर सरकार ने 6 लाख 7 हजार परिवारो को लाभ होना बताया है जो कि एक सराहनीय कार्य है। अध्यक्ष महोदय, मै एक बात जरुर कहना चाहूंगा कि इसमे थोडा सं ाोधन किया जाए कि जो लोग इस लाभ से किसी न किसी तरह वंचित रह गए है और उनको हक बनता है तो उनकी एप्लीके ान लेकर जांच करवाकर उनको ये प्लाट दिये जाए। अध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा के क्षेत्र मे आज सरकार ने अभूतपूर्व कदम उठाए है। खासकर भीमराव अम्बेडकर ने सबसे पहले ि ाक्षित बनो का नारा लगाया था उसको हमारे

मुख्यमंत्री भुपेन्द्र सिह हुडडा जी ने अमलीजामा पहनाया है। जो गरीब बच्चे पढाई न छोड जाते थे, कोई 5वी पढकर, कोई 8वी पढकर और कोई 10वी कक्षा तक पढकर वे पढाई न छोड जाए उसके लिए उनको वजीफा देने का बहुत बडा काम इस सरकार द्वारा किया गया है। जो एस सी/ बी सीज के पहली क्लास मे बच्चे पढने जाएंगे, उनको पीले कार्ड की जरुरत नही है और साथी ही बी पी एल वाली दूसरी जातियो के बच्चो को किताबे फ्री, वर्दी फ्री और साथ मे लडके को 100 रुपये वाली दूसरी जातियो के बच्चो को किताबे फ्री, देना का काम किया है। छठी से आठवी कक्षा तक के लडको को 100 रुपये और लडकिया को 150 रुपये प्रति मास देने का काम किया है। छठी से आठवी तक के लउको को 150 रुपये ओर लउकी को 200 रुपये प्रति माह और ग्याहरवी और बाहरवीं कक्षा तक के विज्ञान पढने वाले लडको को 300 रुपये प्रति माह तथा लडकियो को 400 रुपये प्रति माह वजीफे के रुप मे देने का जो काम किया गया है, वह एक सराहनीय कदम है और इसको एस सी और बी सी क्लास की पीढियां और खासकर दलित वर्ग के लोग कभी भुला नही सकते। अध्यक्ष महोदय, मै दो तीन बातें और कहना चाहूंगा। अगर सरकार इनको पूरा करवा दे तो न कोई हाथी बिगाड सकेगा, न कोई डायनोसार बिगाड सकेगा और न ही कोई अश्टावक हमारा कुछ बिगाड सकेगा। इन मे से किसी कै बस मे भी कुछ नही रहेगा। अध्यक्ष महोदय, दो तीन काम आप हमारे और करवा दें। एस सी और बी सी कैटेगरी के रिजर्वे ान मे जो बैकलाग है उसको पूरा कर दिया जाए तो बहुत

अच्दा होगा। अध्यक्ष महोदय, संविधान का जो 85वां सं ाोधन सरकार ने किया है जो 16.3.2006 से प्रोसपैक्टिड है उसको रिट्रोसपैक्टिव करो। 17 जून, 1985 के संविधान की जो मूल भावना है इसको पूरी तरह से पूर्ण भावना के साथ लागू करें अध्यक्ष महोदय, क्लास–1 और क्लास 2 की प्रमो ान मे रिजर्वेशन दी जाए तो आप देखेंगे कि इसके बेहतरीन परिणाम मिलेंगे। अध्यक्ष महोदय, मै ज्यादा समय न लेते हुए आप से यह अनुरोध करुंगा कि आप हमारी इन मांगो पर गौर करे और मेरा मंत्री जी से अनुरोध है कि मैने जो बताया है उन बातो को नोट कर ले और इनको पूर्ण करवा दें। धन्यवाद

Mr Speaker: Motion moved-

That an address be presented to the Governor in the following terms:

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 6th February, 2009 at 2:00 P.M."

डा सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, माननीय विनोद भार्मा जी ने जो धन्यवाद प्रस्ताव महामहिम राज्यपाल के अभिभाशण पर दिया है मै उस पर चर्चा करने के लिए खडा हूआ हूं। अध्यक्ष महोदय, मै अभिभाशण की भाुरुआत चौधरी रणबीर सिह जी से करुंगा जो महान स्वतंत्रता सेनानी थे। चौधरी रणबीर सिंह जी ने जिस तरीके से अपने व्यक्तित्व को उभारा और संवारा,

वह किसी समुदाय और किसी संस्था मे सुकुचित होकर नही रह सकता, कहने को भले ही वे कांग्रेसी थे लेकिन पूरे समाज का हित उनके अपने चिंतन मे समाहित था। मै समझता हूं कि आज दे ा को इसकी आव यकता है। इसके साथ ही मै उन लोगों का ध्यान इस ओर आकर्शित करना चाहता हूं कि आज प्रदे ा को दि ाा देने का दावा करने वाले नेताओ को अगर चौधरी रणबीर सिह जी के जीवन से कुछ सीखना है तो सबसे पहली चीज यह है कि वे अपने समस्त चिंतन को समाज के हित मे लगाये। मै चौधरी रणबीर सिंह जी के बारे मे कुछ भाब्द कहना चाहूंगा कि सच्चाई की बात कहने वाली एक राजनीतिक, दे ाभक्त आत्मा परमात्मा मे विलिन हो गई। ऐसे दे ा भक्तो और राजनीतिज्ञो को ही याद किया जाता है। स्पीकर सर, इस सदन की एक परम्परा है कि जब भी वर्श के प्रारम्भ मे विधान सभा का प्रथम सै ान भाुरु होता है तो सर्वप्रथम राज्यपाल महोदय का अभिभाशण होता है। महामहिम राज्यपाल के अभिभाशण के माध्यम से सरकार अपनी नीतियो और कार्यक्रमो का उल्लेख करके बताती है कि वह भविश्य मे प्रदे ा के लोगों के लिए क्या करने जा रही है और प्रदे ा के लोगों केक प्रति सरकार की क्या सोच है। अभिभाशण के माध्यम से समाज को आईना दिखाया जाता है कि सरकार किस तरह की नीतियां और कार्यक्रम बनाकर हर वर्ग का भला और हर प्रकार के विकास के कार्य करती है। स्पीकर सर, मुझे बडे खेद के साथ कहना पउ रहा है कि अभिभाशण मे कही कोई ऐसी झलक नही है। सरकार का गुणगान तो बहुत है ओर सरकार की प्र ांसा के कसीदे भी

बहुत पढे गये है। जैसे अभी माननीय विनोद भार्मा ही कह रहे थे कि घुमारियां मे परमाणु बिजली घर लगा देंगे। यह तो कोसो दूर की बात है। ऐसी बाते तो कही गई है लेकिन हकीकम और सच्चाई की बात यह है कि गरीब आदमी को कैसे अपना पेट भरने के काबिल बनाया जायेगा और जो लोग काम की तला ा मे आज दर दर भटक रहे है उन बेरोजगारो को कैसे रोजगार देकर लोगों का सम्पूर्ण जीवन संवारा जाएगा, इसके बारे मे अभिभाशण मे कुछ नही कहा गया है। स्पीकर सर, अभी एक माननीय सदस्य विनोद भार्मा जी ने चुनावी वायदो का जिक्र किया। मै चुनावी वायदो पर तो बाद मे आउगा लेकिन अभिभाशण मे आर्थिक मंदी की भी बात की गई है। अभिभाशण मे भ्ाुरु मे कहा गया है कि आज राश्ट्रीय और अंतराश्ट्रीय स्तर पर आथ्रिक मंदी है और अगर दे ा आर्थिक मंदी से गुजर रहा है तो प्रदे ा का भी आर्थिक मंदी से गुजरना स्वाभाविक है। प्रदे ा भी उससे प्रभावित हुए बिना नही रह सकता। आर्थिक मंदी के क्या कारण है यह कही नही बताया गया है। आर्थिक मंदी की परिभाशा भी नही दी गई है सिर्फ आर्थिक मंदी का जिक्र किया गया है। अध्यक्ष महोदय, यह अपनी असफलताओ को छिपाने के लिए सरकार का असफल प्रयास होते है कि अपनी असफलताओ को कैसे छिपाया जाये। हरियाणा सरकार ने भी अपनी असफलताओ को छिपाने के भरपूर प्रयास किए है लेकिन असफलताओ को दिपाना बहुत मु कल है। इन्ही कारणे से बेकारी और भुखमरी बढ रही है और किसान आत्महत्याये कर रहे हैं अध्यक्ष महोदय, मुझे एक रिपोर्ट पढने को

मिली जिसमे बताया गया था कि दे ा मे 17 हजार किसानो द्वारा आत्महत्याये की गई है। कांग्रेस पार्टी की जो राज्य और केन्द्र सरकार किसानो का मसीहा होने का दावा करे, उसके राज मे किसानो द्वारा आत्महत्याये करना बडी चिंता की बात है। विव ा लोग सरकार से जो उम्मीदे करते है कांग्रेस के लोग उनको कैसे पूरा कर सकते है? अध्यक्ष महोदय, आज आर्थिक मंदी का रोना रोया जा रहा है। आर्थिक मंदी का मतलब अपनी कमजोरियो पर पर्दा डालने की कोि ा ा की जा रही है सिवाय इसके और कुछ भी नही है। आर्थिक मंदी का मतलब होता है उत्पादित वस्तु का मूल्य कम हो जाना और जो उत्पादित वस्तुएं है उनका बहुतायात हो जाना। दे ा मे इतनी मात्रा मे वस्तुए हो कि उनको कोई खरीदने वाला ही नही हो। मै तो समझता हूं कि ऐसा कुछ भी नही है। आज कही नही लग रहा कि दे ा मे जो उत्पादित वस्तु है उनकी कीमत कम है या कही पर ऐसा भी नही लग रहा कि आर्थिक मंदी के नाम पर जो चीजे है वे बहुतायात मे है और हमें खुले तौर पर मिल रही है। लेकिन फिर भी एक ढकोसला बनाया जा रहा है और सबसे बडी बात प्रधानमंत्री और यू पी ए अध्यक्षा सोनिया गांधी को धन्यवाद दिया जाता है कि हमने इस आर्थिक मंदी पर कंट्रोल कर लिया है। आर्थिक मंदी के नाम पर पैकेज दिये जा रहे है। लेकिन वे पैकेज भी बडे बडे उद्योगपतियो को दिये जा रह है न कि किसी गरीब किसान को। यह हकीकत भी है ओर सभी जानते है कि कांग्रेस की सरकार उद्योगपतियो की सरकार है, गरीब आदमी और गरीब किसान के लिए उनके दिल मे

कोई जगह नही है। किसानो के लिए यह सिर्फ ढकोसला करती है और किसान के लिए काम नही करती। मै मजदूर का बेटा हूं मजदूर तो किसान के खेत मे काम करता है और मुझे पता है कि किसान के खेत मे कैसे काम किया जाता है। आर्थिक मंदी अगर देखने को मिली है तो यहा बडे बडे भोयर बाजारो पर देखने को मिली है। बडे औद्योगिक घरानो को दे ा मे 150000 करोड रुपये की हानि देखी गई है। इसमे दो राय नही या म्यूचुअल फंड मे मंदी देखी गई है। पिछले दिनो एक रिपोर्ट आई थी उस रिपोर्ट मे स्पश्ट कहा गया था कि जितने भी सरकारी बैंकस है अप्रैल से लेकर दिसम्बर 2008 तक उन्होने मुनाफा कमाया है और उसके बावजूद भी रिजर्व बैंक आफ इंडिया उनको आर्थिक पैकेज दे रहा है। अध्यक्ष महोदय, 3 लाख हजार करोड रुपये के करीब रिजर्व बैंक ने सिर्फ बैंको को पैकेज दिया है जबकि बैंक मुनाफा कमा रहे थे। आर्थिम मंदी का रोना रोने वाले लोगों को बता रहा हूं कि कांग्रेस सरकार ने आर्थिक मंदी के लिए क्या किया है? स्पीकर सर, मै नही समझ पा रहा हूं कि ये जो लाभ कमाने वाले बैंक है उनको रिजर्व बैंक ने कैसे पैकेज दे दिया, यह कोई आथ्रिक प्रबंधन नही है।

श्री अध्यक्षः इन्दौरा जी, आप पार्लियामैंट मे बोल रहे है या असैम्बली मे बोल रहे है?

डा सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण मे जो भ्ाुरुआत मे बात कही गई है मै उसी पर

बोल रहा हूं। अगर भाुरु मे आप कुछ पन्ने पलट कर देखे तो यही बाते लिखी हुई है। मै भी वही बात कहते हुए हरियाणा की ओर जा रहा हूं कि ऐसे आर्थिक प्रबंधन का दावा करने वाली यह हरियाणा प्रदे ा की सरकार है, वह भी इसी तरह की गतिविधियों से अछूती नही है। इसी प्रकार से हरियाणा प्रदे ा की जो आर्थिक कहानिया घडी जा रही है जैसे कहा गया है कि वर्श 2007–08 मे प्रति व्यक्ति आय 58531 रुपये आंकी गई है। **(इस समय सभापतियो की सूची मे से एक माननीय सदस्य श्री कर्ण सिंह दलाल पदासीन हुए)** सभापति महोदय, वर्श 2007–08 के दौरान सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जी एस डी पी) का आंकलन 153087 करोड रुपये किया गया जबकि वर्श 2006–07 मे यह 130033 करोड रुपय था और वर्तमान मूल्यो पर 17.7 प्रति ात वृद्धि दर्ज की गई है। जो पर कैपिटा इन्कम दिखाई गई है वह औसतन दिखाई गई है लेकिन उसमे यह तो बताया ही नही है कि कौन इससे नीचे है और कितने परसैंट लोग इससे उपर है। मेरी मान्यता है कि अगर हम सही आंकलन करे और सही ढंग से देखे तो पर कैपिटा इन्कम में हरियाणा आगे नही है जबकि सरकार कहती है कि गोवा के बाद हमारा दूसरा नम्बर है। हम इस बात को मान भी ले तो पर कैपिटा इन्कम मे कितने ऐसे लोग है इसकी कोई दर भी नही बताई गई है। थोडे से लोग हो सकते ळै जिनके पास पैसो की कोई कमी नही होगी लेकिन ज्यादातर लोग गरीब है फिर भी हम बडे गर्व के साथ कहते हे कि हम नम्बर एक है। चेयरमैन साहब, दूसरी बात यह है कि मै हरियाणा न्यूज

देखता हूं और हरियाणा न्यूज मे पर कैपिटा इन्कम भी आती है। दूसरी जगहो से भी आंकडे आते है मै उनका भी जिक करुंगा। बडे दावे के साथ ये लोग उंगली उठा कर यह कहते ळे कि हरियाणा नम्बर वन पर है लेकिन हरियाणा नम्बर वन पर कहां से है? जिस प्रदे ा मे किसान को वक्त पर खाद नही मिलती, जिस प्रदे ा मे किसानो की लागत मूल्य बीज से ज्यादा है वह हरियाणा प्रदे ा मे किस प्रकार से नम्बर वन पर आ पाएगा? चेयरमैन साहब, बडे दावे किए जाते ळै कि इतनी बिजली पैदा कर दी। बिजली के बारे मे मै थोडी देर मे आता हूं। चेयरमैन सर, मै यह कहना चाहता था कि इस पर कैपिटा इन्का का क्या फायदा हुआ है। इसके अधिक से अधिक भरमार उन लोगों की है जिनकी इन्कम 5800 से भी कम है वे लोग अपने बच्चो को ि ाक्षा कहा ंसे दिलवाएंगे क्या उनके लिए सरकार ने कोई इंतजाम किया है। मुझे तो नही लगता कि सरकार ने इस तरफ कोई ध्यान दिया है। ऐसे बच्चे जिनकी आमदनी कम है वे अपने अभिभावको को जीवनयापन के साधन कैसे मुहैया करवा पाएंगे, कैसे उनकी देख रेख कर पाएंगे? यह सब कैसे होगा? जिन बेचारो के पास झोपडी तक नही है और सिर ढंकने के लिए छत नही है इस महंगाई के दौर मे वे लोग अपने सिर छिपाने के लिए किस प्रकार से झोपडी तैयार कर पाएंगे यह तो सरकार ने बताया ही नहीं। बडे बडे दावे के साथ एक बात कह दी कि हरियाणा दे ा मे नम्बर एक पर है। चेयरमैन साहब, इससे बडी और क्या बात हो सकती है कि ये लोग गरीबो की बात करते है। हरियाणा प्रदे ा की सरकार और

केन्द्रीय सरकार इस दे ा का हिस्सा है। अगर यहां पर हम केन्द्र सरकार की बात कर रहे है तो कृशि के नाम पर सरकार ने क्या किया? कांग्रेस पार्टी की सरकार चाहे दे ा मे हो या प्रदे ा की हो ये लोग राजनीतिक रोटियां सेंकने मे कोई गुरज नही करते है। चेयरमैन सर, ये लोग कोई न कोई ऐसा भी ाा छोड देते है जिससे किसानो को कम फायदा होता है और उनके बीच के दलालो को ज्यादा फायदा होता है। आज अगर हम सही मायनो मे देखे तो किसान को जो सुविधाएं मिलनी चाहिए वह नही मिल रही है। अगर खाद की बात करे तो किसान को खाद वक्त पर नही मिलता। अभी हमारे साथी उदय भान जी कह रहे थे कि तीन नहरे लगती है लेकिन टेल पर आत तक पानी नही पहुंचा है। जब जरुरत होती है तो खाद के वक्त खाद नही और बीत के वक्त किसान को बीज नही मिलता। यहां तक कि जब बेचारा किसान डीजल से अपनी फसल पकाने का काम कर रहा होता है तो वह भी समय पर नही मिलता है। चेयरमैन सर, इस प्रकार से किसान का भला कैसे होगा? अगर हम आंकडो मे देखे तो हमे सबसिउी के नाम पर क्या मिलता है? केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही सबसिडी की बात करे तो सबसिडी का असर सीधे हरियाणा सरकार पर भी पउता है। सबसिडी के नाम पर करोडो रुपये दिये जाते है लेकिन किसान को उसका कोई फायदा नही मिलता है। करोडो रुपये की सबसिडी दी जाती है लेकिन उसमे हमने किसानो के लिए कभी प्रयास नही किया कि किसान की जो फसल है उसका लागत मूल्य कम हो और उसकी उपज है उसके भाव को

बढाने का काम करते। हमने पिछली बार 46 रुपये कपास का समर्थन मूल्य बढाने का काम किया था। केन्द्र सरकार समर्थन मूलय बढाकर किसान की आस जगा देती है कि सरकार कुछ तो देगी। चाहे गेहूं की बात हो चाहे दूसरी फसलो की बात हो, लेकिन उस अहास मे मिलता क्या है। अभी यहां पर ये कह रहे थे कि हमने पूसा धान पर प्रतिबंध हटा दिया आज 100 रुपये की जो एक्सपोर्ट डयूटी थी वह घटा दी लेकिन इससे किसानो को क्या मिला। किसान के हाथ से निकल कर वह धान तो अब बिचौलियो के हाथ मे चला गया है तो आपने एक्सपोर्ट डयूटी घटा दी और वाहवाही लूट ली लेकिन यह डयूटी तो किसानो का भला नही कर सकती है। आपने उस वकत प्रतिबंध हटाया जब उसके भाव गिर रहे थे। आज आप मुच्दल धान का भाव जाकर पूछो। (विघ्न) किसानो की जीरी किस भाव मे बिकी थी, आप वह भी देख ले और आज किस भाव मे बिक रही है वह भी देख लें। आज जीरी को 1300–1400 रुपये प्रति क्विंटल मे भी कोई नही पूछता। किसानो ने अपनी जीरी को घरो मे तुडी की तरह रखा था लेकिन उसका उनको कोई फायदा नही हुआ। उन्होने गिली जीरी घरो मे रख ली थी और वह सुख कर आधी हो गई लेकिन उनको उसका कुछ भाव नही मिला और आज यह सरकार किसानो के भले की बात करती है। चेयरमैन साहब, कृशि वि ोशज्ञो की जो रिपोर्ट है मै उसके अनुसार बताना चाहता हूं कि गेहूं कि प्रति एकड लागत 22700 रुपये थी और बिकी 18000 रुपये प्रति एकड के हिसाब से। यानि कि किसान को 4700 रुपये प्रति एकड का नुकसान हुआ है।

अगर धान की बात की जाए तो किसान की प्रति एकड लागत 27265 रुपए आती है और आमदनी 25000 रुपए प्रति एकड होती है। चेयरमैन साहब, ऐसे कैसे चलेगा? हमने कभी प्रयास नही किए कि उनको अच्छे दाम मिले। चेयरमैन सर, माननीय मुख्यमंत्री जी सदन मे नही है, वे कुछ करोड रुपये सोनिया गांधी जी से माफ करवा कर ले आए और सोनिया गांधी जी के कंधे पर हल रख कर कह देते है कि सोनिया गांधी किसानो की सबसे बडी हितैशी है। बेचारी सोनिया को क्या पता कि कनक क्या होती है, चने क्या होते है। उनको तो यह पता है कि यह आटा है, यह कनक का है और यह चने का है। तो ऐसे मे किसानो का भला नही हो सकता। अगर सरकार सही मायने मे किसानो का भला चाहती है तो यह जो खाद की कालाबाजरी है पहले इसको बंद करना होगा। यह जो बीत के कटटे टाईम पर नही मिलते है उनको पूरा करना होगा। दूसरे जो सिंचाई के पानी की बात यहां पर आई मै उस बारे मे कहना चाहूंगा। अब विनोद भार्मा जी सदन मे बैठे हुए नही है वे कह रहे थे कि एस वाई एल का पानी हमारी पार्टी लाई है। मै यह कहना चाहता हूं कि अगर एस वाई एल नहर का पानी हरियाणा मे कोई लाएगा तो चौधरी देवी लाल जी के पद चिन्हो पर चलते हुए चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी ही लाएंगे यह कांग्रेस के बस की बात नही है। मै तो यह कहता हूं कि कांग्रेस के लोगों ने सिर्फ एस वाई एल कैनाल के नाम पर एक विवाद खडा कर दिया है। इससे कांग्रेस का कोई लेना देना नही है। इनकी सरकार के वक्त के चार साल के अभिभाशणों को मै पढ

रहा हूं। आखिरी साल मे भाायद इस सरकार का एक और अभिभाशण आएगा। उसके बाद आएगा कि नही आएगा। (विघ्न)

श्री नरे ा कुमार प्रधानः चेयरमैन सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मै आपके माध्यम से अपने साथी से जानना चाहता हूं कि ये जो इतना इतरा कर किसानो की बात कर रहे है क्या ये वही लेाग नही है जिन्होने किसानो से वायदे किए थे कि जब भी औम प्रका ा चौटाला की सरकार आएगी तो न मीटर रीडर होगा और न ही मीटर होंगे? जब इनकी सरकार आई तो किसानो ने इनको इनका वायदा याद करवाया तो इन हत्यारो ने बिजली बिल माफ करने की बजाय किसानो का भला करने की बजाय, उन पर गोलियो की बौछार करवा दी थी। 'वाह रे चौटाला तेरा कानून, पानी महंगा सस्ता खून'। आज ये किस मुहं से यहां पर किसानो के भले की बात कर रहे है। आज इनसे भार्म भी भार्मा रही है। ये यहां पर बोलते हूए सोनिया जी तक पहुंच गए। छोटा मूहं बडी बात करते है। जिस सोनिया गांधी ने 60000 करोड रुपए का किसानो का कर्जा माफ करवाया उसके उपर ये कटाक्ष कर रहे है। चेयरमैन साहब, इनके लिए बडे भार्म की बात है। पता नही किस मुहं से ये बात कर रहे है, कौन से गांग जल मे ये मुहं धोकर आते है? औम प्रका ा चौटाला जी ने चुनाव जीतने के लिए तीन तीन साल के बच्चो पर महम के अंदर गोलियां चलवा दी थी लेकिन आज ये कानून व्यवस्था की बात करते है। आज अखबारो मे कई कई पेजो पर जन आक्रो ा यात्रा के बारे मे इन्होने

विज्ञापन दे रखे है। क्या ये उस जन आक्रो ा को भूल गए जब इनकी सरकार के वक्त बहादुरगढ के अंदर पांच पांच साल की बच्चियो का रेप कर उनको कुचल दिया जाता था और उनकी हत्या कर दी जाती थी? वाहवाही लूटने के लिए यह कह कर कि हमने हत्यारो को पकउा है, राह चलते पागल कुत्तो पर मुकदमे बनवा दिए जाते थे लेकिन आज ये किसान की बात कर रहे है, जन आक्रो ा की बात कर रहे है। क्या लोग यह भूल गए कि इनकी सरकार के वक्त मे दुलीना के अंदर चार चार हरिजन के बच्चो को जिंदा जलवा दिया गया था तब जन आक्रो ा करने वाले कहां गए थे? क्या हरियाणा के लोग उस बात को भूल जाएं? आज किस मुहं से ये इतरा रहे है। बडे दुख की बात है भार्म की बात है। (विघ्न)

डा0 सु ाील इन्दौराः चेयरमैन साहब, क्या प्वायंट आफ आर्डर इतना लम्बा होता है? (विघ्न)

श्री रामफल चिडानाः चेयरमैन साहब, आप मेरी बात सुनें।

श्री सभापतिः चिडाना साहब, आप बैठिए क्योंकि आपके नेता अपनी बात कहने लग रहे है ंडा0 साहब, आप अपनी बात पूरी करिए।

डा0 सु ाील इन्दौराः सभापति महोदय, अगर प्वायंट आफ आर्डर इतना ही लम्बा होगा तो मुझे ऐतराज नही है, मुझे

दिक्कत नही है। आप मेरे से पहले उनको भाशण दिलवा दिजिए। प्वायंट आफ आर्डर तो केवल क्लैरिफिके ान के लिए होता है। सरकार मे चमचो की कमी नही होती है और चमचो का इलाज मेरे पास नही है। (विघ्न)

श्री सभापतिः वे आपके लिए कुछ नही कह रहे है।

डा0 सु ील इन्दौराः सभापति महोदय, वे मेरे लिए तो नही कह रहे है लेकिन जिस किसी के लिए भी वे कह रहे है उससे एक प्रकार की झलक तो मिलती ही है। सर मै यह कह रहा था कि यह बात हकीकत है और सारा दे ा इस बात को जानता भी है कि अगर कोई किसान के हित की बात करता था तो उसका नाम चौधरी देवी लाल ही है। अगर यह सच नही है तो आप बताओ। चौधरी देवी लाल जी ने हमे ाा किसानो के लिए लडाई लडी। किसानो की बहुत सी स्कीमज चौधरी देवी लाल जी ने चलाई । चाहे ओलावृश्टी का मुआवजा देने की बात हो, चाहे और कोई बात हो, चौधरी देवी लाल जी ने ही किसानो के लिए यह स्कीम भाुरु करवाई। इन्होने बुढापा पैं ान 500 रुपये करने की बात कही थी लेकिन एक अठन्नी भी नही बढाई। सर, मै यह कह रहा था कि एस वाई एल कैनाल हरियाणा प्रदे ा के लिए जीवन रेखा है। उसका पानी लाना हर सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। जहां तक मेरी जानकारी है कि एस वाई एल कैनाल के निर्माण का कोई मामला आ भी कोर्ट मे लंबित नही है। ये चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी के प्रयास ही थे कि वर्श 2002

में कोर्ट से यह निर्णय हुआ कि एक साल के अंदर पंजाब सरकार यह नहर बनवाएगी और अगर एक साल के अदंर पंजाब सरकार यह नहर नही बनवा सकती तो केन्द्रीय सरकार किसी केन्द्रीय एजेंसी के माध्यम से यह नहर बनवाएगी। अगर निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा फिर पानी तो आ ही जाएगा। सभापति महोदय, मै इस बात को नही कहता। 19 दिसम्बर, 1991 को तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा विधान सभा में खुलकर स्वीकार किया था कि एस वाई एल कैनाल पर अगर सबसे ज्यादा काम हुआ है तो वह चौधरी देवी लाल जी की सरकार के समय मे हुआ है। उन्होने यह भी कहा था कि मेरी चौधरी देवी लाल जी से कोई दोस्ती नही है कि मै दोस्ती मे यह कह रहा हूं। चौधरी बंसी लाल जी की एक आदत थी कि वे सही बात को सही बात कहते थे इसलिए उन्होने कहा था कि एस वाई एल कैनाल पर अगर सबसे ज्यादा काम हुआ है तो वह चौधरी देवी लाल जी के टाईम मे ही हुआ था। एस वाई एल कैनाल की अगर पैरवी हुई है तो वह औम प्रका ा चौटाला जी के टाईम मे हुई है। कांग्रेस के लोग सिर्फ और सिर्फ विवाद पैदा करने का ही काम करते है।

Shri Tajender Pal Singh Mann: Chairman Sir, I have a point of order. यह जो देवी लाल जी वाली बात कही है, यह गलत है। मै भी उस सयम सदन का सदस्य था लेकिन उस समय चौधरी बंसी लाल जी ने यह नही कहा था कि देवी लाल जी के समय मे इस बारे में कुछ हुआ था। बंसी लाल जी उन दिनो कांग्रेस के मुख्यमंत्री थे। उस समय उन्होने सारे पंचो को, सरपंचो

को बैंकस मे ले जाकर नहर का कंस्ट्रक ान दिखाया था and which was almost 90% completed. Indoraji must make this correction in his record. यह रिकार्ड की बात है।

डा0 सु ाील इन्दौराः सर, यह भी रिकार्ड की बात है जो मै बता रहा हूं।

ि ाक्षा मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): जो मान साहब कह रहे है यह भी रिकार्ड की बात है।

डा0 सु ाील इन्दौराः आप रिकार्ड निकालकर देख ले यदि मेरी बात सच नही होगी तो मै इनकी बात मान लूंगा। यह हकीकत है कि पैरवी की है तो औम प्रका ा चौटाला साहब ने की है। दे ा के लोग और प्रदे ा के लोग इस बात को जानते है कि कांग्रेस ने तो सिर्फ विवाद पैदा करने का काम किया। उसाक सबसे बडा उदाहरण यह है कि हांसी–बुटाना लिंक चैनल बनवाकर विवाद पैदा कर दिया। पानी का समान बंटवारा ही करना था। यह बात तो सारा प्रदे ा कहता है, कौन इसके लिए मना करता है लेकिन नहर बनाकर प्रदे ा का 500–700 करेाड रुपये बेफिजूल खर्च कर दिय गया है। उस समय मुख्यमंत्री जी और मंत्री जी कहां गए थे? चाहिए तो यह था कि दूसरे राज्यो की सरकारो के साथ बैठक करके पहले उस मामले को सुलझाते कि हमने पानी लेना है। (विघ्न)

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): चेयरमेन साहब, इन्दौरा जी पहले यह बताए कि ये बी एम एल हांसी बुटाना के हक में है या खिलाफ है? इनके नेता जनआक्रो ा यात्रा निकाल रहे है। उन्होने यह कहा कि यदि बी एम एल हांसी बुटाना लिंक नहर बन जाती है तो हरियाणा मै गृह युद्ध छिड जाएगा। ये इस प्रकार की भाशा का इस्तेमाल करते हैं खुद पीछे होकर बादल को आगे कर रखा है ओर पीछे लोकदल के ये लोग है। ये नही चाहते कि जो हरियाणा की असली जीवन रेखा है जिसके बनने से 16 जिलो को लाभ होगा, वह बने। यह आज उसकी निंदा कर रहे है। इनको थोडी बहुत भार्म आनी चाहिए। इनको प्रदे ा के हित की कोई चिंता नही है।

डा0 सु ील इन्दौरा: हम पूरी चिंता करेंगे।

Mr Chairperson: No running commentaries, please.

कैप्टन अजय सिह यादव: बी एल एल हांसी बुटाना लिंक नहर हरियाणा की असली जीवन रेखा है जिसके बनने से 16 जिलो को लाभ होगा। इस नहर का बनना निहायत जरुरी था। हमने अपने इलैक ान मैनीफैस्टो मे भी कहा था कि हम पानी का समान बंटवारा करेंगे।

Mr. Chairperson: No running commentaries, please.

कैप्टन अजय सिह यादव: सभापति महोदय, इन्होने कोई भी ऐसी कार्यवाही नही की जिससे पानी का समान बंटवारा

हो सके। नारनौल मे पीने के पानी की बहुत कमी है। रिवाडी, फरीदाबाद और मेवात के इलाके मे लोग पानी के लिए तरस रहे है इन्होने उसके लिए कोई ठोस कदन नही उठाया। इन्होने उस समस्या के हल के लिए कुछ करने की बजाय लिटिगे ान डाली जिसके परिणामस्वरुप ये हाईकोर्ट मे भी औंधे मुहं पड गए और सुप्रीमकोर्ट मे भी औंधे मुहं पडेंगे। (विघ्न) नहर तो बनेगी ही और पानी का समान बंटवारा भी होगा।

डा0 सु ील इन्दौराः मै खुले भाब्दो मे एक बात कहना चाहता हूं कि पानी के समान बंटवारे के हक में सारा प्रदे ा है। हर आदमी इसके हक मैं है लेकिन पानी का समान बंटवारा करे तो सही। ये लोग बंटवारा करने की बजाय विवाद पैदा करते है। मुख्यमंत्री जी और मंत्री जी कहां गए थे जब बैठकें हो रही थी। पहली बैठक मे ही भाखडा को पैंक्चर करने की परमि ान क्यों नही ली। बजाय उसके कोर्ट मे कहते है कि हमे तो पीने का पानी दे दो हम लिफ्ट उठा लेंगे। (विघ्न) यह हाल है सरकार का जो कोर्ट मे जाकर कहती है कि हम पम्प लगाकर लिफ्ट से पानी उठा लेंगे। सभापति महोदय, अगर सरकार अच्छे कार्य करेगी तो मै कहता हूं कि मै उसका समर्थन करुंगा। लेकिन ये कुछ करके तो दिखायें। हाई कोर्ट मे मामले मे सरकार एक प्रस्ताव लेकर आई थी अगर उसमे हमने समर्थन न किया हो तो बताओ। हमने उस प्रस्ताव का खुले दिल से समर्थन किया था। सरकार कोई भी प्रस्ताव लेकर आये मै कहना हूं कि पार्टी की तरफ से दावा कर

रहा हूं कि अगर एस वाई एल बनाने की बात है तो चलो मेरे साथ सारे विधायेक चलो हम कार सेवा करने के लिए भी तैयार है। लेकिन सरकार विवाद पैदा करने के लिए अगर यह काम करती है तो हम उसे कैसे बर्दा त करेंगे। फिर ये कहते है कि जनआक्रो ा रैली मे कहा है। यह बात तो भाायद पहले कभी कही हो। लोगों मे इस बात का आक्रो ा है। जब चुनाव मे ये लोग जाएंगे तब पता चलेगा कि आक्रो ा हमारे प्रति है या सरकार के प्रति। यह जन आक्रो ा रैली लोगों की मांग थी। लोग अजय सिंह चौटाला जी के पास गये और कहा कि इस सरकार ने हमारी बहुत बर्बादी कर दी है प्रदे ा की बहुत बर्बादी कर दी है। इस सरकार ने बुरा हाल कर दिया है, न कानून व्यवस्था है न कोई और चीज है इसलिए इस सरकार से बचाओ और लोगों को साथ लेकर चलो।

श्री विनोद कुमार भार्मा: सभापति महोदय, माननीय इंदौरा जी जन आक्रो ा का पता करना चाहते है किसके खिलाफ है तो मै इनको खुला न्यौता देता हूं कि ये आये और आकर अभी चुनाव लड लें। दूर तक जाने की क्या जरुरत है हम इंतजार करने को तैयार नही है। ये कल आ जायें भेजो अपने नेता को मेरे खिलाफ चुनाव लउ लें, मै तैयार हूं।

डा0 सु ील इंदौरा: सभापति महोदय, चुनाव तो आएंगे।

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः सभापति महोदय, भार्मा जी ने जो आफॅर दी है इससे फेयर आफॅर और क्या हो सकता है। ये चौटाला जी को कहे कि वे इस्तीफा दें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सभापतिः डा सीताराम जी, आप किस की इजाजत से बोल रहे है। Dr. Sita Ram Ji, no running commentary, first you should seek permission from the chair and then speak. Dr. Indora Ji, continue your speech.

डा.0 सु ाील इंदौराः सभापति महोदय, ये चुनाव तो आने वाले ही है, कांग्रेस के लोगों को पता चल जायेगा कि उनकी क्या हस्ती है। जब जनता इनके पीछे होगी तो ये लोग भागते नहर आयेंगे।

श्री सभापतिः डा0 इंदौरा जी, आप पांच मिनट मे अपनी स्पीच खत्म किजिए।

डा0 सु ाील इंदौराः सभापति महोदय, मुख्यमंत्री जी जिस स्टेज पर जाते थे एक बात ही कहते थे कि अगले तीन साल मे हरियाणा प्रदे ा को पूरी बिजली दे दूंगा। आज हालात क्या है। क्या मुख्यमंत्री जी बतायेंगे कि आज प्रदे ा मे बिजली के क्या हालात है?

श्री सभापतिः डाक्टर साहब, आप अपनी सुजै ान दीजिए और पांच मिनट मे अपनी स्पीच को कन्कलूड कीजिए।

डा0 सु ील इंदौराः सभापति महोदय, मै भूमिका बांधता हूं, उससे पहले ही आप मेरी बात को काट देते है तब मेरा दिमाग कही और चला जाता है। हमारी सरकार पर यह लांछन लगाया गया है कि पिछली सरकारो ने बिजली के मामले मे कुछ नही किया। हकीकत यह है कि यमुनानगर का जो प्लांट अभी सरकार ने भाुरु किया है उसकी भाुरुआत चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी ने की थी। इसका श्रेय ये ले लें हमें कोई दिक्कत नही है लेकिन हरियाणा प्रदे ा को बिजली तो दें। उसका श्रेय इन लोगों ने लेने की कोि ा ा की और फायदा बडे घराने को भी पहुंचाने का काम किया। (विघ्न) इन्होने उसका श्रेय लेने का काम किया। (विघ्न)

Mr. Chairperson: No running commentary. let him complete डा0 साहब, आपके पांच मिनट बाकी है आप अपने सुझाव दीजिए और अपनी स्पीच को कन्क्लूड कीजिए।

डा सु ील इंदौराः सभापति महोदय, अगर प्रदे ा की बात मुझे कहने की इजाजत नही दी जाती है तो मै बैठ जाता हूं। मै सुझाव ही दे रहा हूं, सर। अगर आप मुझे इजाजत नही देते तो जब आप कहेंगे मै एक सैकेण्ड मे उसी समय बैठ जाउंगा। I will not take even a single second और मै बैठ जाउंगा।

Mr.Chairperson: Indora Ji, don't waster your time, please give your suggestions.

डा0. सु ील इंदौराः सभापति महोदय, अगर आप यहां पर हमें बोलने नही देंगे तो हम प्रदे ा की जनता के सामने जाकर बोलेंगे। मै बिजली की ही बात कह रहा था कि माननीय मुख्यमंत्री जी अब वह नही कहते। सरकार को आज बने हुए कितने साल हो गये, चार साल हो गये है। जब सरकार बनी तो मुख्यमंत्री जी हर स्टेज से कहते थे कि बिजली दे दूंगा, बिजली दे दूंगा। जो लाईन लोसिज है अगर उसको आप देखें तो कई फीडर्स ऐसे है जिनमे लाईन लोसिज 98 फीसदी से ज्यादा है। ये आंकडे इनकी रिपोर्ट के मुताबिक है। 14 फीडर्ज ऐसे है जिनमे 90 फीसदी लाईन लोसिज है। 48 फीडर्ज ऐसे है जिनमे 70 से 90 फीसदी लाईन लोसिज है। बिजली मंत्री जी यहां पर बैठे है और ध्यान से सुन रहे है कि कायदे कानून के हिसाब से 25 परसैंट से ज्यादा लाईन लोसिज होना ठीक नही है। 280 फीडर्स ऐसे है जिनमे 50 फीसदी लाईन लोसिज है। ये लाईन लोसिज क्यों है, ये लाईन लोसिज इसलिए है क्योंकि कृशि के लिए बिजली मिलती नही और लाईन लोसिज का सारा बोझ बिना मीटर्ज के जो कनैक ांज है, उन पर डाल दिया जाता है। ये लाईन लोसिज कृशि वालो के नही है बल्कि यह मिली भगत से होता है। अधिकारी बडे बडे उद्योगपतियो से मिलकर चोरी करवाते है। सभापति महोदय, इस चोरी को बंद करवाओ। ये लाईन लेाजिस किसान पर डाल देते है कि कृशि मे खपत हो गई। बेचारा किसान वैसे ही मारा जाता है और आंकडे आ जाते है। आंकडो मे लिख दिया जाता है कि कृशि क्षेत्र मे इतनी बिजली दी गई। हम सवाल पूछते है कि कितनी

बिजली दी गई, कहा जाता है कि इतनी बिजली दी गई जबकि मिला कुछ नही ओर सरकार की वाह वाह और बल्ले बल्ले हो जाती है। किसान बेचारा रोता रहता है और इधर ये लोग पैसे बनाते रहते है, ठगी करते रहते है। सभापति महोदय, इस चीज को रुकावाइये। बिजली के लाईन लोसिज कम हो, ऐसे प्रबंध किए जाए। बिजली के रेट नही बढने चाहिए। बिजली महंगी होगी तो किसान की उत्पादन लागत बढेगी, उद्योगो की लागत बढेगी और हर चीज की लागत बढेगी। सस्ती बिजली पैदा करने के लिए हमारी सरकार को कोि ा ा करनी चाहिए। सभापति महोदय, ये स्टेजो पर जाकर झुठे वायदे करते है कि बिजली के चार प्लांट लगा दिए। खेदड का प्लांट लगा दिया, झाडली का प्लांट लगा दिया। झाडली के प्लांट मे दिल्ली का डिस्पयूट है जो कभी भी सुलझ नही सकता। सभापमि महोदय, मै एक दिन झाडली प्लांट के बारे मे अखबार मे पढ रहा था कि दिल्ली वालो ने कह दिया कि हम इस पलंट के लिए पैसा नही देंगे। सभापति महोदय, वे पैसा नही देंगे तो ये प्लांट कैसे पूरा होगा। ये 2011 की बात कहते है, 2011 मे इनको कौन आने देगा।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मै क्लैरीफिके ान करना चाहता हूं। वैसे तो बाकी जो बात है वो ये कह सकते है। झाडली के दिल्ली विवाद की बात इनहोने की तो मै सदन मे कहना चाहता हूं कि अगर दिल्ली बिजली नही लेगा तो 750 मैगावाट जो उनका हिस्सा है वह भी हम रख लेंगे, इसमें हमें

कोई दिक्कत नही है। इसके लिए हम पूरा पैसा देंगे और सरकार के पास पूरा पैसा है।

श्री सभापतिः इन्दौरा जी, आप 3 मिनट मे कन्कलूड करें

डा0 सु ाील इन्दौराः सभापति महोदय, अभी तो मेरे पास सरकार के बहुत मुददे है अगर सब मुद्दो को गिनाने लगूं तो सारी रात हो जाएगी और इसके लिए हाउस की सीटिंग को एक्सटैंड करना पउेगी तभी बात बनेगी। (ाोर एवं व्यवधान) सभापति महोदय, मै एक सुझाव देना चाहता हूं। मेरा सुझाव बिजली के मामले मे है। बिजली मंत्री जी बैठे है ये देखें कि आज बिजली की उत्पादन क्षमता कितनी है। आज हमारे बहुत सु यूनिट बन्द पउे हुए है। बिजली की उत्पादन क्षमता क्या है और उस उत्पादन क्षमता के अनुरुप हम बिजली पैदा कर रहे है या नही। अगर उसी हिसाब से बिजली पैदा कर ले तो प्रदे ा के लोगों को पूरी बिजली मिल सकती है। कई बार तो हालात बहुत खराब हो जाते है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः सभापति महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। माननीय सदस्य को अपनी बात कहने का अधिकार है और वे कह भी रहे है। मै आपकी अनुमति से सदन को बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रान्त दे ा मे अकेला ऐसा प्रान्त है जिसने वर्श 2008 से भाुरु करके वर्श 2012 तक बिजली का एक

नया कारखाना बनाने का निर्णय लिया है। हम हरियाणा प्रदे ा के किसान, गरीब, व्यापारी और मजदूर को बिजली देंगे। व्यापारी को बिजली देने मे इनको ऐतराज हो सकता है लेकिन हमें कोई ऐतराज नही है। व्यापारी और दुकानदार भीहरियाणा प्रान्त के हिस्से है। हम हर व्यक्ति को बिजली देने के लिए प्रतिबद्ध है। बिजली का 600 मैगावाट का एक कारखाना यमुनानगर मे चालु हो गयाहै। इस साल राजीव गांधी थर्मल पावर प्लांट, खेदड जिला हिसार मे चालू हो जायेगा। मै माननीय सदस्य को आ वस्त करना चाहता हूं कि इस प्लांट से इस साल मे 1200 मैगावाट बिजली हरियाणा के गरीब, व्यापारी, किसान और दुकानदार को मिलेगी। इसके बाद हमे झाडली के पावर प्लांट से बिजली मिलनी भाुरु हो जाएगी। माननीय सदस्य को भांका है कि इस पावर प्लांट पर कोई विवाद है। मै इनको बताना चाहूंगा कि इस पावर प्लांट पर किसी भी प्रकार का कोई विवाद नही है। इस पावर प्लांट के दोनो युनिटो से कम ाः जुलाई, 2010 और दिसम्बर 2010 मे हरियाणा के लोगों को बिजली मिलनी भाुरु हो जाएगी। फिर वर्श 2011 में महात्मा गांधी थर्मल पावर प्लांट आयेगा और वर्श 2012 मते जो निजी क्षेत्र की और बिजली है वह भी आ जायेगी। इस प्रकार से वर्श 2012 तक हरियाणा मे 6 हजार मैगावाट अतिरिक्त बिजली का उत्पादन भाुरु हो जायेगा। मुख्यमंत्री जी ने एक समय कहा था कि हम तीन से चार हजार यूनिट अतिरिक्त बिजली पैदा करेंगे लेकिन वायदे से बढकर आने वाले समय मे उनके नेतृत्व मे 6 हजार मैगावाट बिजली के उत्पाद का लक्ष्य 24 हजार करोड

रुपये से अधिक की लागत से पूरा करने की प्रक्रिया हमने भुरु कर दी है। 600 मैगावाट बिजली पैदा हो गई है और 1200 मैगावाट बिजली हम इस साल मे पैदा करके दिखाएंगे। ये हमारा प्रयास है। जहां तक हमारे बंद पउे यूनिटो का सवाल है, मै माननीय सदस्य की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि हमारे यूनिटस का जो पी एल एफ इस साल आया है जब से पावर जैनरे ान कम्पनी आस्तित्व मे आई अर्थात् जब से हरियाणा मे बिजली के कारखाने लगे है तब से लेकर आज तक का सबसे जयादा है। चेयरमैन साहब हमारे कई यूनिट ऐसे है जो 103 और 104 परसैंट पी एल एफ के उपर चले। चेयरमैन सर, इस बात के लिए आपको मुझे और हरियाणा को अढाई करोड लोगों को फख्र होना चाहिए कि वे पावर प्लांट जो कभी 60 से 65 पी एल एफ से ज्यादा नही गये आज वे 78 से 79 परसैंट एवरेज पी एल एफ तक चलते है और कई ऐसे प्लांट जो कि 101, 102, 104 परसैंट पी एल एफ तक चले है। यह अपने आप मे एक नया रिकार्ड है और आज तक ऐसा किसी अन्य सरकार के समय मे नही हुआ। सभापति महोदय, मै केवल जानकारी के आधार पर सम्मानित सदस्य को सूचित करना चाहता हूं।

डा सु गील इन्दौराः सभापति महोदय, माननीय बिजली मंत्री जी ने बहुत अच्दी जानकारी दी है। इसके लिए मे इनका धन्यवाद करता हूं लेकिन इसके साथ ही इनहे यह भी बताना चाहिए कि अगर हरियाणा मे इतनी बिजली है तो फिर वह कहां

गई और हरियाणा के लोग आज अंधेर`मे क्यों बैठे है? ये यह क्यो नही बता पा रहे है?

श्री सभापतिः इन्दौरा जी, प्रदेश मे बिजली की कमी को दूर करने के लिए आप अपने सजै ांज दे। आप इनको बताइए कि ऐसी हालत मे इनको क्या करना चाहिए।

डा0 सु ील इन्दौराः सभापति महोदय, मै अपने सुझाव भी दे रहा हूं। जैसे मैने लाईन लोसिज के बारे मे बताया है कि यह अधिकारियो की मिलीभगत से हो रहा है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य हो बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार के कार्यकाल मे 7 प्रति ात लाईन लोसिज उत्तरी हरियाणा मे और इसी प्रकार से तकरीबन 5 प्रति ात लाईन लोसिज दक्षिणी हरियाणा मे कम हुए है।

श्री सभापतिः आनॅरेबल मिनिस्टर साहब, माननीय सदस्य द्वारा जो भी प्वायंटस उठोय जा रहे है उन्हे आप नोट कर लीजिए और उसके बाद आप केाई स्टेटमैंट देना चाहे तो आप दे दें। Mr Indora, now you please conclude.

डा0 सु ील इन्दौराः सभापति महोदय, मै एक बात और कहना चाहता हूं। सरकार कहती है कि बिजली पानी के मुददे के अलावा कई और मुददे है और हम आने वाले चुनावो मे विकास के नाम पर वोट मांगेगे। हरियाणा न्यूज पर एक गीत आता है कि

तने राम की भुं। ये राम की भूं दिखाते दिखाते सउके दिखाते है और अगर आप हरियाणा सरकार की वर्श 2008 और 2009 का कलेण्डर देखे तो उसमे तीन चीजें बडी प्राथमिकता के आधार पर दिखाई है। कैलेण्डर मे सरकार का विजन होात है कि सरकार दिखाना चाहती है कि हम क्या करना चाहते है। उसमे एक तो धुआ उगलती हुई चिमनी दिखाई गई है, एक बडी सी नहर दिखाइ गई है और सडके दिखाई गई है। अगर विकास की बात देखनी है तो आप मेरे क्षेत्र मे चलें। मै पिछले चार साल से लगातार कह रहा हूं कि जाखन से कुलां तक सडक बना दी जाये। उपरोक्त सडक बनाने के लिए मुझे हर बार आ वासन दे दिया जाता है लेकिन वह सउक आज तक नही बनवाई गई है। मै सरकार पर यह भी आरोप लगाना चाहूंगा कि सरकार विधान सभा मे माननीय सदस्यो को दिये गये आ वा नो की कोई परवाह नही करती। हमे दिये गये आस्वा नो को कभी पूरा नही किया गया। आज तक हमारे पास कोई चिटठी नही आई। मंत्री जी की तरफ से एक बात कह दी जाती है कि मिल लेना और जब हम मिलने जाते है तो बताया जाता है कि मंत्री जी दौरे पर गये है। हम अपने आ वासनो पर कार्यवाही करवाने के लिए कब तक मंत्रियो के पीछे पीछे घूम सकते है। अगर विकास की बात की जाये तो मंगाला से टीटू खेडा तक की सडक बना दी जाये, सिरसा से ऐलनाबाद की सडक बना दी जाए जो कि आज तक नही बनी। मुझे यह बताया जाये कि कहां पर विकास हुआ। एक फ्लडी नहर बनी के पैरेलल बन कर पूर तरह से तैयार है लेकिन

उसमे अभी तक पानी नही छोडा गया है। इससे बडी चिंता की बात और क्या हो सकती ह। चेयरमैन साहब, सरकार कहती है कि प्रदे ा मे सौहार्दपूर्ण वातावरण है व्यापारी काम कर रहे है लेकिन हालात यह है कि व्यापारियो पर तो सरेआम गोली मार दी जाती है।

श्री सभापतिः इन्दौरा जी, आपका समय समाप्त हो गया है। डा0 सीता राम जी अब आप बोलिए।

डा0 सीता रामः सभापति महोदय, मै आज नही बोल पाउंगा। इसलिए इन्दौरा साहब को ही बोलने दीजीए।

डा सु ील इंदौराः सभापति महोदय, मै बोल रहा हूं इसलिए मुझे ही कुछ समय और दे दीजिए। ग्रामीण राजगार गारंटी योजना की बात की जा रही है लेकिन कही भी लेागो को कम नही दिया जा रहा। भारत निर्माण, ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के इतने बडे बडे होर्डिग्ज लगाये जाते है लेकिन हो तो कुछ भी नही रहा है। लोगों के कार्ड तक पुरे नही बने। कही कही पर तो काम तक पुरा नही होता। इसी प्रकार से सरकार स्वच्छता की बात करती है। स्वच्छता के बारे मे सरकार बताये कि सिरसा वालो को आज तक ट्राफी नही मिली। जब हिसार मे महामहिम राश्ट्रपति जी आई थी तो सिरसा वालो को वहा पर ठहरने के लिए स्थान तक नही मिला था। अगर आपको स्वच्छता देखनी है

तो फतेहाबाद की कालोनी के जो सरकारी मकान है उनके सामने सुबह 6 बजे देखो की स्वच्छता क्या चीज है?

श्री सभापतिः आप चेयर को एड्रैस कीजिए।

डा0 सु ील इन्दौराः सभापति महोदय, पीने के पानी की और टंकियो की बात की जा रही है कि अनुसूचित जाति के लोगों को पीने के पानी का मुफ्त कनैक ान और पानी की टंकी दी जाती है लेकिन यह भी गलत है क्योंकि दो दो घरो के लिए एक ही पानी की टंकी लगाई जा रही है। अगर उनके टवायलटस की बात करें तो वे उपर रखे हुए होते है और उनकी चारदीवारी तक नही बनाई जाती। आंकडे पूरे कर लिये जाते हे कि एक एक घर मे हमने स्वच्छता अभियान चलाया हैं हर बार एक ही बात कही दी जाती है कि सरकार ने 1600 करोड रुपये कि बिजलीके बिल माफ कर दिये। इसी प्रकार से किसानो के 71 हजार करोड रुपये के कर्जे मा करने की बात की जाती है। बिजली के बिल माफ तो दूर किसी का एक पैसा भी माफ नही किया गया। मुझे एक किसान मिल गया मैने उससे पूछा कि आपका कितना पैसा माफ हुआ है तो उसने कहा कि मेरा तो 5 पैसे भी माफ नही हुए। कहां की सरकार, सरकार बताये तो सही सरकार क्या कर रही है। आज सडको की बात की जा रही है, सउके बिल्कुल टूटी पडी है। कानून व्यवस्था की बात की जा रही है लेकिन उसका भी बुरा हाल है। आपके सामने खरक में कुछ लेाग मांग कर रहे थे लेकिन उन पर गोलियां चलवा दी। एक राजरानी थी उसको बिना बात के

मार दिया। लोकतंत्र मे कैसे अपने अधिकारो की बात करने वाले को मार दिया जाता है?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः सभापति महोदय, आपने डा इन्दौरा जी को दो बार एक्सटैं ान दे दी है लेकिन बहुत से सदस्य अब भी बाकी है, जो बोलना चाहते है। इसलिए आप उनके अधिकारो का भी ध्यान रखे।

श्रीसभपतिः इंदौरा साहब, आप 45 मिनट बोल चुके है, आप कनक्लयूड कीजिए।

डा सु ील इन्दौराः सभपति महोदय, मै तो डेढ घंटा भी बोल सकता हूं आप मुझे थोडा सा समय दीजिए मै अपनी बात को खत्म कर लूंगा। आप से ज्यादा समय तो हमे माननीय अध्यक्ष महोदय जी दे दिया करते थे। आप तो पहली बार चेयर पर बैठे है आपको तो ज्यादा दरियादिल होना चाहिए। माननीय बिजली मंत्री जी से मेरा सवाल था कि बिजली के बिला मे पिछली बार का बिल जोड कर दे दिया जाता है और अब उसको ठीक करवाने के लिए जाओ तो उसमे भी सरकार का जवाब नही मे होता है। सरकार द्वारा हकीकत जाने की बजाय लीपापोती की जाती है। अगर इसी प्रकार से लीपापोती की जाएगी तो हरियाणा नम्बर एक नही बन सकता। अगर हरियाणा को नम्बर एक राज्य बनाना है तो उसके लिए मेहनत करनी होगी और मेहनत करना कांग्रेस वालो के बस की बात नही है। कांगेस वाले तो ड्रांईग रुम में बैठकर फोली

फोली खा सकते है ये जनता का क्या भला कर सकते है? मेहनत तो हम जैसे लोग कर सकते है।

सभापति महोदयः इंदोरा जी, आप खत्म करें। बहुत से मैम्बर्ज और भी बोलना चाहते है। अगर आप ही बोलते रहेंगे तो औरो को कैसे मौका मिलेगा?

डा0 सु ाल इन्दौराः सभापति महोदय, मै एक दो बात और कहना चाहता हूं। एक तो मै बी पी एल पर बोलना चाहता हूं और दूसरा 100–100 गज के प्लाटो के बारे मे भी कुछ कहना चाहता हूं।

श्री सभापतिः ठीक है, अगर बी पी एल पर बोलना चाहते हो तो एक मिनट मे बोल लो।

डा0 सु ील इन्दौराः सभापति महोदय, बी पी एल के मामले मे और पीने के पानी के मामले मे हालत यह है कि लोग हर रोज प्रद ान कर रहे है। मेरे पास ऐसे गावों की लिस्ट है। (विघ्न) इन गावों मे पीने के पानी की बडी भारी दिक्कत है। नेजिया ंखेडा गांव समाबार और चन्दकावास गांव मे बहुत से ऐसे लोग है जो इस लिस्ट मे आने से रह गये है।

श्री सभापतिः डा0 साहब, आप इस बारे मे सुझाव दे की क्या किया जाये।

डा0 सु ाील इन्दौराः सभापति महोदय, मै सुझाव दे रहा था कि जो सही ओर वाजिब लेाग है वे बी पी एल की सूची मे आने से रह गये है।

श्री सभापतिः आप इस बारे मे सुझाव दे कि सरकार क्या करें

डा0 सु ाील इन्दौराः चेयरमैन साहब, वे लोग जो बी पी एल सूची मे आने से वंचित रह गये है उनके नाम भाामिल करने के लिए सरकार एक ऐजेंसि बनाए और जो लिस्ट बनी है उसकी जांच करवाए। हालांकि सरकार इस प्रकार की कार्यवाही चार बार कर चुकी है। चार बार कार्यवाही होने के बावजुद भी यह विवाद अभी तक बना हुआ है। सरकार कोई एजेंसी गठित करके इसकार सर्वे करवाए जो जायज और पात्र लोग है उनको उनका हम मिलना चाहिए। जहां तक 100–100 गज के प्लाटस देने की बात है, वह एक ढकोसला मात्र है। सिर्फ गावों की जमीन हडपने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है। सिर्फ पंचायतो की जमीनो पर ही ये प्लाट क्यों दिए जा रहे है। अगर सरकार ऐसे प्लाटस देना ही चाहती है तो जमीन खरीद कर प्लाटस दे। सभापति माहदेय, मै एक और बात कहना चाहता हूं कि जहां बी सीज कैटेगरी मे ए और बी का वर्गीकरण है वहां पर तो कोई विवाद नही है लेकिन एस सीज और ए और बी का वर्गीकरण करके एक रोला मचा दियाऔर यह कह दिया कि इसमे कोर्ट का मसला आ गया है। सरकार ने ऐसा क्यों किया, दो भाईयो को आपस मे

लडा दिया और एक विवाद खडा कर दिया। एस सीज की कैटेगरी बनी हुई थी और वह चल रही थी। (विघ्न)

श्री फूल चनद मुलानाः सभापति महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। ये decision of the court पर बात कर रहे है। इनका यह कहना है कि सरकार ने ए और बी वर्ग का झगडा करवा दिया। Sir, on a point of order. मै यह कहना चाहता हूं कि this is the decision of the Court and not of the Government. सर, there can be no caste within the caste. How can he say that Government is doing all this? this is the wrong allegation and he should withdraw it.

डा0 सु गील इन्दौराः सभापति महोदय, अगर ऐसी बात है तो ए और बी कैटेगरीब भी संवैधानिका है। (विघ्न)

श्री सभापतिः डा साहब, आप सुझाव दीजिए कि इसमे क्या होना चाहिए?

डा0 सु गील इन्दौराः सर, मेरे विचार से यह होना चाहिए कि ए कैटेगरीज वालो को भी कैटेगरी के हिसाब से लाभ दिया जाना चाहिए।

श्री सभापतिः इन्दौरा साहब, ठीक है, अब आप अपनी सीट पर बैठें। अब श्री अरजन सिंह जी बोलेंगे। (विघ्न)

डा0 सु गील इनदौराः सभापति महोदय, **********

श्री सभापतिः इन्दौरा साहब, आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न) अरजन सिंह जी, आप बोलें। (विघ्न) इन्दौरा जी आप बैठें। यह जो बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाए। Nothing to be recorded. (Interruptions) Indora Sahib, Please take your seat. Thank you very much. अरजन सिंह जी, अब आप बोलें।

चौ0 अरजन सिह (छछरौली): चेयरमैन साहब, मै आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। (विघ्न) चेयरमैन सर, सबसे पहले तो मै माफी चाहूंगा कि उस दिन मै भी उन लोगों के साथ जुडा हुआ था जिनकी चर्चा हो रही थी। मेरा वि वास कीजिए कि उस दिन जब महामहिम गवर्नर महोदय उठकर चले गये तो मुझे ऐसा आभास हुआ कि सदन की कार्यवाही खत्म हो गई और अगले दिन सारा मामला डिस्कस होगा। उस दिन सारे केसारे सदस्य उठ लिये थे तो मै यहां से उठ करी हुडउा साहब के पास रोहतक चला गया था। उस दिन सदन से जाने के लिए मै सॉरी फील करता हूं और उस दिन के श्रद्धांजलि प्रस्तावो के साथ मै अपने आप को जोडता हूं। मै भी दिल की गहराईयो से दिवंगत आत्माओ के प्रति भाोक प्रकट करता हू। अपने आप को चर्चा मे जोडते हुए मै कहना चाहता हूं कि चौधरी रणबीर सिह जी बहुत ही महान और सादे इंसान थे। अगर उनको सच्ची श्रद्धांजलि देनी है तो हमे उनके पद्निन्हो पर चलना चाहिए और जो उनकी भावना थी उसकी हमें कद्र करनी चाहिए। सभापति महोदय, आज मै न तो कांग्रेस के पक्ष में कुछ कहूंगा और न ही विपक्ष के बारे में कुछ कहूंगा। (विघ्न) जो सच लगेगा

उस पर सही बात कहूंगा ओर सही बात ही बताउंगा। (विघ्न) सभापति जी, जहां तक चौधरी देवी लाल जी की बात है, डा0 इंदौरा जी, मै उनकी दिल से कद्र करता हूं। उन्होने सरकार बनाने के लिए चाहे जो प्रोपोगेण्डा दिया हो लेकिन उनकी आत्मा के कोई झूठी और लूट खसोट की भावना नही थी। उनकी उसी भावना को देखकर लोगों ने उनको क्रेडिट दिया था और आगे उनके परिवार को भी क्रेडिट दिया था लेकिन उनके परिवार के लोगों ने जो किया उनको उसका नजीता मिल गया। चेयरमैन सर, अब जनता इतनी भोली नही रही। एक समय वह था जब लोग एक दूसरे के लिए जीते थे लेकिन अब लोग अपने लिए जीते है और अपने पर्सनल स्वार्थ के लिए जीते है। वे अपने रास्ते पर रहते है कि हमें कहा फायदा हो सकता है। किसने लूटा, किसने खसोटा, किसने भला किया, हर आदमी आज अपने नफे नुकसान के साथ अटैचड है। इनदौरा साहब, पिछली सरकार का गुणगान कर रहे है मेरे ख्याल मे यह उस समय सरकार मे नही थे। अगर ये उस समय सरकार मे होते तो उस सरकार को कुछ न कुद सुझाव देते और उनको कुछ न कुछ समझाते लेकिन उस समय वे यहां पर नही थे और आज ये अपनी भडास निकाल रहे है। वे इनकी बात सुनते या न सुनते यह तो उनकी भावना थी लेकिन ये अच्छी सलाह देते उनको। इन्दौरा साहब यहां पर नही थे। जहां तक इन्होने फसलो की बात कही कि जीरी कम रेट पर गई है। पिछली सरकार मे व्यापारियो से पूछा जाता था और जो गवर्नमैंट के रेट होते थे उससे कम मे बोली हो जाती थी। 100–100 रुपये प्रति

क्विंटल के कम रेट मिलते थे। चेयरमैन सर, एक एक किल्ले मे 5–5 हजार रुपये का नुक्सान इनके समय मे होता था जो आज ये तुलना कर रहे है। आज ये कह रहे है कि 25000 रुपये कि बिकनी चाहिए थी जबकि उस पर 18 हजार रुपये का खर्च हुआ है। ये बाते पिछली सरकार के वक्त मे इनको क्यों याद नही आई। जहां तक पानी की बात है, आज ये लोगों से जाकर पूछें। इस सरकार ने लोगों के घरो मे 5–5 और 6–6 हजार रुपये की पानी की टंकी लगवा दी हैं। इनके समय मे तो एक पैसा भी इस काम के लिए खर्च नही किया गया था। इन्होने तो मिटटी का दोना भी किसी को नही दिया था। यहां तक की जो मटके रखे हुए थे वे भी इन्होने फुडवा दिए थे। कभी मटका फोड, बंटा फोड, कभी सडक फोड, मेरे कहने का मतलब है कि इन्होने तोडने फोडने का ही काम किया है। इन्होने कभी भी जोडने का काम नही किया। एक टाईम मे पापुलर के रेट 550 से 600 रुपये क्विंटल तक चले गये थे और इनके समय मे 150 रुपये प्रति क्विंटल तक लाकर किसानो की लुटाई हुई थी। लुटाई, किराए वाले के किराए को देरक, आढती को देकर, काटने वाले को देकर ओर जो खुंटे पीछे लगाकर ट्राली वाला ले जाता था सिर्फ वही बचते थे, इससे फालतू कुछ नही बचता था। आज मै इस सरकार की तारीफ नही कर रहा हूं, मै सच्चाई बता रहा हूं। आज वही पॉपुलर का रेट 800 रुपये तक जा रहा है। वही ट्राली जो 12000 मे ली जाती थी आ 80000 से 90000 की लोग बेच रहे हैं। इनके वक्त मे 50 और 60 हजार रुपये एक एक ट्राली मे किसानो को

नुकसान हुआ था। गन्ने के बारे मे मै कहना चाहता हूं कि जो ट्राली आज 10000 हजार रुपये मे जा रही है इनके वक्त मे वही ट्राली 4000, 4500 या 4600 रुपये मे जाती थी। सभापति महोदय, जहां तक आज ये नहरो की बात करते है आज इनको नहर याद आ रही है। इस सरकार के आने से पहले साढे पांच साल हरियाणा स्टेट मे इनकी सरकार थी, उस वक्त इन्होने नहरो के बारे में कुछ नही किया। तब क्या हरियाणा मे पानी की जरुरत नही थी। तब चाहे पानी बादल ले जाए या धरती पी जाए। मै भाशण नही दे रहा हूं। मै तो उस बात के बारे मे कह रहा हूं जो बात आपने कही थी। जहां तक बिजली की बात है, इस सरकार ने जब इलैक ान लउा था तो इनके किसी श्रभी आदमी ने इस बारे मे कोई बात नही कही थी, कोई वायदा नही किया था। आपकी पार्टी ने तो यह कहा था कि जब तक हमारी सरकार नही आएगी तब तक किसी ने भी बिजली के बिल नही भरने है। तब तक किसी के पैसे नही देने है। चेयरमैन साहब, आज भी वही लोग धमकी देते है जिन्होने किसी का ले कर देना नही है वर्ना और किसी मे कोई आकाो ा नही है। पता नही ये किस का आकाो ा बता रहे है। आज एक एक गांव मे भाांति ळै। आज ये सडको पर चलते है तो ये न तो किसी ट्रक वाले को न ही किसी ट्रक्टर वाले को आगे निकलने देते है। इनकी वजह स`उन लोगों मे आकाो ा है जिनको दो किलोमीटर जाना है उसकी बजाय 20–20 किलोमीटर दूर से घूम कर जाना पड रहा है। (विघ्न) सभापति महोदय, जहां तक बिजली की बात है, मुख्यमंत्री जी ने और इनकी

सरकार ने सबसे पहले बिजली के उपर ध्यान दिया है। सभापति महोदय, वोट लेने के लिए सभी इलैक ानो के समय मे घोशणा करते है लेकिन इस सरकार ने ऐसी घोशणा नही की थी। मै इनको यह कहना चाहता हूं कि जो बिजली बन रही है वह देने के लिए ही बन रही हैं। अगर किसी के घर मे धुंआ नही उठ रहा हो तो उस घर से रोटी की कया उम्मीद करेंगे। जिस घर से धुंआ उठ रहा हो उससे उम्मीद होती है कि आधे घंटे मे, एक घंटे मे रोटी जरुर मिल जाएगी। आदमी सब्र तो करें इनको तो वह सब्र भी नही है। बिजली बन रही है और वही लोगों को मिलेगी। (विघ्न) चेयरमैन सर, मै ईमानदारी से एक बात सदन मे कहना चाहता हूं कि आज लोग पापुलर लगा रहे है और पापुलर लगाने वालो मे चर्चा हो रही है कि और वे उस बारे मे जवाब भी दे रहे है। वे कहते है कि भाई पापुलर तो लगाने लग रहे हो, देख लो कही वे हटकर न आ जावें। इसका जवाब लोग देते है कि हमने उसको वोट ही नही देने तो वह कहां से आएगा। मतलब यहे है कि ये लोग पापुलर लगाते है लेकिन उनमे यह भय अब भी बना रहता है कि कही बाद मे ये लोग लौटकर सत्ता मे आ कर लूट खसौट करके न ले जाए। (विघ्न) चेयरमैन सर, मै तो यह कहूंगा कि जिस नियत से यह सरकार चल रही है उसको देखते हुए हम तो यह कहेंगे कि परमात्मा इन्हे और मजबूती दे, ताकत दे(विघ्न) चेयरमैन सर, पिछली सरकार के समय मे तो मेरे क्षेत्र मे 50–60 टन का लोड भरकर गाडियो मे ले जाते थे जिसकी वजह से सारी सडके टूट गयी। मै तो एक ही बात कहूंगा कि सडको की जहां

तक बात है ओवर लेाड की वजह से जो सडके वहां पर टूट रही है उनकी तरफ भी सरकार ध्यान दें। चेयरमैन सर, बाकी किसी तरह की केाई दिक्कत नही है राम राज्य है सब लेाग खु ा हे क्योंकि यह बहुत बढिया सरकार है। मे केवल आपक मुहं पर ही यह बात नही कह रहा हूं बल्कि जो सच्चाई है वह आपको बता रहा हूं। लेाग यह बात अपने अंदर से बेाल रहे हैं लेागो को पता है कि वह उसको भी याद करते है। चेयरमैन सर, अब लेाग सब बातें जानते है। हर आदमी अपना दिमाग रखता है और हर आदमी की अपनी सेाच है। चेयरमैन सर, आपका बहुत बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे राज्यपाल के अभिभाशण पर बेालने का टाईम दिया।

श्री रामफल चिडाना (बरोदा, अनुसूचित जाति): चेयरमैन सर, आपने राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बेालने का जो मौका दिया है उसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू। मैने राज्यपाल महोदय के अभिभाशण को पढा है उसमे कोई भी ऐसी बात नही थी जो किसान हितैशी , मजदूर हितैशी हो या कुछ भी ऐसा किया गया हो जो सराहनीय हो। चेयरमैन सर, मै बताना चाहता हूं कि पिछली जीरी का जब मौसम था तो भगवान की कृपा से बडी अच्दी फसल हुई थी लेकिन बीमारी बहुत ज्यादा लग जाने के कारण वह पकी पकायी फसल देखते देखते ही खराब होती चली गयी। सरकार ने क्या किया उसके बारे मे मै आपको बताता हूं। 50 प्रति ात से 80 प्रति ात तक जीरी की फसल खराब हो गई उसको मुआवजा देना तो दूर की बात है, नुक्सान का सर्वे

तक नही करवाया गया, गिरदावरी तक नही करवायी गई। चेयरमैन सर, एक तरफ तो ये कहते है कि हम किसान हितैशी है और दूसरी तरफ मुआवजा स्कीम होने के बावजुद भी किसानो केा कोई मुआवजा नही दिया गया। पहले लोग कहते थे कि हुडडा तेरे राज मे जीरी गयी जहाज मे और अब क्या हुआ, अब लोग कहते है कि हुडडा तेरे राज मे जीरी गई ब्याज में। चेयरमैन सर, गोहाना तहसील मे भी किसानो को आत्महत्या करनी पडी थी। यह रिकार्ड की बात है।

श्री फूल चन्द मुलानाः चेयरमैन सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सर, नारा यह था कि चौटाला तेरे राज मे जीरी गई ब्याज में और पराली गयी लिहाज में। जबकि हमारी सरकार ने यह नारा इस प्रकार है हुडडा तेरे राज मे जीरी गयी जहाज में, क्योंकि हमारी सरकार ने पैडी 1121 पूसा का एकसपोर्ट खुलवा दिया था, सर, मै इनकी बात को सही कर रहा हूं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः चेयरमैन सर, मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इस बार जो जीरी का भाव भाायद किसान को इतना भाव कभी नही मिला। कांग्रेस की सरकार और चौधरी भुपेन्द्र सिह हुडउा की इंटरवैं ान के चलते दे ा की सरकार ने पैडी 1121 पूसा को भी बासमती डिक्लेयर किया। यह अपने आप मे बहुत अनूठी बात है। चेयरमैन सर, फिर भी किसी सुस्त आदमी ने अगर अपनी यह वैरायटी न बेची हो तो अलग बाते

है। 3300 रुपये पर पैडी 1121 पूसा बिकी है जबकि 1200 रुपये पर बासमती इनके समय मे बिकी थी। इसलिए यह फर्क है।

श्री रामफल चिडानाः चेयरमैन सर, सौभाग्य से मै भी किसान हूं और मैने भी जीरी लगा रखी थी इसलिए मुझे पता है। होता यह है कि यदि किसी बडे खरीददार ने एक ढेरी की बोली 2700 रुपये लगा दी तो अगले दिन उसकी कुछ और बोली लग जाती है। कोई नियम नही है कोई कायदा कानून नही है। यदि एक किल्ले की जीरी पांच हजार पर रख दी जाए तो पांचो ढेरियो के अलग अलग रेट की बोली लगती है। बोली लगाने वालो को जीरी की कोई पहचान नही होती क्योंकि उनका पता नही कि किसान जीरी की फसल कैसे तैयार करता है। यदि एक किल्ले की जीरी की अलग अलग पांच ढेरी बना दी जाए तो एक ही बीज से पैदा की उन पांचो ढेरियो के रेट अलग अलग पांच ढेरी बना दी जाए तो एक ही बीज से पैदा की उन पांचो ढेरियो के रेट अलग अलग लगाए जाते है। एक दिन भाव कुछ हेाता है अगले दिन भाव कुछ होता है। कई कई दिन मे किसान को अपनी जीरी बेचनी पउती है। आप कुछ कहेंगे, हम कुछ कहेंगे और सरकार कुछ भी कहे लेकिन सही बात तो लोग बताएंगे। लोगों ने सोचा कि जीरी रख लेते है मजबूरी थी। जो यह 1121 पूसा किस्म की बात करते है। 600 रुपये प्रति क्विंटल मे भी उसका कोई खरीददार नही था। किसान की मजबूरी होती है। गेहूं भी साथ बीजना पडता है। जब भाव मिलने की बात थी तो 800 रुपये एक्सपोर्ट डयूटी लगा दी

जिससे किसान को कम रेट मिले। किसान ने क्या कसूर कर दिया था कि अपने घर मे जीरी रख दी। रखनी इसलिए पडी क्योंकि कोई खरीदने वाला नही था।

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः चौधरी रामफल चिडाना जी, जिस डयूटी की बात आप कर रहे है भारत सरकार ने वह डयूटी वापिस ले ली है।

श्री रामफल चिउानाः चेरमैन साहब, वह तो बहुत बाद मे वापस ली गई है। दलित बिरादरी की बात करते है। मै दलित बिरादी से हूं मुझे पता है कि क्या कुछ होता है। गरीब आदमियो के पास हम जाते है तो वे रोते है और हमारे प्रधानमंत्री जी कह रहे थे कि पानी की टंकी दी है, टूंटी दी है। पानी की टंकी से क्या होगा अगर वह खाली पडी रहे। खाने को उनके पास कुछ है नहीं यह ठीक है कि किसानो के लिए भाव बढाया है लेकिन यह बताए कि गरीब आदमी के लिए गेहूं का क्या प्रबनध किया है। क्या गरीब आदमी 11–12 रुपये किलो गेहूं खरीद कर खा सकता हू। हम इस हक मे है कि किसान को ठीक रेट मिलना चाहिए लेकिन सच्चाई तो यह है कि गरीब आदमी को कोई लाभ नही मिलता है। प्लाटो की बात कही गई है। (विघ्न)

श्री सभापतिः चिउाना साहब, आ इधर देखिये और बोलिये।

श्री रामफल चिडानाः चेयरमैन सर, बी पी एल कार्डो का 4–4 बार सर्वे हो रहा है और बहुत से लोगों के बी पी एल कार्ड बने हुए थे लेकिन अब उनके नाम काट दिये गये है। इसके अलावा गरीब आदमी को अपमानित करने का ओर क्या साधन होगा कि उसके घर के बाहर दीवार पर लिख दिया गया है कि बी पी एल परिवार। ऐसे मे कोई व्यक्ति किसी के धर अपनी लडकी के रि ते के लिए जाएगा तो बाहर दरवाजे से देखकर ही लौट आएगा और कहेगा कि यह तो रजिस्टर्ड गरीब है, रजिस्टर्ड कंगाल है इसके घर कौन अपनी बेटी ब्याहेगा। वैसे भी यह कार्ड बनाए जा सकते थे। हमारे मुख्यमंत्री जी ने गोहाना मे और सोनीपत मे जाते है और कहते है कि गोहाना मेरा, सोनीपत मेरा है और मै गोहाना और सोनीपत का। सूचना के अधिकार के तहत हमने पता किया, हमारे एक वकील साथी ने पता किया। वह कागज मेरे पास है और आप चाहे तो यह कागज मै सदन के पटल पर भी रख सकता हूं। उन्होने पता किया कि पुलिस के छह हजार जवानो की भर्ती हुई ओर उसमे सोनीपत जिले के ऐड्रस पर मात्र तीन आदमी ही भर्ती हुए।

चौ0 जगबीर सिह मलिकः सभापति महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मेरे लायक दोस्त कह रहे है कि सिर्फ तीन आदमियो की सोनीपत से भर्ती हुई। मै इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि मैने 30 आदमियो की लिस्ट अखबार मे जारी की थी। भाायद इन्होने अखबार नही पढा होगा। 145 व्यक्ति ऐसे

है जिनकी करैक्टर वैरीफिके ान हुई है। यह रिकार्ड की बात है। वहां के पुलिस स्टे ान मे भी यह रिकार्ड मौजुद है कि 150 लोगो की भर्ती हुई जिसमे से 45 आदमी उसमे इनके सब डिवीजन के पुलिस मे भर्ती हुए है।

श्री रामफल चिडानाः यह रिकार्ड की चीज है। मै बगैर रिकार्उ के नही बोल रहा हूं। इतने बडे सोनीपत जिले से 3 आदमियो की भर्ती हो और मुख्यमंत्री कहते है कि गोहाना मेरा, सोनीपत मेरा और मै गोहाना और सोनीपत का। मै यहां विकास नही कर सकता तो और कौन करेगा?

श्री सभापतिः आप सुझाव दीजिए कि इसके लिए क्या करे?

श्री रामफल चिडानाः सभापति महोदय, यदि मलिक साहब के कहे अनुसार बात हम मान ले तो उस हिसाब से भी किलोई हल्के मे से ओर रोहतक हल्के के गावों से 70–70 आदमी लगते है और हमारे सब डिवीजन से 30–35 आदमी लगते है तो यह कहां का न्याय है। कहा का गोहाना और कहो का सोनीपत मुख्यमंत्री जी का हुआ। मै एक बात कहना चाहूंगा जो रिकार्ड की बात है। सभापति महोदय, हम बडे खु ा हुए थे जब यह घोशणा की गई थी कि खानपुर कलां गुरुकल को यूनिवर्सिटी बनाया जा रहा है। बडी उम्मीद थी कि हमारे जिले सोनीपत के बहुत लउके नौकरी लगेगें। चेयरमैन साहब, सोनीपत जिला एजूके ान के

मामले मे हमे ाा से ही अग्रणी रहा है। यह रिकार्ड की बात है। इस बारे मे सूचना के अधिकार के तहत पूछा गया कि खानपुर यूनिवर्सिटी बनने के बाद सोनीपत जिले के कितने बच्चे नौकरी लगाये गये है। उसके बारे मे लैटर आया जिसमे यह बताया गया कि अब तक 27 लैक्चरर्ज की भर्ती की गई है जिनमे से सोनीपत जिले का एक और दस हरियाणा से बाहर के लैक्चररर्ज भर्ती किए गए है। हरियाणा मे भी क्या इतने योग्य लडके नही है कि बाहर से लगाने पडे। मै यह कहना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री जी बडे जोर भाोर से कहते है कि हम हरियाणा के बच्चो को नौकरी पर लगायेंगे और फिर बाहर के बच्चो को नौकरी पर रखा जा रहा है।

श्री जगबीर सिह मलिकः सभापति महोदय, इसके बारे मे मै जवाब देना चाहूंगा।

श्री सभापतिः चौधरी साहब, आप नोट कर ले बाद मे इकटठा जवाब दे देना।

श्री रामफल चिडानाः सभापति महोदय वहां पर हमें हमारा हक मिलना चाहिए हमारे साथ ऐसा दोगला व्यवहार किया जा रहा है। जहां तक कानून व्यवस्था की बात करते है, सभापति महोदय, 4 दिसम्बर, 2008 को सत्याराम नाम का ए एस आई जो मेरे हल्के बडौदा का था। गांव पटवाडा मे उसकी हत्या कर दी गई ओर उस बेचारे का परिवार दर दर की ठोकरे खा रहा है लेकिन उसके हत्यारो का आज तक पता नही लगा है। उस ए एस

आई को गोली मार कर मार दिया गया। ये कानून व्यवस्था की बात करते है ओर पुलिस के आदमियो को सरेआम मार दिया जाता है। एक ए एस आई और उसकी घरवाली को गोलियां मारी गई उन हत्यारो का आज तक पता नही लगा। कानून व्यवस्था की डिटेल मे जाता हूं तो आप मुझे रोकते है। माननीय सदस्यजी बार बार बोल रहे है मै एक और बात आपको बताना चाहूंगा एक मामला उनही के गांव का है। सूबेदार मेजर जयकरण जिसको उसके कार्यो के लिए राश्ट्रपति जी ने प्र ास्ति पत्र दिया था वे इतने योग्य आदमी थे उनका 31.8.2005 को इनके गांव के पास ही कत्ल हुआ था। मै पूछना चाहता हूं कि ये कितने दलित हितैशी है क्योंकि वह दलित बिरादरी का आदमी था। वह कांग्रेस के बडे पदाधिकारी के पैट्रोल पम्प पर काम करता था इसलिए उस बात को दबा दिया गया। जिस आदमी को राश्ट्रपति ने अवार्ड दे रखा हो उसकी भी मौत का पता न लगे यह कितनी दुर्भाग्यपूर्ण बात है।

श्री सभापतिः चिडाना साहब, कन्कल्यूड कीजिए क्योंकि हाउस का समय खत्म होने में केवल दो मिनट ही रह गये है।

श्री रामफल चिडानाः सभापति महोदय, मुझे पता था कि आप मुझे ऐसे समय मे बोलने के लिए समय देंगे। मेरा पास मसला ही इतना था। हमारे साथ आप ऐसा ही करते है। आप दलितो की बात सुने। सरकार के समय मे जो हुआ है मै वही बात बता रहा हूं।

श्री सभापतिः चिडाना साहब, कन्कलूड कीजिए क्योंकि हाउस का समय खत्म होने मे केवल दो मिनट ही रह गये है।

श्री रामफल चिउानाः सभापति महोदय, आप समय को एक्सटैंड कर सकते है। जब मेरी बात पुरी नही हुई है तो मै कन्क्लयूड कैसे करु। स्पीकर सर, जिस आदमी को राश्ट्रपति ने अवार्ड दे रखा हो और उस आदमी की हरियाणा मे तेज धार हथियारो से हत्या कर दी जाए। इस बारे मे पोस्टमार्टम की रिपोर्ट है लेकिन उसके हत्यारे का अता पता नही चले यह यह कितनी दुर्भाग्यपूर्ण बात है।

श्री सभापतिः चिडाना साहब, कन्कलूड कीजिए।

श्री रामफल चिडानाः सभापति महोदय, आप हमे बोलने से रोक सकते है लेकिन जनता जब बोलेगी उसको आप नही रोक सकेंगे। जनता सब कुछ हिलाकर रख देगी।

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः सभापति महोदय, हाउस का समय बढा दीजिए। माननीय चिडाना जी अच्छा बोल रहे है चाहे गलत ही क्यों न बोल रहे हों।

बैठक का समय बढाना

Mr Speaker: Is it the sense of the House that the sitting of the House be extended for 5 minutes?

Voices: Yes, yes.

Mr.Chairperson: Hon'ble Members, the sitting of the House is extended for 5 minutes.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री रामफल चिडानाः सभापति महोदय, मे आपको बताना चाहूंगा कि मेरे भाई उदयभान जी ने भी अपनी बात कही। यहां कितने दलित सदस्य है। लेकिन कोई भी दलित की ाबत नही उठाता। सभापति महोदय, नौकरियो मे रिजर्वे ान का बैकलाग बहुत है। केवल पानी की टूंटी देने से, बी पी एल कार्ड देने से हमारा भला नही होगा। हमें नौकरियां देने से हमारा भला होगा। मै जब नौकरी पर था तो हमने कस्टोडियन की 14 एकड जमीन बोली पर खरीद ली थी। यदि हमारे भाईयो को नौकरियो न मिले तो वे गंदी बस्तियो मे 100–100 गज के प्लाट लेकर क्या करेंगे। वे अपने आप से माडल टाउन मे और हुडडा के सैंक्टर्ज मे प्लाट ले`लंगे। सभापति महोदय, ये हमे बहकाना चाहते है। जिस तरह अभी गैस्ट टीचर्ज की बात यहां आई थी। हमारे प्रधान जी ने 20 हजार गैस्ट टीचर्ज लगाए लेकिन उनमे रिजर्वे ान का नाम नहीं सरकार के पास कोई पालिसी नही ळै कि वे रैगुलर भर्ती कर सके। स्टाफ सिलैक ान कमी ान ने 4 साल से कोई भर्ती नही की। यह सरकार के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारे बच्चो के रोजगार का कितना नुकसान हुआ है। यह रोजगार का नुकसान सरकार ने किया है। क्या हमारे बच्चे पढे लिखे नही है। सभापति महोदय, ये ग्रेस मार्क्स देकर ि ाक्षा की बात करते है। मै तो कहूंगा कि ग्रेस

मार्क्स देने से तो अच्छा है कि अगर स्कूलो मे अध्यापक भर्ती नही कर सकती तो सरकार को वे स्कूल बंद कर देने चाहिए। हमारे बच्चे ग्रेस मार्क्स के भूखे नही है। उन्हे अच्छी एजुके ान दो, अच्छे टीचर्ज दो और उन्हे अच्छा माहौल दा ताकि वे अच्छे से अच्छा पढकर कम्पीटी ान मे भाग ले सके क्योंकि आज कम्पीटी ान का जमाना है। जो बच्चे कम्पीटी ान मे भाग लेकर आगे बढेंगे वही बच्चे तरक्की करेंगे। ग्रेस मार्क्स देने से कोई आगे नही बढ सकता है। ग्रेस मार्क्स देन से तो कोई एजुके ान की दहलीज भी पार नही कर सकता। जब हमारा टाईम था तो कोई ग्रेस मार्क्स नही होते थे। स्कूला मे पूरे टीचर्ज हुआ करते थे।

श्री सभापतिः रामफल जी आप कन्कलूड करें

श्री रामफल चिडानाः सभापति महोदय, या तो मुझे बोलने के लिए टाईम मत दे और अगर टाईम दे तो पूरा बोलने दो। सभापति महोदय मै दलितो की बात कर रहा था। क्या दलितो की बात आपको अच्छी नही लगती। गैस्ट टीचर्ज की मैने यहो बात की। पब्लिक हैल्थ मे कितने लोग लगाए गए, क्या उनमे कोई रिजर्वे ान दी गई, नही रिजर्वे ान का कोई नाम नहीं। सभापति महोदय, दलितो को 100–100 गज के प्लाट देने के बारे मे इन्दौरा जी कह रहे थे कि हरियाण न्यूज पर ये कहते है कि हमने दलितो के लिए यह कर दिय, वह कर दिया जबकि प्रैक्टिकली क्या किया है यह आप जाकर देख लें। जहां प्लाट दिये

गए है उन बस्तियो में इतनी बदबू आती है कि आपमे से कोई वहां नही जा सकता। आपको वेाट मिल जाते है। अबकी बार महंगाई मे आपको पता लगेगा कि दलित लोगों के वोट कैसे मिलते है। सभापति महोदय, यहां सडको की बात आई। हरियाणा मे सारी सडके टूटी पउी है। सारे प्र नकाल मे सउको के बुरे हाल के बारे मे चर्चा चल रही थी और सभी माननीय सदस्य मान रहे थे कि सडको का बुरा हाल है। परिवहन मंत्री जी से मै कहना चाहूंगा और जानना भी चाहूंगा कि हमारे राज मे डीलक्स बसे चली थी। सभापति महोदय, मंत्री जी का तो बहुतेरा जुगाड है ये तो कारो मे चलते है लेकिन मै तकरीबन बसो मे चलता हूं। बसो का बहुत बुरा हाल है। मै तो यह कहूंगा कि हरेक सरकार अपने मंत्रियो पर यह कंडी ान लगाए कि वे बसो मे जाकर देखें कि बसो का क्या हाल है। पब्लिक को बसो मे क्या क्या कठिनाईयो होती है। हमारे टाईम मे डीलक्स बसो मे टी वी होते थे लेकिन आज वहां टी वी की जगह कागज भरे हुए है। क्या डीलक्स बसे इसलिए बनाई गई थी कि उनमे टी वी की जगह कागज भरे जाए। क्या सरकार के पास टी वी रिपेयर के लिए भी पैसे नही है। बसो की खिडकिया टूटी हुई है तथा ओर भी कोई चीज ठीक नही है। परिवहन मंत्री जी, आप चल कर देख ले कि बसो का क्या हाल है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सभापतिः रामफल जी, आप कन्कल्यूड करे तथा गवर्नर ऐड्रेस पर ही बोलें।

श्री रामफल चिडानाः सभापति महोदय, जैसे कि मैने पहले भी कहा है कि ये कहते है कि गोहाना को हम अच्छा बना देंगे। गोहाना मे सीवरेज की पाईपस बिछनी थी। माननीय सदस्य बैठे है, ठीक है कि इनको अपने मकान के आगे से चलने का स्थान मिल गया। ये 8 महीने से कह रहे थे कि 15 दिन मे सडक बनवा देंगे और सीवरेज के पाईप डलवा देंगे। अब ये एम एल ए बन गए है, इनके मकान के आगे छोडकर बाकी सारी सडक 8 महीनो से फटी पडी हुई है चाहे तो मै कल इसका फोटो उतरवाकर ले आउंगा।

श्री जगबीर सिह मलिकः सभापति महोदय, **********

श्री सभापतिः जगबीर सिह जी क्या आपने जवाब देना है। रामफल जी, आपका समय पूरा हो गया । (विघ्न)

श्री जगबीर सिह मलिकः सभापति महोदय, मुझे पूरा जवाब देना है। गोहाना मे आज सारी सडको पर काम चल रहे है। ये गोहाना से बाहर रहते है इनको गोहाना के बारे मे पता नही है। गोहाना मे करोडो रुपए की लागत से ड्रेनेज के काम चल रहे है।

Mr. Chairperson: The time is over. Now, the House is adjourned till 2:00 P.M on Thursday, the 12th February, 2009.

18:35 Hrs.

(The Sabha then adjourned till 2:00 P.M on Thursday, the 12th February, 2009).